शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गारंटी सरकार आज पूरा कर रही एक साल, जश्न में आचार संहिता बाधक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 20 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-140

भारत आए ब्रिटिश पत्रकार ने खोली पश्चिमी मीडिया की कलई

कोई भेदभाव नहीं, फिर भी बताते हैं मोदी मुस्लिम विरोधी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिमी मीडिया भारत को लेकर पूर्वाग्रह से ग्रसित है। खास तौर पर वह भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगातार समाचार-कुचक्र में लगा रहता है। पश्चिमी मीडिया भारत को लेकर उन्हीं खबरों को तवज्जो देता है, जो फर्जी सेकुलरबाजों के सिंडिकेट से प्लांटेड होती हैं। जबकि, पश्चिम मीडिया जिस तरह भारत का चित्रांकन अपनी खबरों के जरिए करता है, वास्तविकता उससे बिल्कुल अलग है। भारत में धार्मिक आधार पर कोई विभाजन नहीं है और न ही योजनाओं का लाभ देने में कोई भेदभाव है। फिर भी भारत सरकार के खिलाफ सुनियोजित षडयंत्र जारी है, जो चुनाव के समय अधिक तेज हो जाता है। एक ब्रिटिश पत्रकार ने बड़ी बेबाकी से इस हकीकत को स्वीकार किया है।

ब्रिटेन के अखबार डेली एक्सप्रेस के असिस्टेंट एडिटर सैम स्टीवेंसन ने कहा, मुझे लगता है कि अब भारत की आलोचना के बरक्स काफी कुछ कहने का समय आ गया है। अब भारत विरोधी बकवास का समय खत्म हो गया। हमें यहां आकर नए भारत की सच्ची एवं सकारात्मक कहानियां बताने की जरूरत है। स्टीवेंसन ने कहा, दुर्भाग्य से लंदन और पूरे यूरोप में मौजूद बहुत-सी स्टोरीज़ (खबरें) भारत के बारे में सिर्फ नकारात्मक बातें कहती हैं। हम धार्मिक विभाजन जैसी बातें सुन रहे हैं, लेकिन हमने जमीन पर ऐसा कहीं नहीं देखा। हमने मुस्लिम महिलाओं को पूरे बुर्के में नरेंद्र मोदी

भारत विरोधी बकवास परोसने का समय खत्म हुआ

की रैली में आते देखा है। स्टीवेंसन कहते हैं, यह इस जगह के बारे में बिल्कुल शानदार बात है।

ब्रिटिश पत्रकार ने कहा कि वे इस सच्चाई को दुनिया के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा, हमने इस महान और अद्भुत राष्ट्र के बहुलतावाद के उदाहरण देखे हैं। हम इस राष्ट्र के बारे में ब्रिटिश मीडिया के कवरेज

को बढ़ाने के लिए यहां आए हैं। हम यहां सच्चाई तक पहुंचने और कुछ वास्तविक तथ्य खोजने और उन्हें अपने घर लंदन लाने के लिए हैं। स्टीवेंसन ने कहा कि नया भारत 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इसके अलावा भी बहुत कुछ सकारात्मक खबरें हैं भारत के बारे में, जिसे दुनिया को बताया जाना जरूरी है। सैम

भारत की सच्ची खबरें दुनिया के सामने आनी चाहिए

स्टीवेंसन इस समय लोकसभा चुनावों को कवर करने के लिए भारत में हैं।

स्टीवेंसन ने कहा कि पूरे यूरोप और पश्चिम में भारत के बारे में धारणा अच्छी नहीं है। उन्होंने बताया, हमें यहां की नकारात्मक खबरें पढ़ाई, सुनाई और दिखाई जाती हैं। यह शर्म की बात है, क्योंकि लोगों को यहां आने, अपनी आंखों से सब कुछ देखने, इसे जीने, इसमें सांस लेने और इससे मिलने की जरूरत है। लोग जमीनी स्तर पर लोगों से बात करें। आप देखेंगे कि सबकी भलाई के लिए नया भारत और ब्रिटेन एक वैश्विक ताकत बन सकते हैं।

ब्रिटिश पत्रकार ने कहा कि दोनों देशों की संस्कृति, भाषा, विरासत और इतिहास साझा है। स्टीवेंसन ने कहा, ब्रिटिश मीडिया उस चीज को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है जो बहुत जटिल है। वे कह रहे हैं कि मोदी इस्लाम विरोधी हैं, लेकिन जब आप जमीन पर उतरते हैं और मुस्लिमों से बात करते हैं, हिंदुओं-सिखों से बात करते हैं तो आप देखेंगे कि भारत सभी संस्कृतियों या धर्मों को स्वीकार कर रहा है।

पुरुलिया की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

रक्षण के बजाय भक्षण कर रही ममता

मां, माटी, मानुष की रक्षा का वादा करके आई थी टीएमसी

गुंडे शाहजहां को बचाने के लिए मांओं पर लांछन लगा रही

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पश्चिम बंगाल में हुंकार भरी। पांचवें चरण के मतदान से पहले उन्होंने पुरुलिया में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह पुरुलिया में वोट मांगने नहीं बल्कि जनता का आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने आरक्षण को लेकर इंडी गठबंधन पर निशाना साधा। इसके साथ ही बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को भी आड़े हाथों लिया। पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी मां, माटी, मानुष की रक्षा करेगी का वादा लेकर आई थी, लेकिन अब वही मां, माटी, मानुष का भक्षण कर रही है। संदेशखाली मामले को लेकर उन्होंने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी वाले शाहजहां शेख को बचाने के लिए संदेशखाली की बहनों को दोषी ठहरा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बंगाल की महिलाओं का भरोसा टीएमसी से टूट गया है। संदेशखाली में जो पाप हुआ है, उसने पूरे बंगाल की बहनों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा, एससी/एसटी परिवार की बहनों को तो टीएमसी के लोग इंसान ही नहीं समझते। माफिया शाहजहां को बचाने के लिए टीएमसी के लोग संदेशखाली की बहनों को ही ▶8 पर

पश्चिम बंगाल में एक ही रात में 4 मंदिरों में तोड़फोड़

धूपगुड़ी, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संरक्षण में कट्टरपंथी मुस्लिम अराजकता पर उतर आए हैं। हिंदुओं के खिलाफ लगातार हिंसा और तोड़फोड़ जारी है। शुक्रवार 17 मई की रात को धूपगुड़ी के चार हिंदू मंदिरों को एक साथ तहस-नहस कर दिया गया।

मंदिरों में रखी मूर्तियों को तोड़ डाला गया। ये मंदिर जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी स्थित खोलई ग्राम में हैं। जिन मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया, उनमें दो मंदिर काली माता के, एक शिव मंदिर और एक शनि मंदिर है। इन चारों मंदिरों में एक ही रात में ▶8 पर

संदेशखाली में फिर नाबालिग के साथ दुष्कर्म

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में फिर एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना घटी। बलात्कार करने वाला तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का ही कार्यकर्ता निकला। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि कक्षा आठवीं की छात्रा ने किसी तरह वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। बशीरहाट पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि बलात्कार के आरोपी से पूछताछ जारी है। लड़की का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। ▶8 पर

अमित शाह ने प्रयागराज में किया जनता को आगाह

पाकिस्तान की भाषा बोलने वालों से देश को बचाएं

यह चुनाव एक महान भारत की रचना का अवसर दे रहा है

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को प्रयागराज के मेजा स्थित सोरांव में आयोजित चुनावी जनसभा में इंडी गठबंधन पर तीखा हमला किया। शाह ने इंडी गठबंधन पर धारा 370 की वापसी की मंशा रखने, पाकिस्तान को सम्मान देने और परमाणु हथियारों को नष्ट करने का एजेंडा बनाने का आरोप लगाया। अमित शाह ने जनता को आगाह करते हुए कहा कि पाकिस्तान की भाषा बोलने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों से देश को बचाएं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव एक महान भारत की रचना का अवसर दे रहा है। सुरक्षित और सशक्त भारत बनाने का संकल्प लेने का है। ऐसे में जनता नेतृत्व विहीन गठबंधन की राजनीति समझ चुकी है। ▶8 पर

मछलीशहर में बोले शाह पीओके हमारा है

जौनपुर, 19 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जौनपुर के मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र के मड़ियाहूं में आयोजित जनसभा के दौरान विपक्ष पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने कहा कि मड़ियाहूं के लोग बताओ पीओके हमारा है कि नहीं? शाह ने कहा, पीओके भारत का है, भारत का रहेगा और भारत उसे लेकर रहेगा।

शाह ने कहा कि खड़गे जी कहते हैं कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश वालों से कश्मीर से क्या लेना-देना है। अरे खड़गे जी आप 80 पार हो गए, इस देश को नहीं जान पाए हो। ▶8 पर

नए आपराधिक कानूनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

● विसंगतियों पर आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को इस याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में दावा किया गया है कि नए आपराधिक कानूनों में कई विसंगतियां हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की अवकाश पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ वकील विशाल तिवारी ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि नए आपराधिक कानूनों को लागू करने से रोक की मांग की गई है। आरोप है कि इन कानूनों पर संसद में बहस नहीं हुई और जब विपक्षी सांसद निलंबित थे, तब इन कानूनों को संसद से पास करा लिया गया था। याचिका में मांग की गई है कि विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, जो आपराधिक कानूनों की व्यावहारिकता की जांच करे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नए आपराधिक कानून कहीं अधिक कठोर हैं और इससे देश में पुलिस का राज स्थापित हो जाएगा। ये कानून देश के लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। ये कानून अंग्रेजी कानूनों से भी ज्यादा कठोर हैं। पुराने कानूनों में किसी व्यक्ति को 15 दिनों तक पुलिस हिरासत में रखने का प्रावधान है, लेकिन नए कानूनों में यह सीमा बढ़ाकर 90 दिन कर दी गई है। ▶8 पर

भाजपा नेता और वकील देवराजे गौड़ा ने बड़े षडयंत्र का खुलासा किया

शिवकुमार ने भाजपा और पीएम मोदी के खिलाफ की थी साजिश

बेंगलुरु, 19 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता और वकील देवराजे गौड़ा ने एक बड़े षडयंत्र का खुलासा किया है, जिसमें कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शामिल हैं। देवराजे गौड़ा ने कहा कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी को बदनाम करने के लिए 100 करोड़ रुपए देने की पेशकश की थी। गौड़ा ने कहा कि शिवकुमार ने उन्हें अग्रिम राशि के रूप में 5 करोड़ रुपए भी भेजे थे।

देवराजे गौड़ा का आरोप है कि कांग्रेस नेता शिवकुमार ने पूर्व एमएलसी एमए गोपालस्वामी को उनसे बातचीत करने के लिए नियुक्त किया था। गौरतलब है कि शुक्रवार (17 मई 2024) को जब उन्हें

न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा था तो उन्होंने पुलिस वाहन से पत्रकारों से बात करते हुए ये टिप्पणी की। उन्हें लगभग एक सप्ताह पहले यौन शोषण के आरोप में कांग्रेस सरकार ने गिरफ्तार किया है। देवराजे गौड़ा ने प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो और यौन शोषण मामले को सार्वजनिक किया किया था। ▶8 पर

ब्लू कॉर्नर नोटिस के बाद गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलुरु, 19 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजनीति में हलचल मची हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और हासन सीट से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। सांसदों और विधायकों की एक विशेष अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में शनिवार को जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इस मामले में इनके पिता और होलेनारसिपुरा के विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना पर एक महिला का अपहरण करने का आरोप भी है।

● एनआईए की चार्ज शीट से हुआ सनसनीखेज खुलासा

भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ करा रहे मानव तस्कर

बेंगलुरु, 19 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मानव तस्करी के मामले में बांग्लादेश के दो नागरिकों मुहम्मद सहज हलदर और मुहम्मद इदरीस खान उर्फ इरदिश के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। दोनों ने 10 साल पहले भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित बेनापोल बॉर्डर से भारत में घुसपैठ की थी। इसके बाद इन दोनों ने बड़ी तादाद में बांग्लादेशियों की भारत में घुसपैठ कराई। एनआईए के मुताबिक दोनों मानव तस्करी गिरोह के सरगना हैं। एनआईए ने अपने बयान में कहा कि कूड़ा बीनने के काम के बाद सहज हलदर और इरदिश ने कर्नाटक के मारगोंडानहल्ली में जमीन किराए पर ली। ▶8 पर

16 महीने में 1000 से अधिक घुसपैठिए गिरफ्तार

मानव तस्करी गिरोह से जुड़े चार बांग्लादेशियों जहांगीर आलम, एमएन हुसैन, ओमरान हुसैन और रियाद हुसैन को त्रिपुरा में पकड़ा गया। इनके साथ ही इनकी भारत में घुसपैठ कराने वाला भारतीय दलाल रफिकुल इस्लाम भी पकड़ा गया है। हड़बड़ी में अगरतला रेलवे स्टेशन के रास्ते प्रवेश कर रहे इन चारों बांग्लादेशियों को सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीमों ने पकड़ा। ▶8 पर

शेयर मार्केट

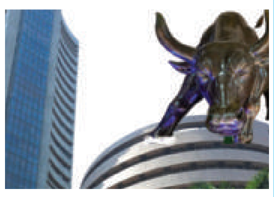

बीएसई : 73,917.03
+253.31 +0.34% ↑
एनएसई :22,466.10
62.25 (0.28%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

अभिव्यक्ति की आजादी पर राहुल गांधी खूब करते हैं रुदालियां

...पर भिखू म्हात्रे की गिरफ्तारी कांग्रेस की असलियत है

सोशल मीडिया यूज़र का जुर्म : कांग्रेस की असली नस दबा दी

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खूब डायलॉग मारते हैं, लेकिन उनका और कांग्रेस का चरित्र ठीक इसके विपरीत है। कांग्रेस के मैनिफेस्टो में मुस्लिम उल्लेख को रेखांकित करने वाले एक सोशल मीडिया यूज़र को गिरफ्तार करने में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने तनिक भी देरी नहीं की। बताया गया कि यह गिरफ्तारी सीधे राहुल गांधी के निर्देश पर की गई। कर्नाटक पुलिस ने गोवा जाकर उस व्यक्ति को उठा लिया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया। कांग्रेस पार्टी के घोषणा-पत्र (मेनिफेस्टो) के बारे में लिखने पर भीखू म्हात्रे नाम के सोशल मीडिया यूजर को बेंगलुरु पुलिस ने गोवा जाकर गिरफ्तार कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि भिखू म्हात्रे के पेन-नेम से लिखने वाला व्यक्ति कांग्रेस पार्टी के उसी मेनिफेस्टो के बारे में बता रहा थे, जिसमें कांग्रेस पार्टी ने अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर बड़ी-बड़ी बातें लिखी हैं। कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में दावा किया

है कि वह मीडिया और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की बिना वजह गिरफ्तारी से लोगों की रक्षा करेगी। कांग्रेस जेल नहीं बेल को अधिकार बनाएगी। लेकिन भिखू म्हात्रे की गिरफ्तारी के एक मामले ने ही कांग्रेस के मैनिफेस्टो को धो कर रख दिया।

कांग्रेस की जिन राज्यों में सरकारें हैं या फिर कांग्रेस की अगुवाई वाले टूटे-फूटे गठबंधन इंडी अलायंस की, वहा सोशल मीडिया से लेकर मेनस्ट्रीम मीडिया तक का दमन किया जा रहा है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की पुलिस गोवा से भीखू म्हात्रे को गिरफ्तार करती है, तो कांग्रेस की सहयोगी डीएमके की पुलिस बिहार से। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार की पुलिस यूपी से गिरफ्तारी के लिए किडनैपिंग तक का सहारा लेती है। पंजाब पुलिस ने मुजफ्फरनगर से यूट्यूबर रचित को दिन-दहाड़े उठा लिया था। रचित मुजफ्फरनगर में एक पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। ममता बनर्जी की सरकार संदेशखाली मुद्दे की कवरेज करने मात्र से मीडिया कर्मियों पर दनादन मुकदमे लाद देती है। कांग्रेस नीत महाविकास आघाड़ी की तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार ने पत्रकारों के खिलाफ क्या-क्या दमनात्मक कदम उठाए, ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

2580 वां जिनशासन स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में पूज्य मलयप्रभ सागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी एवं साध्वी प्रियस्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में वैशाख सुदि एकादशी, यानी वीर शासन स्थापना दिवस यानि जिनशासन का प्रथम दिवस रविवार को बहुत ही हर्षोल्लास से ध्वजारोहण, ध्वजवन्दन एवं सामूहिक सामायिक करके मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी को शुभकामनाएं और बधाइयां प्रदान करते हुए कहा कि जिस दिन त्रैलोक्यनाथ प्रभु महावीर ने तीर्थ (चतुर्विध संघ) की स्थापना की, यानी आज के दिन ही प्रभु तीर्थंकर पद (तीर्थं स्थापना) से सुशोभित बने। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि देवाधिदेव प्रभु वीर एवं वीर शासन के अकथ्य उपकार हमारे ऊपर है। वैसे तो सभी परमात्मा का केवलज्ञान कल्याणक दिवस एवं तीर्थ स्थापना दिवस एक ही तिथि को होता है, केवल वीर प्रभु के शासन

में अलग-अलग है, जिसे आश्चर्य माना गया है। परमात्मा के ग्यारह गणधरों के विषय में अपने प्रवचन में पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि प्रभु वीर द्वारा इंद्रभूतिजी के नाम को बदलकर गौतम स्वामी नामकरण किया गया।

आज का दिवस हमें इन्द्रभूति के अहंकार के गुरु गौतम के विनय में परिवर्तन की बात कहता है। सर्वश्रेष्ठ अनंत लब्धिनिधान, विनय के भंडार गौतम स्वामीजी महाराज का दीक्षा दिवस भी आज ही का था। इंद्रभूति आदि उस समय के सर्वश्रेष्ठ ग्यारह विद्वानों को वेदपाठी ब्राह्मणों को दीक्षा एवं गणधर पद प्रदान एवं अनेक शिष्यों का दीक्षा दिवस भी आज ही है।

पूज्य साध्वीवर्या स्वर्णांजना जी ने द्वादशांगी (आगमों) के रचना दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि मात्र 3 शब्द प्रभु से प्राप्त कर 11 अंग आगम, 14 पूर्वों की रचना केवल 48 मिनट के अंदर-अंदर गणधरों ने की। हमें मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति जिनशासन से ही हो सकती है। कार्यक्रम की शुरुआत में ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, निर्भय लाल गुलेच्छा, महामंत्री कुशलराज गु-लेच्छा, श्री जैन श्वेताम्बर खरतर-गच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् के अध्यक्ष पंकज बाफना, मंत्री विकास खटोड़ आदि सदस्यों ने ध्वजारोहण करके ध्वजवन्दन किया। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि परमात्मा ने साधु साध्वी श्रावक श्राविका रूप चतुर्विध संघ की स्थापना आज के दिन की। हम श्रावक- श्राविकाओं को भी पूजनीय तीर्थ का अभिन्न अंग बनाया और प्रभु वीर - गुरु गौतम का प्रथम मिलन भी आज के दिन ही हुआ। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने कहा कि आज अगर प्रभु वीर ने हमें जिनशासन में सम्मिलित नहीं किया होता तो पता नहीं हम कौन से भव में किस हालत में होते और हमारा खान पान किस तरह का होता।

कार्यक्रम में धर्मेन्द्र संकलेचा, सुरेन्द्र कुमार रांका, पुखराज कवाड, नरेन्द्र पारख, कैलाश संकलेचा, रीटा पारख, मूलेश मालू, किरण भन्साली, उम्मेलमल बाफना, पारसमल पगारिया, अशोक चोपड़ा, अनिल भडकतिया, रमेश गुलेच्छा, जवेरीलाल गुलेच्छा, कुशल डोसी के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

आचार्य श्री महाश्रमण जी का 15वां पटोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शान्तिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी का 15वां पटोत्सव का आयोजन साध्वी श्री उदितयशा जी के सानिध्य में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा भवन हनुमंत नगर में उल्लाषपूर्वक मनाया गया। हनुमंतनगर महिला मंडल की बहनों ने महाश्रमण अष्टकम से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। साध्वी उदितयशा ने महाश्रमण के शिष्य सवरूप को प्रकट करते हुए कहा पात्रता हो तो संपदाए स्वयं आयेगी। आचार्य महाश्रमण ने समर्पण और विनय के द्वारा अपनी पात्रता को उजागर किया। गुरु के वचन के प्रति उनका समर्पण अचम्भित करने वाला है। वे सुसमर्पित शिष्य थे। जो स्वय समर्पित शिष्य होता है वही अनुशास्ता बन सकता है। जो समर्पित होता है वही अच्छा नेता बन सकता है। आज हम भी चिंतन करें कि हम भी उनके शिष्य है। हमार शिष्यस्थ कैसे सुरक्षित रहे। इसका हमे ध्यान देना है। साध्वी प्रभाजी ने आराधक से आराध्य बने आचार्य श्री के गुणों का विश्लेषण किया, जिन्होंने आचर्या श्री तुलसी एवं महाप्रज्ञजी को आकर्षित किया था। आपका दृष्टि संयम, श्रमनिष्ठा और पापभिरुता का गुण अनुत्तर है। साध्वी भव्ययशा जी ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन करते हुए अपने गुणों को आत्मसात करने के टिप्स दिये।

सभा अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने अपने विचार रखे। संगीता तातेड ने अपनी श्रद्धा व्यक्त की। तेयुप संचालित सुरसंगम सदस्यों व महिला मण्डल ने समवेत स्वरो में भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर हनुमंत नगर सभा, महिला मंडल, तेयुप पदाधिकारी व सदस्यगण एवं श्रावक, श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिती रही।

अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजधानी सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले एक सप्ताह से बारिश हो रही है और मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 23 मई तक बारिश जारी रहेगी। बेंगलूरु, तुमकुरु, कोलार, चिक्कबल्लापुर, रामानगर, मगदी, कोडागु, हासन, चिक्कमगलूरु, शिवमोग्गा, हुब्बल्ली, धारवाड़, चित्रदुर्ग, मैसूरु आदि जिलो में बारिश हो रही है और किसानों के चेहरे पर मुस्कान है। बेंगलूरु में शनिवार से बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर बारिश हुई है। रविवार सुबह से ही बादल छाए रहे और बारिश भी हुई। भीषण गर्मी से जूझ रहे प्रदेशवासियों को वरुणा के आगमन से थोड़ी राहत मिली और राहत की सांस ली। भयंकर सूखे के कारण, चावल किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इसी बीच बारिश आने से किसानों में उम्मीद जगी है। पानी की कमी और बढ़े हुए तापमान के कारण सब्जियों की पैदावार कम हो गई है और कीमतें आसमान छू रही हैं और कहा जा रहा है कि अगले एक महीने तक यही कीमत जारी रहने की संभावना है। व्यापारियों का कहना है कि अगर बारिश जारी रही तो आने वाले दिनों में फसल की कीमतें घटने की उम्मीद है।

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न मामले के मुख्य आरोपी हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जो विदेश में छिपे हैं, को जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत द्वारा गिरफ्त-ारी वारंट जारी करने के बाद और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा है।

शनिवार को जांचकर्ताओं ने अदालत से प्रज्वल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अनुरोध किया, जो फरार है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए प्रज्वल पर कानूनी शिकंजा और कसते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

एसआईटी ने प्रज्वल को सुनवाई में शामिल होने के लिए पहले ही नोटिस जारी कर दिया था। लुकआउट नोटिस के बाद ब्लू कॉर्नर नोटिस लागू किया

गया। हालाँकि, वे विदेश से नहीं लौटे और मुकदमे में शामिल नहीं हुए। उन्होंने अभी और बाद में आने की बात कहकर फ्लाइट का टिकट बुक कराया और आखिरी वक्त में उसे कैंसल करके एसआईटी अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की। पता चला है कि वह शनिवार को ट्रेन से जर्मनी से लंदन के लिए रवाना हुए। इस बीच, कोर्ट के आदेश के बाद एसआईटी ने प्रज्वल के बैंक खातों पर कड़ी नजर रखी है, घर लौटते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पता चला है कि एसआईटी कोर्ट के गिरफ्तारी वारंट के आधार पर राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखने की योजना बना रही है। इससे पहले, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी प्रज्वल को भारत लाने में मदद के लिए केंद्र को पत्र लिखा था।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन ने अपने ट्रेड फेयर को सफल बनाने के लिए रविवार को श्री क्षेत्र धर्मस्थला के प्रमुख विरेंद्र हेगड़े से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही ट्रेड फेयर में आने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, अभिषेक मेहता, नितेश गुलेचा, सज्जनराज कोठारी और ललित परमार समेत अन्य मौजूद थे।

जिन शासन स्थापना दिवस मनाया

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को 24वें तीर्थंकर शासनपति परम उपकारी श्री महावीर स्वामी भगवान, जिन्होंने वैशाख सुदी ग्यारस को शासन की स्थापना की थी, के उपलक्ष में मंदिर जी के प्रांगण में शासन ध्वज फहराया गया। इस मौके पर संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, संघ के समिति सदस्य विनोद मुथा, महेंद्र बंदा, राजेंश श्रीश्रीमाल, संघ के वरिष्ठ शांतिलाल बंदा, शांतिलाल मुथा, रणजीत गुरूजी, मांगीलाल गादिया समेत सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कला संगम सांस्कृतिक ट्रस्ट द्वारा अक्का महादेवी सभागार में बसवा जयंती के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संत बसवन्ना के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मनभावन नृत्य की प्रस्तुति दी। जिससे दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

धरती माता को बचाने के लिए वृक्षारोपण अभियान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महावीर इंटरनेशनल बेंगलूर चैप्टर ने रविवार को बनशंकरी में धरती माता को बचाने के लिए वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। महावीर इंटरनेशनल की चेयरपर्सन भारती छाजेड़ इस वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण को बचाने की पहल में शामिल हुई। इसकी अध्यक्षता प्रोजेक्ट चेयरमैन विजयराज सिसोदिया और सह-प्रोजेक्ट चेयरपर्सन काजल जैन ने की। भारती छाजेड़ ने कहा हमने पूरे क्षेत्र में 30 पेड़ लगाए हैं। इस अभियान को बेंगलूरु की हासिरू राता टीम ने काफी समर्थन दिया। पेड़ों का लगाव और संरक्षण करने का महत्वपूर्ण उपाय हमें पर्यावरण के संतुलन और स्वस्थ जीवन के लिए सतत प्रयास करने की आवश्यकता को समझने में मदद करता है। इसलिए, हम सभी को पेड़ों का लगाव करने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि हम सभी मिलकर एक स्वस्थ और सुरक्षित प्रकृतिक वातावरण का निर्माण कर सकें। पृथ्वी माता का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है, और पेड़ों का खास महत्व इसके सुनिश्चित करने में है।

अंजलि अम्बिगेरा की बहन ने आत्महत्या का किया प्रयास

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
अंजलि अम्बिगेरा, जिसकी हाल ही में हत्या कर दी गई थी, की दादी गंगम्मा अंबिगेरा ने कहा है कि चार दिन पहले अंजलि अंबिगेरा की नृशंस हत्या से व्यथित होकर उनकी बहन यशोदा अंबिगेरा ने आत्महत्या का प्रयास किया।

पत्रकारों से बात करते हुए, गंगम्मा ने कहा कि यशोदा ने फिनाइल पी लिया क्योंकि वह अंजलि को याद कर रही थी। 15 मई को अंजलि की उसके पड़ोसी

गिरीश सावंत ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी क्योंकि उसने शादी का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया था।

गंगम्मा ने कहा कि यशोदा भी उदास थी क्योंकि उसे लगा कि उसकी बहन को न्याय नहीं मिलेगा, क्योंकि आरोपी गिरीश सावंत को गिरफ्तार कर लिया गया है और वह पुलिस हिरासत में आराम से रह रहा है। गंगम्मा ने कहा, यशोधा इस बात से परेशान थी कि उसकी बहन को न्याय नहीं मिल रहा है और उसका हत्यारा आरामदायक जीवन जी रहा है और अस्पताल में अच्छा इलाज चल रहा है। इसलिए, उसने इसे (फिनाइल) पी लिया। वह अब ठीक है।

उन्होंने मांग की कि आरोपियों को खत्म किया जाए। इस बीच, भाजपा ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया बिगड़ती कानून-व्यवस्था के कारण हत्यारों को मौज-मस्ती मिल रही है।

नि:शुल्क फाइब्रो स्कैन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के 63वें जन्म दिवस के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में लिवर से संबंधित रोगों की स्क्रीनिंग हेतु नि:शुल्क फाइब्रो स्कैन का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. विद्यासागर रामप्पा (मणिपाल हॉस्पिटल) ने नि:शुल्क परामर्श प्रदान करते हुए शिविरार्थियों से खान-पान में शुद्धता, नियमित व्यायाम समेत अन्य सलाह दी। शिविर के अंतर्गत नि:शुल्क रक्तचाप जांच

की गई। इस शिविर में कुल 25 सदस्य लाभान्वित हुए जिसमें से लगभग 17 सदस्य फैटी लीवर ग्रेड 2 से ग्रस्त थे। तेयुप सदस्यों ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं एवं डॉक्टरों की उपलब्धता से अवगत करवाया। स्थानीय सदस्यों ने परिषद परिवार के प्रति मंगलकामना संप्रेषित करते हुए सेन्टर द्वारा प्रदत्त सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। परिषद परिवार द्वारा डॉक्टर का जैन पट से सम्मान किया गया। इस शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता, दीपश्री, श्यामला, स्नेहा एवं दीपा मैडम का सम्पूर्ण सहयोग रहा। तेयुप से सुनील मेहता, अनुज हीरावत एवं राजेश देरासरिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

गारंटी सरकार आज पूरा कर रही एक साल, जश्न में आचार संहिता बाधक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को अस्तित्व में आए सोमवार को एक साल हो जाएगा, लेकिन नीति संहिता पृष्ठभूमि के कारण पहली वर्षगांठ समारोह को रोक दिया गया है। 2023 विधानसभा चुनाव का परिणाम 13 मई को घोषित किया गया। कांग्रेस के 135 विधायक चुने गए।

पांच निर्दलीयों ने कांग्रेस पार्टी को समर्थन दिया। स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आई सरकार को मुख्यमंत्री चुनने के लिए भारी कवायद करनी पड़ी। दिल्ली में एक हफ्ते तक चली चर्चा के बाद आखिरकार सिद्धरामैया को आलाकमान सौंप दिया गया। डीके शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, को लोकसभा चुनाव तक पार्टी की जिम्मेदारी के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस ने कुछ महीने पहले हुए विधान परिषद चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था। फिलहाल लोकसभा चुनाव हो चुके हैं और नतीजों का इंतजार है।

इस बीच पिछले साल प्री-मॉनसून और मॉनसून बारिश की कमी के कारण भयंकर सूखा पड़ा था। पिछले अक्टूबर में राज्य सरकार ने 223 तालुकों को सूखा प्रभावित घोषित किया था। केंद्र सरकार से अपेक्षित वित्तीय सहायता नहीं मिलने पर सुप्रीम कोर्ट से कानूनी विवाद के माध्यम से 3,600 करोड़ मिले हैं। जिन किसानों की फसल का नुकसान हुआ है, उन्हें मुआवजा बांटा जा रहा है।

इससे पहले राज्य सरकार ने अपने खजाने से 34 लाख किसानों को 600 करोड़ रुपये दिये थे। 800 करोड़ से अधिक अनुदान का उपयोग पेयजल, चारा और रोजगार सृजन पर किया गया है। सिद्धरामैया की सरकार को पंचखत्री योजनाओं के सफल कार्यान्वयन पर गर्व है, जिसे कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने का मुख्य कारण माना जाता है, पहली कैबिनेट बैठक में शक्ति, अन्नभाग्य, गृहज्योति, गृहलक्ष्मी और युवा निधि के कार्यान्वयन को सैद्धान्तिक मंजूरी दे दी गई। सभी परियोजनाओं को 6 महीने के भीतर चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। सरकार की नीतियों के मुताबिक राज्य की 80 फीसदी जनता यानी करीब 4.50 करोड़ लोग पंचखत्री योजना तक पहुंच चुके हैं।

गृह लक्ष्मी और गृह ज्योति परियोजनाएं उन लोगों के लिए वरदान मानी जा रही हैं जो मूल्य वृद्धि से हिल गए हैं। इस बीच, विपक्ष ने भी आपत्ति जताई है कि राज्य सरकार ने विकास परियोजनाओं के लिए पैसा नहीं दिया है। ऐसी आलोचनाएं हो रही हैं कि शराब की कीमत, स्टांप ड्यूटी, मोटर वाहन कर सहित कुछ सेवा शुल्क बढ़ा दिए गए हैं। हाल ही में हुब्बल्ली की नेहा और अंजलि तथा मीना की हत्या के मामले ने सरकार के सामने कानून व्यवस्था की चुनौती का सवाल खड़ा कर दिया है। लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना की पेन ड्राइव का मामला काफी गरमाया हुआ है और सरकार की किरकिरी हो गई है। भाजपा ने हिंदू कार्यकर्ताओं पर अत्याचार का शोर मचाकर सरकार पर कीचड़ उछालने की कोशिश की थी।

समायोजित कर संतुष्ट किया गया

इन तमाम कड़वाहटों के बीच सिद्धरामैया सरकार ने बिना किसी चिंता के एक साल गुजार लिया है। चर्चा शुरू हो गई है कि कांग्रेस के बाहरी इलाकों में जाति के आधार पर उपमुख्यमंत्री के पद बनाए जाएं। आलाकमान ने शुरुआत में ही इस पर ब्रेक लगा दिया। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद संभावना है कि अतिरिक्त उपमुख्यमंत्रियों के पद और नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा होगी। कहा जा रहा है कि राज्य में बारिश होने से सूखे की गंभीरता कम हो गई है। लेकिन डर है कि राजनीतिक सत्ता का टकराव किसी भी वक्त फूट पड़ेगा। असंतुष्ट विधायकों को निगम-मंडलों में समायोजित कर संतुष्ट किया गया है।

एमजी रोड पर मेट्रो सेवाएं आपातकालीन रखरखाव के लिए हुई बाधित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने बताया कि एमजी रोड के पास आपातकालीन ट्रैक रखरखाव के कारण रविवार की सुबह नादप्रभु केम्पेगौड़ा स्टेशन (मैजेस्टिक) और इंदिरानगर के बीच नम्मा मेट्रो ट्रेन सेवाएं एक घंटे के लिए उपलब्ध नहीं थीं। व्यवधान सुबह 6.50 बजे के आसपास शुरू हुआ और सामान्य सेवाएं सुबह 7.50 बजे फिर से शुरू हुईं। अप्रत्याशित रुकावट के कारण कई यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। मेट्रो के नियमित उपयोगकर्ता प्रसन्ना कुमार ने कहा, मैं रविवार को भी अपनी दिन की पाली में काम पर जाने के लिए मेट्रो पर निर्भर रहता हूं। व्यवधान के कारण देरी हुई, लेकिन शुक्र है कि रविवार होने के कारण ज्यादा भीड़ नहीं थी। इंदिरानगर की एक अन्य यात्री अनन्या राव ने कहा मुझे मैसूरु के लिए बस पकड़ने के लिए मैसूरु रोड पर केंगेरी बस स्टॉप पर पहुंचना पड़ा। अघोषित देरी निराशाजनक थी। व्यवधान के बावजूद, अन्य सभी खंडों में मेट्रो सेवाएं सुबह 7 बजे से निर्धारित समय पर शुरू हुईं। इस बीच, बीएमआरसीएल अधिकारियों ने सोशल मीडिया के साथ-साथ मेट्रो में यात्रियों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगी और कहा कि यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रखरखाव कार्य महत्वपूर्ण था।

हवाई अड्डों पर अवैध रूप से सोने की तस्करी के आरोप में पांच गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीमा शुल्क अधिकारियों ने विदेशों से अवैध सोने की तस्करी के अलग-अलग मामलों में पांच लोगों को गिरफ्तार किया और 2.55 करोड़ रुपये मूल्य का 3642.36 ग्राम सोना जब्त किया। दुबई से मेंगलूरु हवाई अड्डे पर पहुंचे एक व्यक्ति की जांच की गई तो उसके पास से 59.3 लाख रुपये मूल्य का 828 ग्राम 24 कैरेट सोना पाया गया। उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और मामला दर्ज किया गया। एक अन्य मामले में, केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई से आने वाले यात्रियों की जांच करने वाले सीमा शुल्क अधिकारियों को 1.96 करोड़ रुपये का सोना मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। कुछ सूचनाओं के आधार पर जब दुबई से आए तीन पुरुषों और एक महिला की जांच की गई तो पता चला कि जींस पैंट और टी-शर्ट में 2814.36 ग्राम पेस्ट जैसा सोना छिपा हुआ था। इन चारों को भी गिरफ्तार कर सोना जब्त कर लिया गया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

भारी बारिश ने शहर के विभिन्न इलाकों में मचाई भारी आफत

नॉर्थवुड अपार्टमेंट पूरी तरह से बाढ़ग्रस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर समेत विभिन्न जिलों में रात की बारिश ने भारी आफत मचा दी। शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई है और यलहंका के आसपास भारी बारिश के परिणामस्वरूप, नॉर्थवुड अपार्टमेंट पूरी तरह से बाढ़ग्रस्त हो गया। चूंकि तूफानी जल निकासी को खोल दिया गया है, राजकालुवे का पानी विला और अपार्टमेंट में घुस गया और निवासियों को घर से बाहर आने की अनुमति नहीं थी और वे पानी की नाकाबंदी के तहत थे। इसके अलावा राजकालुवे के पानी की दुर्गंध से भी लोग

परेशान हैं। लोग मोटर लगाकर जमा पानी निकालने की जद्द-ोजहद कर रहे हैं। एक सप्ताह पहले इसे निगम के संज्ञान में लाने पर भी कोई फायदा नहीं हुआ। शाही नहर का पानी ओवरफ्लो होने से दिक्कत हुई। पार्किंग में खड़े वाहन पानी से क्षतिग्रस्त हो गए। कुल मिलाकर अपार्टमेंट के लोग रात भर संघर्ष करते रहे। झील जैसे पानी को साफ करने पहुंचे निगम अमले के खिलाफ रहवासियों ने आक्रोश जताते हुए कहा वहां के रहवासियों को स्थाई समाधान करना होगा, हर बार बारिश में यही स्थिति बन रही है। उन्होंने सबसे पहले शाही नहरों की सफाई कराने की मांग की। रविवार सुबह से मौसम में बादल छाए हुए हैं और दोपहर में छिटपुट बारिश हुई है, उडुपी जिले में बारिश के कारण बिजली के खंभे बह गए और शिरूर में तार पर पैर पड़ने से इरशाद (56) नाम के एक व्यक्ति की मौत हो गई। कफीनाड के चिक्कमंगलूरु में भी भारी बारिश हुई और हाउसिंग बोर्ड इलाके में परिसर ढह गया और दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। तालुक के कास्के गांव में एक घर पर भारी पेड़ गिर गया और काफी नुकसान हुआ।

शिवमोग्गा में भी भारी बारिश हुई और शादी के हॉल में पानी घुस गया और लोगों के लिए यह एक गंभीर समस्या बन गई। एक ओर झोपड़ी के कर्मचारियों ने पंप लगाकर पानी बाहर निकाला। सुकर्णडु मांड्या में भी अच्छी बारिश हुई और के.आर.पेटे तालुक के जक्कनहल्ली में घरों में पानी भर जाने से समस्या हुई। भारी बारिश के कारण पेड़ और बिजली के खंभे टूट गये। तुमकुरु जिले में भी बारिश हुई है और कुछ निचले इलाकों में पानी घुस गया और वहां के लोग संघर्ष कर रहे हैं। कोराटागेरे तालुक के बायरेनहल्ली गांव में स्थानीय लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है कि कोराटागेरे-गौरीबिदानूर राजमार्ग पर ऊंचाई का काम पूरा नहीं होने के कारण घरों में पानी घुस गया है। कोटेनाडु चित्रदुर्ग में भी बारिश हुई है, होसादुर्गा तालुक में केलोडु पुल डूब गया और वाणीविलास सागर में पानी बह रहा।

भाजपा नेता की गिरफ्तारी को लेकर विधायक ने थाने पर दिया धरना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधायक हरीश पूंजा ने अवैध पत्थर उत्खनन के मामले में एक भाजपा नेता को गिरफ्तार करने पर पुलिस पर जमकर हमला बोला और आधी रात को पुलिस स्टेशन पर धरना देने का प्रयास किया। दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलतांगडी तालुक के मेलांताबेट्टू गांव निवासी सुरप्पा पुजारी की जमीन पर पत्थर की खुदाई चल रही थी और शनिवार शाम को तहसीलदार ने

छापा मारा और निरीक्षण किया। इस मामले में पाया गया कि खदान से संबंधित पर्याप्त दस्ता-वेज नहीं थे। इसके अलावा अवैध रूप से विस्फोटकों का भंडारण किया गया था। पुलिस ने कंप्रेसर मशीन और अन्य सामान जब्त कर लिया। भाजपा नेता प्रमोद डिडुपे और भाजपा युवामोर्चा तालुक अध्यक्ष शशिराज शेट्टी खदान चला रहे थे। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस ने शशिराज शेट्टी को गिरफ्तार किया। देखते ही देखते भाजपा कार्यकर्ता थाने के सामने जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। विधायक हरीश पूंजा मौके पर पहुंचे और सवाल किया कि आधी रात को हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करना क्यों जरूरी था। पुलिस कांग्रेस के एजेंट की तरह काम कर रही है। मैं अपने कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा। उन्होंने जिद की कि मैं उनके साथ पुलिस स्टेशन में सोऊंगा। पुलिस को उन्हें समझाने में मशक्कत करनी पड़ी। भाजपा नेताओं ने सुबह तक थाने के सामने धरना दिया।

पीएम को कर्नाटक में शक्ति मुफ्त यात्रा योजना पर गलत जानकारी मिली: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि शक्ति योजना के कारण बेंगलूरु मेट्रो को राजस्व का नुकसान हुआ है, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री को मुफ्त यात्रा योजना पर गलत इनपुट मिले है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई शक्ति योजना के तहत महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकती हैं। इस संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, शिवकुमार ने कहा प्रधान मंत्री का बयान सुनना चौंकाने वाला है, क्योंकि उन्हें तथ्यों की जानकारी नहीं है। कर्नाटक में शक्ति योजना फल-फूल रही है। लगभग 60 लाख महिलाएं हर दिन इस मुफ्त यात्रा सेवा का उपयोग करती हैं। यह आरोप कि इस योजना से बहुत प्रदूषण होता है और मेट्रो को घाटा होता है, सच नहीं है। आय 30

प्रतिशत बढ़ी है और मेट्रो ने 130 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। मेट्रो केवल बेंगलूरु में उपलब्ध है और शक्ति योजना पूरे राज्य में लागू की गई है। शिवकुमार ने कहा देश के दक्षिणी भाग में, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में, योजना बहुत अच्छा चल रही है। लोग खुश हैं। प्रधानमंत्री को शायद इस बारे में तथ्य नहीं पता होंगे कि लोगों को कैसे फायदा हो रहा है। मुझे योजना के कार्यान्वयन के संबंध में पार्टी लाइनों के विभिन्न राज्य नेताओं से फोन आ रहे हैं। राज्य में सभी आरटीसी का भुगतान सरकार कर रही है। यह राज्य में कुल पांच गारंटी के बीच लागू होने वाली पहली गारंटी योजना थी। कर्नाटक सरकार पहले ही अतिरिक्त 1,000 नई बसें खरीद चुकी है। हमने इन बसों को पूरे राज्य में वितरित किया है। सरकार और बसें खरीद रही है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने महिलाओं की सेवा के लिए एक पहल की है।

सिर पर पत्थर मारकर युवक की हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सिटी मार्केट पुलिस स्टेशन में शनिवार रात को एक युवक के सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। मारे गये युवक का नाम व पता अभी पता नहीं चल पाया है। रात में बदमाशों ने सिटी मार्केट कॉम्प्लेक्स के पीछे जीपी स्ट्रीट पर एक दुकान के सामने एक युवक की हत्या कर दी और फरार हो गए।

खबर सुनते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को विक्टोरिया अस्पताल भेज कर हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मारा गया युवक कौन है और अपराधियों ने किस मकसद से उसकी हत्या की। पुलिस युवक का नाम और पता जानने के लिए हत्या वाली जगह के आसपास की सड़कों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

लॉरी पलटने से दो मजदूरों की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
करकला तालुक के निट्टे भ्रामरी क्रॉस पर एक दुखद दुर्घटना हुई, जिसमें दो मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब मेंगलूरु की ओर जा रही पत्थरों से लदी एक लॉरी चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे लॉरी पलट गई। मृतकों की पहचान कोप्पल जिले के यालाबुर्गी देवलपुरा के करिअप्पा और नारिअप्पा के रूप में की गई है।

करकला के डीएसपी अरविंद कलगुज्जी ने घटना स्थल का दौरा किया। करकला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण की तैयारियां पूरी, मतदान आज

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।
लोक सभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार को आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 49 संसदीय सीटों और ओडिशा विधानसभा के दूसरे चरण के लिये 35 सीटों पर सोमवार को सुचारु रूप से मतदान कराने के लिये आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चुनाव आयोग ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक कराया जायेगा और कुछ मतदान केन्द्रों में मतदान समाप्त होने की समय सीमा में परिवर्तन हो सकता है।

इस चरण में 49 लोकसभा सीटों पर 695 उम्मीदवारों और ओडिशा विधानसभा के दूसरे चरण के लिये 35 सीटों पर उतरे 265 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों में से पहले चरण में 13 मई को 28 सीटों पर मतदान हो चुका है। चुनाव आयोग ने मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये हैं। साथ ही मुख्य चुनाव अधिकारियों एवं जिला चुनाव अधिकारियों को भीषण गर्मी और लू जैसे हालात को देखते हुये उचित प्रबंधन करने के लिये पर्याप्त उपाय करने की सलाह दी गयी है। चुनाव कर्मियों को मशीनों और सामग्री के साथ उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिये रवाना कर दिया गया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये हैं कि मतदान आरामदायक और सुरक्षित वातावरण में हो। मतदान केंद्र पर पर्याप्त छाया, पेयजल, रैंप, शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधायें हों।

आयोग ने मतदाताओं से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर आने और जिम्मेदारी और गर्व के साथ मतदान करने का आह्वान किया है। आयोग की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार आठ राज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 49 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 8.95 करोड़ मतदाता 94,732 मतदान केंद्रों पर वोट डाल कर 695 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला तय कर सकेंगे। इनमें 4.69 करोड़ पुरुष तथा 4.26 करोड़ महिला और

5409 उभयलिंगी मतदाता अपने मताधिकार शामिल हैं।

इस चरण की 49 संसदीय सीटों में सामान्य श्रेणी की 39, अनुसूचित जनजाति तीन और अनुसूचित जाति की सात सीटें हैं। ओडिशा विधानसभा की 35 सीटों में सामान्य श्रेणी की 21, अनुसूचित जनजाति के लिये आठ और अनुसूचित जाति की छह सीटें हैं। आयोग ने कहा है कि मतदान और सुरक्षा अधिकारियों को पहुंचाने के लिये 17 विशेष रेलगाड़ियाँ और 508 हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित की गयी हैं। मतदाताओं को किसी भी प्रकार के प्रलोभन देने से सख्ती से और तेजी से निपटने के लिये कुल 2000 उड़न दस्ते, 2105 स्टेटिक निगरानी टीमें, 881 वीडियो निगरानी टीमें और 502 वीडियो देखने वाली टीमें चौबीसों घंटे निगरानी रख रही हैं।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार पांचवें चरण के लिये 85 वर्ष से अधिक उम्र के 7.81 लाख से अधिक पंजीकृत और 7.03 लाख दिव्यांग और सौ साल से अधिक उम्र के 24,792 मतदाता हैं, जिन्हें अपने घर से आराम से मतदान करने का विकल्प प्रदान किया गया है। वैकल्पिक होम वोटिंग सुविधा को पहले से ही काफी सराहना और प्रतिक्रिया मिल रही है।

आयोग ने इस चरण के चुनाव को सुचारु और शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिये 153 पर्यवेक्षकों (55 सामान्य पर्यवेक्षक, 30 पुलिस पर्यवेक्षक, 68 व्यय पर्यवेक्षक) की तैनाती कर रखी है। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्यों में विशेष पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। कुल 216 अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकियां और 565 अंतरराज्यीय सीमा चौकियां शराब, ड्रग्स, नकदी और मुफ्त वस्तुओं को लाने और ले जाने पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। इसके अलावा समुद्री और हवाई मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी गयी है। पांचवें चरण में जिन आठ राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के संसदीय सीटों के लिये मतदान होगा, उनमें उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा और बिहार की पांच-पांच, झारखंड की तीन और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की एक-एक सीट है। इस चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान, केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर, डॉ प्रवीण भारती पवार, शान्तनु ठाकुर, कपिल पाटिल, अन्नपूर्णा देवी , भाजपा नेता राजीव प्रताप रूड़ी और राष्ट्रीय जनता दल की रोहिणी आचार्य शामिल हैं।

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में उमड़ा तीर्थयात्रियों का रेला

देहरादून, 19 मई (एजेंसियां)।
उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित श्री मां गंगोत्री एवं मां यमुनोत्री धाम की तरफ रविवार को अभूतपूर्व रूप से बड़ी संख्या में तीर्थयाात्रियों का रेला उमड़ पड़ा। वर्तमान समय में जिला मुख्यालय उत्तरकाशी तथा भटवाड़ी क्षेत्र में वर्षा हो रही है। यमुनोत्री धाम में भी हल्की बूंदाबांदी हो रही है एवं गंगोत्री धाम व अन्य तहसील क्षेत्रों में बादल छाए हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आज अपराह्न 2 बजे तक गंगोत्री धाम में दस हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे और विभिन्न जगहों से लगभग अट्ठाईस हजार यात्री गंगोत्री धाम की तरफ बढ रहे हैं। यमुनोत्री धाम में भी दो बजे तक तक साढे आठ हजार लोगों ने दर्शन कर लिया था और लगभग बीस हजार लोग विभिन्न पड़ावों से यमुनोत्री मार्ग पर आगे बढ रहे हैं। तीर्थयात्रियों की भारी तादाद में आगमन को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता और मुस्तैदी बढाते हुए सभी यात्रा व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारियों को धामों एवं यात्रा रूटों पर उतार दिया है। भीड़ को देखते हुए यात्रा मार्गों व पड़ावों पर यात्री सुविधाओं को बढाया जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था तथा ट्रैफिक संचालन को नियंत्रण में बनाए रखने के लिए सभी एहतियाती उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

जिला प्रशासन ने दावा किया है कि रिकार्ड संख्या में तीर्थयात्रियों के आगमन के बावजूद, यात्रा सुचारू और सुव्यस्थित रूप से संचालित हो रही है। वाहनों का आवागमन भी व्यवस्थित रूप से हो रहा

है। जानकारी के मुताबिक, आज 2 बजे अपराह्न तक गंगोत्री धाम में 1100 वाहन एवं 9900 यात्री मौजूद थे। इसी तरह दोपहर में यमुनोत्री धाम व इसके पैदल मार्ग पर भी लगभग 8500 तीर्थयात्री मौजूद थे। जबकि यमुनोत्री के आखिरी पड़ाव जानकीचट्टी-खरसाली में भी लगभग 500 वाहन और 4500 श्रद्धालु हैं। यात्रियों के रिकार्ड संख्या में दोनों धामों में आने की संभावना का आकलन करने के बाद प्रशासन के यात्रा व्यवस्था से जुड़े तमाम अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्क करते हुए यात्रा रूटों तथा धामों में निरंतर तैनात रहने के निर्देश जारी किए है। जिला मुख्यालय पर स्थापित यात्रा नियंत्रण कक्ष से धामों व मार्गों की स्थिति पर सीसीटीवी फीड के माध्यम से निरंतर नजर रखी जा रही है। यह नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है और यात्रियों की भीड़ बढाने के साथ ही निगरानी व्यवस्थाओं को भी लागातार बढाया जा रहा है। जिलाधिकारी डा. मेहरबान सिंह बिष्ट द्वारा नियंत्रण कक्ष की कमान संभाल कर व्यवस्थाओं पर नजर रखने के साथ ही यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में तैनात अधिकारियों को निर्देश जारी किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने भी यात्रियों की रिकार्ड संख्या को देखते हुए सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन तथा ट्रैफिक नियमन को लेकर अधिकारियों से विचार-विमर्श कर मातहतों को व्यवस्था को बनाए रखने के लिए निर्देश जारी किए हैं। अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा व्यवस्थाओं के संपादन, समन्वय, विभिन्न स्थानों पर मुस्तैद है। गंगोत्री क्षेत्र के सुपर जोनल मजिस्ट्रेट जय किशन आज सुबह से ही नगुण होते हुए गंगोत्री मार्ग के विभिन्न पड़ावों का निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं को बनाने में जुटे हैं।

गंगोत्री के सेक्टर अधिकारी, उप जिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी भी गंगोत्री क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी में जुटे हैं। यमुनोत्री क्षेत्र में यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारू व सुव्यस्थित बनाए रखने के लिए तैनात सुपर जोनल मजिस्ट्रेट एवं टिहरी के मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी भी जानकी चट्टी से यमुनोत्री के पैदल मार्ग की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरस्त बनाए रखने के साथ ही अतिरिक्त व्यवस्थाओं को जुटाने व यात्रियों की भीड़ के प्रबंधन को लेकर अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर तैनात हैं। इस सिलसिले में उन्होंने आज यमुनोत्री धाम का दौरा करने के साथ ही पैदल मार्ग की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। साथ में उप जिलाधिकारी बड़कोट मुकेश चंद रमोला और जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी का कार्यभार देख रहे उप जिलाधिकारी, डुंडा नवाजिश खलीक ने भी आज यमुनोत्री धाम का दौरा कर जानकी चट्टी में ही डेरा डाला है।

पुलिस एवं प्रशासन के द्वारा स्थिति का आकलन करने के बाद होल्डिंग प्वाईंट्स, गेट व वन-वे व्यवस्था को लेकर काफी सावधानी बरती जा रही है और अतिरिक्त संख्या में पुलिस, होमगार्ड्स व पीआरडी के जवान धामों व यात्रा रूटों पर तैनात किया गया है। यमुनोत्री रूट पर जानकीचट्टी व धाम क्षेत्र में में पुलिस उपाधीक्षक एसएस भंडारी सुरक्षा व ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने में जुटे हैं और यात्रा ड्यूटी के लिए बड़कोट में पुलिस क्षेत्राधिकारी एसपी बडोनी को तैनात किया गया है। जबकि गंगोत्री क्षेत्र में पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कुमार पुलिस से संबधित व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने में जुटे हैं।

शिमला में आग लगने से सेब के 500 पौधे नष्ट

शिमला, 19 मई (एजेंसियां)।
हिमाचल प्रदेश के जुन्गा तहसील मुख्यालय से सटी भड़ेच पंचायत में शनिवार को भीषण आग लगने से करीब पांच सौ सेब के पौधे बुरी तरह से झुलस गए। इसके अतिरिक्त एक गौशाला, रिहायशी मकान, किसानों की घासनियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। नायब तहसीलदार जुन्गा इंद्र कुमार ने मौके पर जाकर नुकसान का जायजा लिया व प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नुकसान का सही आकलन करने के निर्देश भी दिए हैं।

नायब तहसीलदार के अनुसार आगजनी के कारण भड़ेच पंचायत के राजस्व गांव बाहली खनलोग में अनिल ठाकुर, हीरा सिंह और अमींचंद के सेब के बगीचों को भारी नुकसान हुआ। आग के कारण सेब पर लगी जालियां भी जल गई। इसी प्रकार बहाली खनलोग में कमला की गौशाला पूरी तरह जल गई, हालांकि गौशाला से मवेशियों को बाहर निकाल दिया गया था। इसके अतिरिक्त ओम चंद के रिहायशी मकान के पिछली तरफ दो कमरों को काफी नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने बताया कि आगजनी से हुए नुकसान की रिपोर्ट सरकार को भेज दी जाएगी। अहम बात यह है कि आगजनी से पंचायत घर व पटवार सर्कल भड़ेच को आगजनी की भेंट चढ़ने से बचा लिया गया। स्थानीय पटवारी सुरेश ठाकुर ने बताया कि नुकसान का आकलन कार्य प्रगति पर हैं। प्रभावित बागवान एवं पूर्व प्रधान अनिल ठाकुर ने बताया कि उनके बगीचे में करीब अढाई सौ सेब के पौधे आग से नष्ट हो गए हैं। अधिकांश पौधे सेब से लदे हुए थे ।

उन्होंने बताया कि उनके बागीचे में अधिकांश रूटस्टॉक व एम-9 पौधें लगें थे। उन्होने बताया कि यह आग बाहली नाला से आरंभ होकर खारी ढलियाणा और भड़ेच तक पहुंच गई थी। अधिकांश लोगों के बगीचे, फसलों के खेत व घासनियां जल कर राख हो गई हैं। कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया है।

आम आदमी पार्टी मां, बहन और बेटियों का करती है अपमान: शिवराज

दिल्ली/भोपाल, 19 मई (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आपा) मां-बहन और बेटियों का केवल अपमान करने का काम करती है।

श्री चौहान ने दिल्ली की तीन लोकसभा सीटों पर चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल मां-बहन बेटियों को अपमानित करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी अहंकारी आदमी पार्टी बन गई है। श्री केजरीवाल अहंकार से भरे व्यक्ति हैं। श्री केजरीवाल को ये जवाब तो देना चाहिए कि, अगर कोई महिला जो उन्हीं की पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं, आप अहंकार में उनसे ही बात करने से इंकार कर देते हैं। आपके लोग एक बेटी के साथ, एक बहन के साथ दुर्व्यवहार करते हैं ये आश्चर्यचकित कर देने वाली घटना है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्व्यवहार भी केवल शब्दों में नहीं बल्कि पिटाई जैसी चीजें भी होती है। आप अपनी राज्यसभा सदस्य को न्याय देने के बजाय, दुर्व्यवहार करने वाले को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। महिला का अपमान भारतीय संस्कृति और संस्कारों में नहीं है।

श्री केजरीवाल को याद रखना चाहिए कि यह वो भारत है जहां एक द्रोपदी का अपमान हुआ था तो महाभारत हो गई थी और दुर्व्यवहार करने वालों का वंश सहित विनाश हो गया था। ना आप बचेंगे और ना ही आपकी पार्टी बचेगी।

श्री चौहान ने कांग्रेस और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया गांधी अधेड़ उम्र के श्री गांधी को रायबरेली की जनता को सौंप रही हैं। कांग्रेस आज वोट देने के लायक नहीं बची है, लेकिन श्रीमती गांधी रायबरेली की जनता से कहती है कि वे अपना बेटा सौंप रही हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि सोनिया गांधी को ही राहुल पर भरोसा नहीं है कि वो रायबरेली सीट से जीत हासिल करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री तो तय हैं कि नरेन्द्र मोदी हैं और रहेंगे लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले बताएं कि, उनका प्रधानमंत्री कौन है। कभी कहते हैं कि बारी-बारी से एक-एक साल बन जाएंगे। कभी कहते हैं कि बाद में तय करेंगे। उन्होंने कहा कि हम बाजार में मटका भी खरीदने जाते हैं तो देखकर लेते हैं कि कहीं से फूटा तो नहीं है। सब्जियां लेने जाते हैं तो देखते हैं कि खराब तो नहीं है। जब हम मटका और सब्जियां भी देखकर लेते हैं तो प्रधानमंत्री भी देखभाल कर ही चुनेंगे।

उत्तराखंड स्थित विश्व धरोहर फूलों की घाटी नन्द कानन वन एक जून से खुलेगा

चमोली, 19 मई (एजेंसियां)।
उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी ट्रेक पहली जून से पर्यटकों के लिए खोल दी जाएगी। यह ट्रेक अपने फूलों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

यह घाटी दुर्लभ हिमालयी वनस्पतियों से समृद्ध है और जैव विविधता का अनुपम खजाना है। यहां 500 से अधिक प्रजाति के रंग-बिरंगे फूल खिलते है। प्रकृति प्रेमियों के लिए फूलों की घाटी से टिपरा ग्लेशियर, रताबन चोटी, गौरी और नीलगिरी पर्वत के बिहंगम नजारे भी देखने को मिलते है। फूलों की घाटी 30 अक्टूबर तक पर्यटकों के लिए खुली रहेगी।

उप वन संरक्षक बीबी मर्तोलिया ने बताया कि फूलों की घाटी के लिए पर्यटकों का पहला दल पहली जून को घांघरिया बेस कैंप से रवाना किया जाएगा। पर्यटकों को फूलों की घाटी का ट्रैक करने के बाद उसी दिन बेस कैंप घांघरिया वापस आना होगा। जहां उनके ठहरने की समुचित व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि वैली ऑफ फ्लावर ट्रैकिंग के लिए देशी नागरिकों को 200 रुपए तथा विदेशी नागरिकों के लिए 800 रुपए ईको ट्रेक शुल्क निर्धारित किया गया है।

ट्रैक को सुगम और सुविधाजनक बनाया गया है। फूलों की घाटी के लिए बेस कैंप घांघरिया से टूरिस्ट गाइड की सुविधा भी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि यूनेस्को ने हिमालय के उत्तराखंड मे स्थित फूलों की घाटी को विश्व धरोहर घोषित किया था। यूरोपियन लेखक और प्रकृति के यायावर फ्रेंक स्माइथ ने वेली आफ फ्लावर के शीर्षक से भारत के हिमालय में स्थित फूलों के अदभुत संसार पर एक पुस्तक लिखी। जिसके बाद दुनिया की नजर फूलों की घाटी पर गया। शास्त्रों और मान्यताओं के अनुसार, यही वह प्राकृतिक सौंदर्य तथा फूलों एवं वनाषौधियों का क्षेत्र है, जिसे नन्द कानन वन कहा जाता है।

बदरीनाथ के पूर्व धर्माधिकारी भुवन उनियाल बताते हैं कि इस नन्द कानन वन में देवता निवास करते हैं।

सुपौल : एसएसबी ने 102 किलोग्राम गांजा बरामद किया

सुपौल, 19 मई (एजेंसियां)।
सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने रविवार को 102 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बल के 45वीं बटालियन के कमांडेंट गौरव सिंह ने आज यहां बताया कि सूचना मिली थी कि सीमा स्तम्भ संख्या 200 और 201 के मध्य खेतों में मक्के के छिलकों के बीच तस्करों द्वारा भारी मात्रा में गांजा छुपा कर रखा गया है । सूचना की विश्वसनीयता देखते हुए निरीक्षक अजय नैथानी के नेतृत्व में कुल 12 सदस्यों का नाका दल नियुक्त कर चिन्हित स्थान के लिए रवाना हुआ । नाका दल अपने साजो-सामान के साथ चिन्हित स्थान पर छुपाव में बैठ कर सतर्कता के साथ ड्युटी करने लगा। श्री सिंह ने बताया कि काफी समय उपरांत जब नाका दल को कोई हरकत नहीं दिखी तब नाका दल द्वारा खेत में इकट्ठा की हुई मकई के छिलकों को हटाकर तलाशी ली गयी । इस क्रम में नाका दल को मकई के छिलकों के नीचे छुपा कर रखी दो बोरियाँ प्राप्त हुई जिनमें से गांजा की सुगंध आ रही थी। बल ने बोरियों को खोलकर देखा और पाया कि बोरियों में गाँजा जैसा दिखने वाला पदार्थ ही रखा गया है । तत्पश्चात बोरी में रखे सामान की जांच नरकोटिक्स ड्रग्स डिटेकशन किट से की गयी जिससे बोरी में रखे सामान की पुष्टि गाँजा के रूप में हुई जिसका वजन 102 किलोग्राम 770 ग्राम पाया गया जिसे नाका दल द्वारा जब्त किया गया ।

आजमगढ़, लालगंज, जौनपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर और प्रयागराज की जनसभाओं में बोले योगी

रविवार को सीएम योगी की रैलियों का सुपरहिट-सिक्सर

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को रैलियों का शानदार सुपरहिट सिक्सर लगाया। उन्होंने छह लोकसभा सीट आजमगढ़, लालगंज, जौनपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर और इलाहाबाद में चुनाव प्रचार करते हुए सपा-कांग्रेस को खूब धोया। योगी बोले, इनके कारनामे रावण जैसे हैं। कांग्रेस और सपा हिंदुओं को तबाह करना चाहती है। सीएम ने सपा पर कटाक्ष किया कि सरकार बनाने के लिए चाहिए 273 सीट और सपा लड़ रही है 62-63 सीट पर। यह सरकार तो बना नहीं पाएंगे, बल्कि सिर्फ पीछे ढोल बजाते रहेंगे।

सीएम योगी ने आजमगढ़ में सांसद व भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ के पक्ष में कहा कि आजमगढ़ की पहचान आतंक के गढ़ के रूप में बना दी गई थी। देश में कहीं भी आतंकी धमाके होते थे तो आजमगढ़ का नाम आता था, मगर बीते 10 साल में कहीं आतंकी घटना नहीं हुई। सीएम ने कहा कि आजमगढ़ को अभी बहुत कुछ देना है, इसे औद्योगिक सिटी बनाना है। यह फिल्म सिटी का केंद्र बनेगा, जहां से ढेर सारे निरहुआ और आम्रपाली दुबे निकलेंगे। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वो लोग यहां पिकनिक मनाने आ रहे हैं और चुनाव बाद इंग्लैंड घूमने निकल जाएंगे। सीएम ने तंज कसा कि अब आजमगढ़ को नहीं, बल्कि सपा के लोगों को शक की निगाह से देखा जाता है। लोग मानते हैं कि ये शरीफ तो नहीं होगा, जरूर कोई गुंडा बदमाश होगा। सपा के समर्थक की तलाशी शुरू हो जाती है, लोग समझते हैं कि ये कुछ गड़बड़ करने आया होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ के फूलपुर पवई में लालगंज लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी नीलम सोनकर के लिए आयोजित जनसभा में कहा कि सपा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन अराजकता, भ्रष्टाचार और कर्फ्यू लगाने वाला गठबंधन है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सरकार में गरीबों, दलितों, महिलाओं और नौजवानों के प्रति नहीं, बल्कि माफिया और आतंकवादियों के प्रति इनकी संवेदना थी। यह उनके लिये काम करते थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने ही देश को नहीं बचा पा रहा है। पीओके में लगातार आंदोलन चल रहा है। वहां अव्यवस्था और आगजनी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरा कार्यकाल दीजिए, पीओके भारत का हिस्सा होगा। सीएम ने कहा कि गुंडा-माफिया के सरगना कह रहे हैं कि योगी जी को बुलडोजर नहीं चलाना चाहिए। मैं कहता हूं कि चिंता न करो, जो बचे हैं चुनाव बाद उनकी संपत्ति पर भी बुलडोजर चल जाएगा।

सीएम योगी ने जौनपुर में भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह के लिए वोट मांगा। बोले कि सपा व कांग्रेस के रूप में रावण का जिन्न आज भी मौजूद है। इनके कारनामे रावण जैसे हैं। इन पर प्रभु राम की कृपा नहीं हो रही है। होगा वही, जो रामलला चाहेंगे और रामलला अपने भक्त मोदी को तीसरी बार सत्ता सौंपने का निर्णय ले चुके हैं। सीएम ने कहा कि सपा और माफिया का चोली-दामन का साथ है। यह अलग हो ही नहीं सकते। पूर्वांचल के दुर्दांत माफिया के मरने पर सपा अध्यक्ष उसके घर मातम मनाने जाते हैं। हम उत्तर प्रदेश की धरती से रामद्रोहियों, भारत विरोधियों और माफिया को समाप्त करके रहेंगे। सीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस के इंडी गठबंधन का एकजुट होना खतरे की घंटी का संकेत है। दो लड़कों की जोड़ी अनर्थ करने के लिए ही मिलती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भाजपा न आपकी संपत्ति का सर्वे कराने देगी, न ही जजिया कर लगाने देगी और न ही पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण पर सेंध लगाने देगी।

मुख्यमंत्री ने रामपुर खास में प्रतापगढ़ के सांसद व भाजपा प्रत्याशी संगमलाल गुप्ता के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का हिस्सा बनाना है, इसलिए अबकी बार 400 पार सीटें चाहिए। कांग्रेस और सपा को इस नारे से चक्कर आने लगा है, क्योंकि प्रयागराज और गाजीपुर वाले इनके शागिर्द मिट्टी में मिल चुके हैं। सपा आतंकवादियों की हितैषी पार्टी है। सीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है। जो रामद्रोही है वो राष्ट्रद्रोही भी है। इन सभी के डीएनए एक जैसे हैं। ये मिलकर अराजकता फैलाते और ताड़का, मारीच व सुबाहू की तरह दंगा-फसाद कराते हैं।

सीएम योगी ने फूलपुर से विधायक और लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवीण पटेल के पक्ष में सोरांव में जनसभा को संबोधित किया।

जूता कारोबारियों पर आयकर का छापा

नोट गिनते-गिनते थक गई मशीनें

बिस्तर में भरी मिली नोटों की गड्डियां

आगरा, 19 मई (एजेंसियां)। आगरा में आयकर विभाग ने शहर के तीन बड़े जूता कारोबारियों के यहां तलाशी ली। इसमें अब तक 60 करोड़ रुपए नकद बरामद किए जाने की पुष्टि हुई है। आगरा में जूता कारोबारियों के ठिकानों पर पड़े आयकर विभाग के छापे में नोटों का अंबार बरामद हुआ। बीते दिन से शुरू हुई नोटों की गिनती का सिलसिला रातभर चलता रहा। मशीनें तक थक गईं। पूरी रात नोटों की गिनती होती रही। सुबह तक 60 करोड़ रुपए की रकम बरामदगी दस्तावेजों पर दर्ज हुई। वैसे छापे में 100 करोड़ से ज्यादा रुपए मिलने की संभावना जताई जा रही है।

हरमिलाप ट्रेडर्स, बीके शूज और मंशु फुटवियर पर आयकर विभाग की कार्रवाई हुई। आयकर विभाग की जांच शाखा ने आगरा, लखनऊ, कानपुर के कर्मचारियों के साथ इन कारोबारियों के छह ठिकानों पर कार्रवाई की। इनमें बीके शूज के एमजी रोड स्थित प्रतिष्ठान और सूर्य नगर स्थित घर की तलाशी ली गई। जूते की ट्रेडिंग कर रही मंशु फुटवियर और बीके शूज के मालिक रिश्तेदार हैं और बीते कुछ वर्षों में ही बाजार में बड़ा नाम बन गए हैं। हरमिलाप ट्रेडर्स का शू मैटेरियल का काम है।

इन्वेस्टिगेशन विंग की 12 से ज्यादा टीमों ने यह कार्रवाई की। कारोबारियों के पास से भारी मात्रा में जमीन में निवेश, सोने की खरीद की जानकारी भी मिली है। इनर रिंग रोड के पास कारोबारियों ने बड़ा निवेश किया है। टीम ने लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। साथ ही इनका डाटा लिया गया है। रसीदें और बिल के साथ स्टॉक रजिस्टर की जांच की गई है। इस जांच में कई हैरान कर देने वाली जानकारियां सामने आई हैं। एक प्रतिष्ठान के संचालक ने अपने आईफोन का लॉक नहीं खोला है। उसमें लेन-देन के कई राज छिपे हैं।

आयकर विभाग को जूता कारोबारियों के भारी मात्रा में जमीन में निवेश, सोने और अन्य सम्पत्तियों की खरीद की जानकारी भी मिली है। इनर रिंग रोड के पास कारोबारियों ने बड़ा निवेश किया है।

लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं और उनसे डाटा लिया गया है। रसीदें और बिल के साथ स्टॉक रजिस्टर की जांच में कई हैरान कर देने वाली जानकारियां मिली हैं। एक प्रतिष्ठान के संचालक ने अपने आईफोन का लॉक नहीं खोला। उसमें लेनदेन के कई राज छिपे हैं।

राहुल और अखिलेश की सभा में मची भगदड़, नेता निकल लिए

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा में हंगामा हो गया। जनसभा में भगदड़ मच गई। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुस गए। कई लोगों को चोटें भी आईं। भगदड़ से राहुल गांधी और अखिलेश नाराज हो गए और दोनों बिना कुछ बोले ही चले गए। दोनों नेता फौरन हेलीकॉप्टर पर सवार हुए और वहां से निकल लिए।

प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र में पड़िला में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य की जनसभा में रविवार की दोपहर भगदड़ मच गई। वहां मौजूद सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने मंच के सामने की बैरिकेडिंग तोड़ दी। वहां कई लोग घायल भी हुए। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता मंच पर भी पहुंच गए। वहां मंच पर मौजूद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी असहज हो गए। वह चुपचाप मंच पर लगी कुर्सी में बैठ गए। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी वहां पहुंचे। मंच के सामने भीड़ जमा होने से दोनों नेता तकरीबन 15 मिनट तक बैठे रहे। फिर आपस में बातचीत कर दोनों वहां से चलते बने।

पड़िला महादेव मंदिर के पास एक आम के बाग में सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य के समर्थन में सभा आयोजित थी। सभा स्थल पर सुबह से ही भीड़ आनी शुरू हो गई। दोपहर 1.20 बजे सबसे पहले अखिलेश यादव का हेलीकॉप्टर वहां पहुंचा। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता पुलिस का घेरा तोड़ हैलीपैड तक पहुंचना चाह रहे थे, लेकिन बाद में पुलिस ने वहां से सभी को खदेड़ दिया। वहीं अखिलेश जब तक मंच पर पहुंचते तब तक वहां मौजूद सैकड़ों सपा समर्थकों ने मंच के पास डी पर लगी बैरिकेटिंग तोड़ दी।

अचानक सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मंच तक पहुंच गए। इस दौरान अखिलेश के साथ आए सुरक्षा कर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया।

कुछ लोग जो मंच पर चढ़ गए थे, उन्हें वहां से किसी तरह उतारा गया। कार्यकर्ता डी घेरे से हटने को तैयार ही नहीं हुए। वहां सपा के साथ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कई बार हाथ जोड़कर वहां मौजूद भीड़ को पीछे हटने के लिए कहा, लेकिन कोई टस से मस नहीं हुआ। इस बीच वहां राहुल गांधी की इंट्री हुई तो भगदड़ और बढ़ गई।

सीएम योगी ने साधा राहुल गांधी अखिलेश पर निशाना

फूलपुर से बैरंग गई दो लड़कों की जोड़ी

पहले भी खारिज कर चुकी है जनता

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। फूलपुर से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पटेल के समर्थन में सिकंदरा रौजा में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साथा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह धरती इतिहास बनाने वाली है। एक बार फिर फूलपुर में इतिहास बनेगा।

उन्होंने कहा कि अभी-अभी पता चला है कि दो लड़कों की जोड़ी बैरंग गई है। 2017 और 2019 में दो लड़कों की जोड़ी को फूलपुर की जनता खारिज कर चुकी है।

सीएम ने कहा कि जो दलित, पिछड़ों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बने थे। उनको मिट्टी में मिला दिया गया है। अब देश खुश है। सपा वालों को देश की नहीं अपनी राजनीति की चिंता है। उनके काले कारनामे से आप परिचित ही होंगे। उन्होंने कहा कि फूलपुर के एक मौर्या परिवार की जमीन माफिया ने कब्जा कर ली थी। भाजपा सरकार में उसकी जमीन दिलवाई गई और माफिया को मिट्टी मिला दिया गया।

दुनिया भर में भारत की साख बढ़ी है। भारत अब सुरक्षित है। पूर्व के सरकार में गरीबों का राशन सपा के गुंडे हड़पते थे। अब देश की 80 करोड़ जनता को फ्री में राशन मिल रहा है। 60 करोड लोगों को स्वास्थ्य बीमा का कार्ड बनवा दिया गया है। 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है। 12 करोड लोगों के घरों में शौचालय बनवाए गए। 10 करोड लोगों को रसोई गैस सिलेंडर कनेक्शन दिया गया।

जौनपुर की अटाला मस्जिद के निर्माण पर विवाद, हिंदू पहुंचे कोर्ट

...था अटाला माता का मंदिर, बना दिया मस्जिद

जौनपुर, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की एक और मस्जिद का मामला कोर्ट पहुंच गया है। हिंदुओं ने अटाला मस्जिद को माता मंदिर बताते हुए जौनपुर की दीवानी अदालत में दावा पेश किया है। जौनपुर की इस मस्जिद की दीवारों पर मंदिर से कई जुड़े चिह्न मौजूद होने की बात कही है। इनमें त्रिशूल, फूल और अन्य हिंदू कलाकृतियां भी शामिल हैं।

आगरा के वकील अजय प्रताप सिंह ने याचिका दाखिल की है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और अटाला मस्जिद की प्रबंधन कमेटी के खिलाफ दावा पेश किया है। कहा है कि जिसे मस्जिद बताया जाता है, वह असल में माता का मंदिर है। उन्होंने अपने दावे में कई पुस्तकों में उल्लेखित संदर्भों का हवाला दिया है। साथ ही पुरातत्व विभाग के निदेशक की रिपोर्ट का भी जिक्र किया है। माना जाता है कि अटाला माता मंदिर का निर्माण कन्नौज के राजा जयचंद्र राठौर ने करवाया था।

वकील अजय प्रताप सिंह ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम निदेशक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि इस मंदिर को तोड़ने का पहला हुक्म फिरोज शाह ने दिया था। हालांकि उस समय हिंदुओं के संघर्ष के कारण वह मंदिर तोड़ नहीं पाया। बाद में इब्राहिम शाह ने इस पर कब्जा कर मस्जिद बना दिया। कलकत्ता स्कूल ऑफ आर्ट के प्रिंसिपल ईबी हेवेल ने अपनी किताब में भी अटाला मस्जिद की प्रकृति और चरित्र को हिंदू बताया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के कई रिपोर्ट्स में अटाला मस्जिद के चित्र हैं। उनमें त्रिशूल, गुड़हल आदि के फूल नजर आते हैं जो हिंदू मंदिरों में होते हैं। वर्ष 1865 के एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल के जनरल में भी अटाला मस्जिद में कलश की आकृतियों के होने की बात कही गई है।

सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान वकील अजय प्रताप सिंह ने दावा पेश करते हुए कहा कि मस्जिद ही अटाला माता मंदिर का मूल भवन है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन एक संरक्षित स्मारक होने के साथ-साथ राष्ट्रीय महत्व का स्मारक भी है। उल्लेखनीय है कि इस मस्जिद पर हिंदू काफी समय से दावा कर रहे हैं। पहली बार मामला अदालत में पहुंचा है।

कोर्ट में याचिका दाखिल होते ही पूरे देश में बहस छिड़ गई है कि क्या अटाला मस्जिद वाकई हिंदू मंदिर को तोड़कर बनाया गया है? किवदंतियों को छोड़ दें तो तमाम विद्वानों ने समय-समय पर यह साबित किया है कि अटाला मस्जिद को अटाला माता मंदिर की जगह पर ही बनाया गया है। ऐसे एक नहीं, अनेक प्रमाण हैं, जिसमें साफ तौर पर दर्ज है कि अटाला माता के मंदिर को तोड़कर अटाला मस्जिद बनाई गई थी और उसका नाम भी इसीलिए अटाला मस्जिद पड़ा। चूंकि जौनपुर में उस समय राज कर रहे मुस्लिम शर्की शासकों द्वारा माता मंदिर को तोड़कर अटाला मस्जिद बनाई गई, बावजूद इसके वामपंथी इतिहासकार इसे इस्लामी वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना बता प्रचारित करते रहे। हालांकि तमाम तथ्यों से ये साफ है कि अटाला मस्जिद का निर्माण अटाला माता के मंदिर पर ही हुआ है।

इस दावे की पुष्टि तमाम विद्वानों की लिखी किताबें भी करती हैं। दि आर्ट एंड आर्किटेक्चर ऑफ इस्लामः 1250-1800 में शीला ए. ब्लेयर और जोनाथन एम ब्लूम ने पेज नंबर 198-199 पर लिखा है, अटाला मस्जिद (1408) में इब्राहिम शर्की ने अटाला माता को समर्पित हिंदू मंदिर को तोड़कर उसी की नींव पर बनवाया था। ये उस समय की बाकी मस्जिदों से अलग भी है। मध्यकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति में प्रो. (डॉ) फणींद्र नाथ ओझा ने पेज नंबर 93 पर हिंदू-इस्लामी वास्तुकला का विकास शीर्षक के तहत लिखा है, अटाला मस्जिद वास्तुकला की शर्की शैली का सबसे प्रारंभिक और सर्वाधिक सुंदर नमूना है। जिस जगह पर उसका निर्माण हुआ, वहाँ पहले अटाला देवी का मंदिर था। मस्जिद का निर्माण उस मंदिर की सामग्री से हुआ।

दि वंडर दैट वाज़ इंडिया वॉल्यूम-2 में सैय्यद अतहर अब्बास रिजवी ने अटाला मस्जिद का इतिहास लिखा है। उन्होंने शर्की वंश और अटाला मस्जिद के निर्माण के बारे में लिखा, शर्की डायनेस्टी कम समय तक जौनपुर में रहा, लेकिन उसका एक शासक इब्राहिम शाह शर्की (1401-40) एक महान निर्माता था।

साल 1408 में उसने अटाला मस्जिद का काम पूरा करवाया। ये अटाला देवी मंदिर की जगह पर बना था, जिसे फिरूज ने 1376 में तोड़ा था। अटाला मस्जिद में हिंदू मंदिर के पिलरों, छतों व अन्य सामानों का इस्तेमाल किया गया। इसे 22.87 मीटर ऊंचा बनाया गया।

लंबे समय तक युवा बने रहने की चाहत है...

कहा जाता है कि उम्र महज एक नंबर के सिवा और कुछ भी नहीं। लेकिन यह बात सिर्फ उन लोगों पर लागू होती है, जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीते हैं। वहीं, सही तौर-तरीके नहीं अपनाने से जवानी जल्दी ढलने लगती है। असमय आने वाले बुढ़ापे से बचना चाहते हैं, तो कुछ ऐसी आदतों के बारे में जानना जरूरी है...

फैट को करें खाने में शामिल: फैट के लिए बहुत ही गलत सोच लोगों के बीच बनी है। बल्कि ये हड्डियों की सेहत के लिए बहुत ही जरूरी है। बस ध्यान रखें कि ये फैट आपके शरीर में एक्स्ट्रा जमा न हो।

स्टेमिना बढ़ाएं: स्टेमिना अगर अच्छी हो तो लंबी उम्र तक कोई भी समस्या छू तक नहीं पाएगी। इसके लिए रोज खाने में अंडे, पनीर, बीन, दालें जैसी चीजें शामिल करें जो स्टेमिना को मजबूत बनाएंगे।

पानी पिएं: हर किसी को दिनभर में 3-4 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए। पानी पीने की आदत हमेशा के लिए बनाएं, क्योंकि ये शरीर में अंगों के सुचारू रूप से चलने के लिए बहुत ही मददगार है।

खाने की आदत सुधारें: आप कितने भी बिजी क्यों न हों, खाना कभी न छोड़ें। इसके अलावा नाश्ता कभी भी मिस न करें। खाने में हमेशा ऐसी चीजें रखें जिनसे बॉडी को सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलें।

भूरी वसा पर नियंत्रण से शीघ्र घटेगा वजन

अगर आप तेजी से वजन घटाना चाहते हैं, तो सामान्य सफेद वसा के बदले भूरी वसा पर अपना ध्यान केंद्रित कीजिए। शोधकर्ताओं के मुताबिक, भूरी (ब्राउन) वसा उपापचय (मेटाबॉलिज्म) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बेथ इजरायल डिकोनेस मेडिकल सेंटर के शोधार्थी इवान ने कहा कि यदि इन वसा कोशिकाओं की संख्या या गतिविधि को नियंत्रित कर पाएं, तो हम शरीर से अतिरिक्त कैलोरी को कम कर सकते हैं।

खूब हंसिए
बदल जाएगी जिंदगी

हंसते-मुस्कुराते चेहरे वाले लोग अधिक स्वस्थ भी होते हैं। हंसी के अंदर छुपे सेहत के इस राज ने ही तो हंसी को एक चिकित्सा का रूप दिया है। अगर आप तनाव या अवसाद से परेशान रहते हैं तो यह हंसी आपके लिए वरदान साबित हो सकती है। तो क्यों न अपनी सेहत की खातिर थोड़ा हंसा जाए, खुल कर हंसने से आप युवा और खूबसूरत तो नजर आते ही हैं, साथ ही हंसी सेहत के लिए भी बहुत अच्छी होती है। हंसते समय जब किसी व्यक्ति की पूरी बत्तीसी दिखती है तो उसे खुल कर हंसना या ब्राइट स्माइल कहते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध में ये तथ्य उभर कर सामने आए हैं कि मुस्कुराने की बजाए जोर से ठहाका मार कर हंसना सिरदर्द के लिए दवा का काम करता है। इससे दिमाग में एंडोरफिन का स्त्रव होता है, जो दिमाग में दर्द को बढ़ावा देने वाले जटिल रसायनों को नियंत्रित करता है और हमें दर्द से राहत मिलती है। शोध के अनुसार 15 मिनट तक किया गया हंसी-मजाक दर्द को बर्दाश्त करने की क्षमता को 10 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।

खाने का भी ख्याल रखें

खुश रहने के लिए खाने से अच्छा टॉनिक कोई नहीं है। ओमेगा 3 फैटी एसिड और विटामिन बी12 की कमी डिप्रेशन का शिकार बनाती है। जिस तरह से शरीर को पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मस्तिष्क को भी पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, स्वस्थ वसा मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बजाए 5 या छह बार मिनी मील खाएं। इससे रक्त में शुगर का स्तर कम नहीं होता, जो नकारात्मक रूप से मस्तिष्क को प्रभावित करता है।

हंसना सबसे अच्छी दवा

खुल कर हंसने से धमनियों में फैलाव आता है, जिससे खून तेजी से शरीर के अन्य हिस्सों में पहुंचता है। हंसी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढमती है और हमारे शरीर की एंटीबॉडीज को मजबूत करती है। हंसी शरीर में स्वस्थ शारीरिक परिवर्तन लाती है। हमारी ऊर्जा बढ़ाती है, दर्द और तनाव कम करती है। खुश रहना शरीर को संतुलित रखता है। हंसने से एंडोरफिन का स्त्राव होता है। यह शरीर का प्राकृतिक फीलगुड रसायन है। एंडोरफिन हमें सब कुछ ठीक होने का एहसास कराता है और थोड़े समय के लिए दर्द से राहत भी देता है। हंसी रक्त नलिकाओं की कार्यप्रणाली को सुधारती है और रक्त का प्रवाह बढमती है, जिससे हार्ट अटैक और कार्डियोवस्क्यूलर की आशंका कम हो जाती है।

नाकारात्मक में भी साकारात्मक

हंसी हमें सिर्फ शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रखती है। हंसी आपको कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रखती है। आपको यह जल्दी से जल्दी समझ लेना चाहिए कि हंसी के बिना आपका दिन अधूरा है। आपका खिलखिलाता चेहरा आपके व्यक्तित्व को भी आकर्षक बनाता है।

लाफ्टर थेरेपी

जब हम हंसते हैं तो हमारी बॉडी रिलैक्स हो जाती है। ठहाके लगाना ही जरूरी नहीं है, मुस्कुराहट भी काम कर जाती है। प्रसिद्ध अमेरिकन साइकिएट्रिस्ट, डॉ. विलियम फ्राय पिछले चार वर्षों से अपने मरीजों के उपचार के लिए हंसी को एक थेरेपी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। वह कहते हैं कि हंसी शारीरिक बीमारियों और मानसिक तनावों से लड़ने का एक अचूक नुस्खा है। वह अपने सभी मरीजों को दिन में दो बार करीब बीस मिनट तक हंसने की सलाह देते हैं।

हास्य योग

हास्य योग की शुरुआत मुंबई के एक प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. मदन कटारिया ने 13 मार्च 1995 को मुट्ठीभर लोगों के साथ की थी। आज यह पूरे विश्व में फैल गया है। वर्तमान में 60 देशों में 6000 से ज्यादा लाफ्टर क्लब हैं। हास्य योग में बिना किसी शर्त के प्राणायाम (यौगिक ब्रीदिंग) के साथ खुल कर हंसा जाता है। कोई भी बिना किसी कारण, बिना किसी मजेदार बात, कॉमेडी या चुटकुले के हंस सकता है। लाफ्टर योगा की अवधारणा इस वैज्ञानिक तथ्य पर आधारित है कि शरीर कृत्रिम और वास्तविक हंसी में फर्क नहीं कर सकता। दोनों ही तरीकों से हंसने में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं। लाफ्टर योगा की तकनीक पर ऑस्ट्रिया, भारत और अमेरिका में कई शोध हुए और यह बात उभर कर सामने आई कि इससे तनाव बढने वाले हार्मोन्स (एपिनेफ्रिन और कर्टिसोल आदि) का रक्त में स्तर घटता है। इससे मानसिक रूप से सकारात्मक बदलाव आते हैं। शरीर में इन हार्मोनों का स्तर बढम्ने से अवसाद की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। लाफ्टर योगा वजन कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 20 मिनट तक इसका अभ्यास करने से करीब 215 कैलोरी बर्न होती है।

तथ्य और आंकड़े

- एक बच्चा दिन में 400 बार मुस्कुराता है, युवा 17 बार और वयस्क 1-2 बार।
- ब्रिटेन की वारविक यूनिवर्सिटी में हुए शोध के अनुसार अगर गर्भावस्था के दौरान मां कई बार मानसिक तनाव झेलती है तो जन्म लेने वाला बच्चा झगड़ालू होता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के ज्यादातर बड़े शहरों में अवसाद की समस्या तेजी से फैल रही है।
- भारत जैसे विकासशील देश में 10 पुरुषों में से एक व 5 महिलाओं में से एक अपनी जिंदगी के किसी न किसी पड़ाव पर अवसाद का शिकार बनते हैं।
- अकेले होने की बजाए किसी के साथ होने पर हंसने की संभावना 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।
- बचपन में अवसाद की समस्या लड़कियों और लड़कों में समान अनुपात में होती है, लेकिन किशोरावस्था में यह अनुपात 2:1 हो जाता है।
- दिल से हंसी गई हंसी तनाव को कम करती है और आपके शरीर को अगले 45 मिनट तक रिलैक्स रखती है।

चमत्कार कर सकती है हंसी

- हंसी डायफ्राम, पेट, श्वसनतंत्र, चेहरे, पैर और कमर की मांसपेशियों के लिए अच्छा वर्कआउट है।
- हंसना रक्तदाब को कम करता है।
- हंसी रक्तसंचरण को सुधारती है।
- हंसने से स्ट्रेस हार्मोन्स जैसे कार्टिसोल और एड्रीनलीन का स्तर कम होता है।
- हंसी ट्यूमर और अन्य बीमारियों से लड़ने वाली कोशिकाओं जैसे गामा इंटरफेरन और टी-सेल की क्षमता बढ़ाती है।
- श्वसन मार्ग के संक्रमण से बचाती है।
- याददाश्त दुरुस्त रखती है और सीखने की क्षमता बढ़ाती है।
- शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाती है।
- हंसने से दर्द कम होता है।
- हंसी मांसपेशियों को आराम पहुंचाती है।
- दिल की बीमारियों से बचाती है।
- उत्तेजना और भय से बचाती है।
- मूड दुरुस्त रखती है।
- रोगों से लड़ने का सामर्थ्य बढ़ाती है।

सामाजिक लाभ

- रिश्तों को मजबूत बनाती है।
- दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करती है।
- व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है।
- लड़ाई-झगड़े से बचाती है।
- समूह में काम करने को आसान बनाती है।
- चौकन्नापन और सृजनात्मकता बढ़ाती है।
- जिंदगी में आनंद और उत्साह का संचार होता है।

हंसने के अवसर ढूंढ़िए

- कोई मजेदार फिल्म या टीवी शो देखिए।
- लाफ्टर क्लब की सदस्यता ले लीजिए।
- हंसमुख लोगों से मिलिए।
- पालतू जानवरों के साथ खेलिए।
- बच्चों के साथ समय बिताइए।
- चुटकुले पढ़िए, सुनिए और सुनाइए।- अच्छा खाइए और सदा मुस्कुराते रहिए।

ऐसे छुड़ाएं बच्चों की ज्यादा टीवी देखने की आदत

बच्चों की सही आदतें सिखाना आजकल के वक्त में सबसे बड़ी चुनौती हैं। आजकल अक्सर घरों में माता-पिता दोनों ही काम करते हैं, ऐसे में बच्चों के साथ गुजराने के लिए थोड़ा ही वक्त मिलता हैं। ऐसे हालात में बच्चों का सहारा बनता है टीवी, लेकिन ज्यादा टीवी देखना बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है।

- ज्यादातर घरों में बच्चे टीवी देखते समय ही खाना खाते हैं। ये आदत आगे चलकर आपके बच्चों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ज्यादा टीवी देखने से बच्चों का शारीरिक विकास और मानसिक विकास दोनों की कम होता है, क्योंकि ऐसे बच्चे सारा दिन टीवी के सामने बैठे रहते हैं, वह न तो खेलने जाते हैं और नहीं पढ़ाई में आगे रहते हैं।
- अक्सर ये भी देखा जाता है कि जब बच्चे खाना नहीं खाते हैं, तो उनकी टीवी ऑन कर देती हैं, पर ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करके मां ही अपने बच्चे की आदत को खराब करती है।
- रात को खाना खाते समय बच्चों को टीवी देखने से रोकें क्योंकि यह ऐसा समय होता हैं जब सारा परिवार एक साथ बैठ कर खाना खाता है, दिन भर की बातें एक-दूसरे का साथ शेयर करते हैं। अगर आपके घर में टीवी ड्राइंग रूम में लगा है, तो इसे अपने कमरे में शिफ्ट कर लें। इससे बच्चा ज्यादा समय तक टीवी नहीं देख सकेगा। क्राइम पर आधारित प्रोग्राम बच्चे के सामने ना देखें, इससे बच्चे के अंदर निगेटिविटी आती है। जो बच्चे सारा दिन टीवी देखते है वो आलसी हो जाते है और सारा दिन घर से बाहर खेलने के लिए भी नहीं जाते। ऐसे में बच्चों का टीवी देखने से न तो दिमाग चलता है और न ही वह थकान महसूस करते हैं, जिससे उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं होता। बच्चों को टीवी देखने की आदत को छुड़ाने के लिए उन्हें कोई क्लब या हॉबी क्लास ज्वाइन करवाएं।

बड़े काम का है कपूर

बालों के झड़ने पर कपूर के तेल को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो जाता है। रूसी होने पर भी यह तेल कारगर है। त्वचा संबंधी समस्याओं में कपूर को नारियल तेल में मिलाकर चेहरे पर मसाज करना असरदार है। शरीर के किसी हिस्से में खरोंच, घाव या जलने पर कपूर को पानी में घोलकर प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह जलन को कम कर ठंडक पहुंचाता है। पेटदर्द होने पर कपूर, अजवायन और पिपरमेंट को शर्बत में मिलाकर पीने से आराम मिलता है। सर्दी-जुकाम व फेफड़े संबंधी रोगों में कपूर सूंघने से फायदा होता है। फटी एड़ियों के उपचार के लिए कपूर बेहतरीन दवा है। गुनगुने पानी में कपूर मिलाएं। इस पानी में पैर डालकर 15 से 20 मिनट बैठने से फटी एड़ियों की समस्या में आराम मिलता है। त्वचा पर लाल चकत्ते से राहत के लिए कपूर को थोड़े से पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और प्रभावित हिस्से पर लगाएं। बालों के झड़ने पर कपूर के तेल को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो जाता है। रूसी होने पर भी यह तेल कारगर है। जोड़ों में दर्द होने पर कपूर के तेल की मालिश राहत पहुंचाती है। गठिया के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है।

इतना मुश्किल भी नहीं काम के दबाव से खुद को बचाना
स्ट्रेस मैनेजमेंट से बढ़ाएं कार्यक्षमता

कभी-कभी हमारे सामने बहुत सारा काम एक साथ आ जाता है, काम का दबाव बढ़ने लगता है और ये दबाव ही मानसिक तनाव पैदा करता है। तनाव में अक्सर गलतियां हो जाती हैं, लेकिन ऐसे समय में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो ये तनाव भी हमारी योग्यता को बढ़ा सकता है। यदि हम तनाव को एक चुनौती मानकर काम करेंगे तो निश्चित ही इससे हमारी योग्यता व कार्यक्षमता बढ़ेगी व सफलता प्राप्त होगी।

कोई काम करते हुए दबाव बन जाना स्वाभाविक है, लेकिन तनाव में आ जाना ठीक नहीं। हमें प्रेशर और टेंशन के बीच के फर्क को समझना चाहिए। तनाव को सांसारिक दृष्टिकोण से देखेंगे तो हम पाएंगे कि इसकी वजह से हमारे आसपास नकारात्मक ऊर्जा एकत्रित हो गई है, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि देखेंगे तो तनाव से भी सकारात्मक संकेत प्राप्त होंगे। यही सकारात्मक दृष्टि हमारी कार्य क्षमता और योग्यता को बढ़ा सकती है।

इस तरह करें दूर

तनाव दूर करने के लिए एक प्रयोग किया जा सकता है। जब तनाव आए तो अपनी इंद्रियों पर लौट जाइए यानी ध्यान (मेडिटेशन) करें। उदाहरण के तौर पर जैसे आंख हमारी एक इंद्रिय है। हम आंखें बंद करें और पूरी तरह से उसी पर एकाग्र हो जाएं। यह एक आध्यात्मिक व्यवस्था है कि सभी इंद्रियां भीतर से अपने परिणामों को लेकर आपस में जुड़ी हुई हैं। हम जिस समय आंख नाम की इंद्रिय पर नियंत्रण करेंगे तो हम पाएंगे कि कान पर भी हमारा नियंत्रण शुरू हो गया। हम आंख से जो भीतर देख रहे होंगे, कान से भी वही सुनने लगेंगे। यह एक नया अनुभव रहेगा। यह आंतिरक अनुभव हमें बाहरी तनाव से मुक्त करेगा।

दौड़ से न हों बाहर

बाहर का काम तो होना ही है, आप नहीं करेंगे तो कोई दूसरा करेगा, लेकिन तनाव से परेशान होकर काम करेंगे तो आप उस दौड़ से या तो बाहर हो जाएंगे या लड़खड़ाकर गिर जाएंगे। अंतिम सफलता या तो असफलता में बदल जाएगी या अशांति में। अतः तनावमुक्त होने के लिए अपनी इंद्रियों पर लौटने का यह छोटा-सा प्रयोग करते रहें।

वजन कम करने के लिए इन 4 तरीकों से वॉक कर

वजन बढ़ने में बिल्कुल समय नहीं लगता, लेकिन उसे घटाने में महीनों लग जाते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक वजन घटाने में रनिंग से ज्यादा वॉकिंग असरदार होती है। रोजाना 30 मिनट की वॉक से भी वजन धीरे-धीरे घटाया जा सकता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके जिनसे आप अपनी रोज की वॉक को असरदार और मजेदार बना सकते हैं।

ट्रैक यॉर प्रोग्रेस

एक अच्छा फिटनेस ट्रैकर खरीदें, जिससे आपको समय- समय पर पता चलता रहेगा कि आप क्या सही और क्या गलत कर रहे हैं। इसके अलावा आपको अलर्ट भी मिलते रहेंगे कि हर दिन कितनी वॉक की आपको जरूरत है। इसके अलावा चाहें तो कोई एप भी ट्राई कर सकते हैं।

म्यूजिक थैरेपी

ये आपकी बोरिंग वॉकिंग को मजेदार बना देगी। इससे वॉक करने का आपको और भी मजा आएगा। वहीं दिन की शुरूआत या पूरे दिन की थकान के बाद हल्की-फुल्की वॉक और म्यूजिक जादू के जैसे काम करेगा। इससे आप बहुत ही अच्छा और लाइट महसूस करेंगे।

ट्राई समथिंग न्यू

हमेशा कुछ अलग या नया करने की कोशिश करें। जैसे, जब रेग्युलर वॉक के आदी हो जाएं तो उसमें कुछ एक्सरसाइज शामिल करें। इसके अलावा रोज कहीं नई जगह वॉक के लिए जाएं, इससे घूम भी पाएंगे और वॉक भी मजेदार बन जाएगी।

मेडिटेशन

ऐसा जरूरी नहीं है कि मेडिटेशन बैठकर ही किया जाए। आप वॉक करते हुए भी मेडिटेशन कर सकते हैं। इसके लिए अपनी बॉडी, पैरों और सांसो पर ध्यान देते हुए उन्हें साधने की कोशिश करें। दिमाग शांत करें। इससे वॉक के साथ आप मेंटली रिलैक्स भी होंगे।

रेसिपी

मारवाड़ी गट्टे का पुलाव

सामग्री

2 कप बेसन, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च, 1 बड़ा चम्मच प्याज चौकोर कटा, 2 प्याज पिसे, 4-5 कलियां लहसुन पिसी, 1 इंच टुकड़ा अदरक का कसा हुआ, 4-5 बड़ी इलायची, 4-5 छोटी इलायची, 2 छोटे टुकड़े दालचीनी, 4-5 लौंग 5-6 साबुत कालीमिर्च, चुटकीभर हींग, 2 छोटे चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरममसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 धनियापत्ती कटी, 1/2 हरीमिर्च कटी हुई, 1/4 कप घी, 1 कप चावल, नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन को छान कर उस में नमक, लालमिर्च, अजवाइन और इच्छानुसार चौकोर कटी प्याज डाल कर पानी की मदद से बेसन का रोल बना कर भाप में पकाएं। पानी से निकाल कर अलग रखें व ठंडा होने पर गोलगोल कतले काटें। घी गर्म करें व सुनहरा लाल होने तक तल कर अलग रखें। अब फिर से घी गर्म करें व लालमिर्च और साबूत खड़ा गरममसाला डाल कर चटकाएं। दही में सारा पाउडर मसाला व नमक डालें। पिसी प्याज, लहसुन व अदरक डाल कर अच्छी तरह से भूनें। गट्टों वाला उबला पानी लगभग 21/2 प्याले डाल कर उबालें व गट्टे गलाएं। 1 बड़ा चम्मच तेल या घी गरम करें। 2-3 तेजपत्ते डाल कर करारे करें फिर चावल और गट्टे डाल कर ढक कर पुलाव तैयार करें। **गार्निश विधि:** कटी हरी मिर्च व धनिया पत्ती से सजा कर परोसें।

कच्ची केरी की सब्जी

सामग्री

कच्चा आम 1 कप, चॉप किया हुआ गुड़ 1/2 कप, लाल मिर्च 5-6, राई 1/2 चम्मच, कड़ी पत्ती- 8-10, घिसा नारियल 1/2 कप, हरी धनिया 4-5, नमक स्वादअनुसार

विधि

कच्ची केरी की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहलें एक कटोरे में पानी भर लें। बाद में उसमें कटें हुए कच्चे आम के टुकड़े डाल दें। अब इसे गैस पर तब तक उबालते रहें जब तक आम गल न जाए। इसके बाद एक और कटोरा लेकर उसमें थोड़ा पानी और गुड़ डाल कर अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें। पेस्ट बनाने के बाद इस पानी को छान कर अलग रख लें। अब गैस पर रखे आमों को देखें कि वह गल गए हैं। अगर गल गए हैं तो उन्हें पानी में से निकाल कर अलग कर लें और मिक्सी के जार में डाल कर पीस लें। पीसने के बाद मिक्सी में लाल मिर्च और घिसा नारियल भी डाल कर पेस्ट बना लें। अब एक पैन लेकर उसमें थोड़ा सा तेल डाल कर गर्म करें और उसमें राई और कड़ी पत्ती डाल दें। बाद में इसमें गुड़ वाला सारा पानी और आम का पेस्ट डाल कर अच्छे से उबालें। इसके बाद इसमें एक कप पानी और थोड़ा सा नमक डालें। अब आपकी कच्ची केरी की सब्जी बना कर तैयार है। आप इसे सजाने के लिए इस पर कटी हुई हरी धनिया छिड़ लें। इस कच्ची केरी की सब्जी को आप चावलों और रोटी के साथ खा सकते हैं।

संपादकीय

सीएम आवास में हिंसा

यह मुख्यमंत्री आवास है या मारपीट, गुंडई का कोई अड्डा..! कुछ अंतराल पहले, मुख्यमंत्री आवास में ही, तत्कालीन मुख्य सचिव के साथ हाथापाई की गई थी। खबरें तो मारपीट की भी आई थीं। मामला अदालत तक पहुंचा। अंततः क्या हुआ, कोई जानकारी नहीं। समय गुजरा, तो उस घटना पर धूल की परतें जम गईं। आखिर आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर और मुख्यमंत्री केजरीवाल के जीवन में क्या घट रहा है कि हालात सुलगते महसूस होते हैं। कोई विधायक अपनी पत्नी पर ही कुत्ता छोड़ देता है! कोई मंत्री राशन कार्ड बनवाने आई महिला के साथ बलात्कार करता है! शराब घोटाले में तो खुद केजरीवाल संलिप्त बताए गए हैं। 'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 4 घंटे से अधिक समय तक संवाद करने के दौरान स्वाति मालीवाल ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ ने उन्हें 5-6 थप्पड़ मारे। शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी, छाती और पेट पर मुक्के मारे गए। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उस दौरान घर के भीतर ही मौजूद थे। यदि मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद पर ऐसा हिंसक आक्रमण किया गया है, तो वह सिर्फ निजी सहायक की औकात नहीं हो सकती। क्या स्वाति पर हमला जानबूझ कर कराया गया? क्या मुख्यमंत्री अपने ही सांसद से मुलाकात नहीं करना चाहते थे? क्या केजरीवाल चाहते हैं कि स्वाति सांसदी छोड़ दें, ताकि अभिषेक मनु सिंघवी को सांसदी देकर 'उपकृत' किया जा सके? यदि मुद्दा यही है, तो स्वाति पर हिंसक व्यवहार करने की जरूरत क्या थी? सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय पक्ष यह है कि जिस महिला साथी की मुख्यमंत्री के घर के भीतर तक पहुंच रही है, एनजीओ 'परिवर्तन' के दौर से साथ-साथ काम करते रहे हों और जनवरी, 2024 में ही जिसे राज्यसभा सांसद चुना गया हो, ऐसे साथी पर ऐसा हिंसक आक्रमण करना वाकई हैरान करता है, चौंकाता भी है। स्वाति मालीवाल के बयानों और अढाई पन्नों की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धाराओं 354, 506, 509 और 323 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्वाति का एम्स दिल्ली में मेडिकल भी कराया है। उधर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार को तलब किया है। खुद 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इसे विभव कुमार की 'बदसलूकी' करार दिया है। क्या पुलिस विभव को गिरफ्तार करेगी? सवाल यह है कि मुख्यमंत्री आवास में ही ऐसी हिंसक गुंडई क्यों की गई? ऐसी नौबत ही क्यों आई? दरअसल स्वाति मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने उनके सरकारी आवास गई थीं। जेल से बाहर आने के बाद वह मिल नहीं सकी थी। मुख्यमंत्री आवास के गेट पर सुरक्षा व्यवस्था ने उन्हें रोका था, क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात का अधिकृत समय तय नहीं था। फिर भी स्वाति घर के अंदर चली गईं और ड्राइंग रूम में जाकर बैठ गईं। यह सोमवार 13 मई की बात है। उसके 81 घंटों तक स्वाति खामोश रही। '112' नंबर पर फोन करके उन्होंने हिंसक हमले की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन उसके बाद सभी पक्ष सोचते ही रहे। मुख्यमंत्री केजरीवाल लखनऊ गए, तो विभव को साथ ले गए। वहां पत्रकारों ने बार-बार सवाल पूछे, तो वह माइक को अखिलेश यादव या संजय सिंह की ओर सरकाते रहे। एक शब्द तक नहीं बोले। पुलिस को शिकायतनामा देने के बाद स्वाति ने 'एक्स' पर लिखा है-मेरे साथ जो हुआ है, वह बहुत बुरा था।

> केजरीवाल के जीवन में क्या घट रहा है कि हालात सुलगते महसूस होते हैं। कोई विधायक अपनी पत्नी पर ही कुत्ता छोड़ देता है! कोई मंत्री राशन कार्ड बनवाने आई महिला के साथ बलात्कार करता है! शराब घोटाले में तो खुद केजरीवाल संलिप्त बताए गए हैं। 'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 4 घंटे से अधिक समय तक संवाद करने के दौरान स्वाति मालीवाल ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ ने उन्हें 5-6 थप्पड़ मारे। शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी, छाती और पेट पर मुक्के मारे गए। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उस दौरान घर के भीतर ही मौजूद थे।

पर्यटन स्थलों पर हमारी मूल विरासत की दुहाई देकर इन खपरैल मकानों को सहेजा जा रहा है

खपरैल मकानों से कंक्रीट भवनो में गुम होता इंसान!

आत्माराम यादव पीव

> दो दशक पूर्व से बीती शताब्दियों का किस्सा सभी के जेहन में है जहा इन खपरा अर्थात खपरैल मकानो में आपका, मेरा जन्म हुआ, हमारा लालन पोषण, गोदी, झूला से घुटने चलाई, गिरकर खड़े होने जैसी यादों के साथ चिमनी, लालटेन, दीये के प्रकाश में पढ़ाई की शुरुआत सहित घर के बाहर आँगन ओर आँगन में तुलसीधारा की परिक्रमा से जुड़ा है। जो खपरैल मकानों के इर्द-गिर्द ही पला बड़ा हुआ है। खपरैल की मुड़ैर पर फंसी हमारी

खपरैल शब्द आते ही एक ऐसे कमरे-मकान का स्वरूप हमारे सामने आ जाता है जो हमारी मोलिक सांस्कृतिक धरोहर है जिसे देश के ग्रामों ओर शहरों से उजाड़ा जा रहा है ओर पर्यटन स्थलों पर हमारी मूल विरासत कि दुहाई देकर इन खपरैल मकानों को सहेजा जा रहा है। दो दशक पूर्व से बीती शताब्दियों का किस्सा सभी के जेहन में है जहा इन खपरा अर्थात खपरैल मकानो में आपका, मेरा जन्म हुआ, हमारा लालन पोषण, गोदी, झूला से घुटने चलाई, गिरकर खड़े होने जैसी यादों के साथ चिमनी, लालटेन, दीये के प्रकाश में पढ़ाई की शुरुआत सहित घर के बाहर आँगन ओर आँगन में तुलसीधारा की परिक्रमा से जुड़ा है। जो खपरैल मकानों के इर्द-गिर्द ही पला बड़ा हुआ है। खपरैल की मुड़ैर पर फंसी हमारी पतंग या गिल्ली डंडा खेलते समय गिल्ली मगरी पर गिरती थी तब वे जब तक नहीं निकलती थी जब घर में रोटी बनाती अम्मा, काकी, बुआ, मौसी, नानी की फटकार या बाहर बैठी दादी की प्यार भरी डपट "तुमाओं राम भलो करें सबई खपरा फौर दवे" मिल जाती थी। देश के अनेक प्रदेशों में भाषा बोली की भिन्नता रही हो किन्तु सभी के खपरैल मकान में रोजमर्या के इस्तेमाल के लिए एक कमरे के कोने में चकिया, चूल्हे के पास पिंडी, सिकोली टिकोली, धान कूटने का मूसल शोभा बढ़ाते थे। बढ़ती आधुनिकता जीवन शैली में हम खपरैल के संरक्षण की बात भी नहीं कह सकते अब ये सभी सामग्री संग्रहालयों में संभाल कर रखने वाली होती जा रही है ओर ग्रामीण परिवेश ने अपनी मौलिकता को बदलकर शहरी परिवेश में ढाल लिया है जिससे अब पर्यावरण के साथ खेती के कम होने से कंक्रीट मकानों में आदमी गुम होने लगा है जिस हेतु जनजाग्रति आवश्यक है। मानव जीवन के बौद्धिक स्तहर पर विकास के प्रादुर्भाव की सोच का मूलमंत्र झोपड़ी रही है ओर झोपड़ी में निश्चिंतता से अपनी संस्कृति ओर परम्पराओ को अपने पूर्ण स्वाभिमान को जीने वाले सीधे सादे वनवासी, ग्रामवासी ओर शहरी रहे है। गत कुछ वर्षों में देश-प्रदेश की सरकारें ने कच्चे मकानों, झोपड़ियों से मुक्त कर क्रांकिट के भवनो का सपना दिखाकर इन लोगों को इनकी मौलिकता ओर गर्व करने वाली संस्कृति से वंचित कर इनके मूल साधनों ओर संसाधनों को छीन चुकी है। सरकारों ने मिट्टी के बने कच्चे मकानों की दीवारों को तोड़कर पहले इन्हे इनकी मिट्टी से अलग किया जिसमें इनकी आत्मा का निवास था फिर झोपड़ी में रहने वालों को धूल, पानी अंधड़ तूफान का भय से घाँसफूस से बनी झोपड़ी उड़ जाने का डर बताकर आधुनिक मकान दिये। यही नहीं मिट्टी के बने देशी कबेलू के मकान ओर अंदर कमरों की देशी बनावट इनके सुख को हजारगुणा कर इन्हे पर्यावरण से सुरक्षा के कवच उपलब्ध कराती थी वही इनके उपलब्ध स्व साधन जहा ये अपने मकानों के आसपास प्राकृतिक हवा पानी की व्यवस्था हेतु नीम, पीपल, इमली आदि के पेड़ ये लोग अपने घरों ओर गाँव में लगाते थे से इन्हे वंचित कर इन पेड़ पोधों को कटवाकर प्रकृति से कोसों दूर कर कंक्रीट के भवनों में इन लोगों को गुम कर दिया है। बड़े-बड़े पूंजीपति या सरकार आज भी अंग्रेजों के समय के अंगेजी खपरेल वाले मकानों में सरकारी ऑफिस बनाए है या उन्हे रेस्ट हाउस, सर्किट हाउस के रूप में साज सज्जा कर इस्तेमाल कर प्रकृति का पूरा आनंद उठा रहे है पर मजे की बात है जिन लोगों के मिट्टी के मकान ओर देशी खपरैल वाले मकानों पर इन्हे गौरब था वे ही इन अँग्रेजी मकानो में ठहरने की सोच भी नहीं सकते फिर यहा रहना उनके लिए सपना भर है। आज सरकार देश के हर गाँव, जंगल, शहर ओर महानगर में झुग्गी झोपड़ी ओर मकानो मे रहने वालो को गरीब मानकर उसे पक्का मकान बनाकर गरीबी से मुक्त कर रहे है जिसमें कई प्रदेशों में इन योजनाओं का नाम ^मुखमंत्री आवास ओर प्रधानमंत्री आवास^ योजना का लाभ देकर यह साबित करना चाहते है की तुम कोई मामूली या आम आदमी नही हो प्रधानमंत्री आवास ओर मुख्यमंत्री आवास में रहने वाले हो, यानि तुम कोई प्रधानमंत्री ओर मुख्यमंत्री से कम नहीं हो ? गरीब पक्का कांक्रीट का भवन पाकर फूला नहीं समाता किन्तु जैसे ही उसमें रहना शुरू करता है तो पता चलता है की वह अन्य सरकारी योजनाओं से वंचित हो गया क्योकि वह अब एक छोटा सा क़ैदख़ानानुमा भवन निर्माण कराकर अमीर हो गया है। भारत कृषि प्रधान देश रहा है, और अगर देश के पूंजीपतिओ की बुरी नीयत इन किसानों के ग्रामीण क्षेत्रों की कृषिभूमि पर पड़ी तो कुछ साल ओर यह देश कृषि प्रधान रह सकेगा वरना शहरी क्षेत्रो के आसपास चारों सीमाओ में खरपतवार की तरह उगने वाली कांक्रीट की बहुमंजिला इमारतों का महाजाल बिछाकर इन पूंजीपतिओ द्वारा पैसा छापने की टकसाल लगाकर भूमियो को हथियाने का सिलसिला नही थमेगा। शहरी विकास प्राधिकरण, नजूल ओर लोकनिर्माण से लेकर नगरपालिकाए, एसडीएम आदि के कार्यालय सारे नियमो-कानूनों को ताक पर रखकर इन्हे अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने में दो घर आगे होते है। शहरी चमक-दमक में धन शक्ति से पूर्ण ग्रामीण परिवार शहर में स्थान बनाकर, शहरीकरणको विकसित कर ग्राम्य जीवन को उपेक्षित भाव रख गांवों से पलायन कर रहे हैं। उन्हें जन्मभूमि कर्मभूमि ग्राम्य जीवन में 'गंवारता' का बोध होने लगा है, यही कारण है कि शहर की कंक्रीट कालोनियों में इनका मन भा गया है ओर इन्हे गाँव के खपरैल मकानों से कोफ्त हो गई है तभी शहर कि संस्कृति में ये लोग अपने को आधुनिक समझने लगे है जो पर्यावरण संतुलन के लिए घातक है। समझने वाली बात है कि सांस्कृतिक रूप से तो जीवन ओर मृत्यु हमारी लोक परम्पराओं, संस्कृति और भारतीय संस्कारों से ही जन्मता है, पलता है और बड़ा होकर भारतीय पहचान को स्थापित करता है। लोगों के रहने, पहनने, खाने-पीने सभी में लोक संस्कृति की पृथक-पृथक सभ्यता रही है, जो उनकी मौलिकता और सभ्य पहचान होती है। देश, भाषा, रूप, स्वरूप, संगीत, साहित्य, खानपान व जीवन की सभी प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय सुविधाओं के साथ सद्भाव और सन्मार्ग से जोड़ने का सवाल अब इस बदलाव के बाद खड़ा होने लगा है जिसमे अपनी जमीन से अपनी मातृभूमि से पृथक होने वाली पीढ़ी इस अंधी दौड़ में संस्कारों को दमित करती जा रही है। यही कारण है कि पहले जहा खपरैल मकान को छाने-छाबने कि बात होती थी तब ग्राम के बड़े व्यक्ति भी सिद्धस्थ होने पर मदद के रूप में दिन भर यह काम करते थे ताकि बरसात में इनके काम किए मकान कि मगरी से लेकर नीचे तक कोई पानी का टपका शेष नही रहता था किन्तु अब हमने ऐसे हालात निर्मित कर लिए है जिसके समक्ष मानवीय मूल्य अर्थहीन हो गए है ओर व्यकित का आपसी प्रेम व अपनापन निजी स्वार्थ कि बलि चढ़ गया है तभी बिना मूल्य लिए कोई मदद के लिए आगे नहीं आता है। पर्यावरण के लिए असंतुलन कि बात के परिणाम कोई देखना नहीं चाहता है हा बतौर सजा के भुगत रहा है ओर उसे अपनी मौज मान ली है। जिन्हे कबेलुनुमा कच्चे खपरैल मकानों, टीन की चादरों से घर में आग उगलते आवासों व झोपड़ियों से मुक्त कर देश में सरकारों आम नागरिकों को झुग्गी झोपड़ी ओर खपरैल मकानों से वंचित कर उनके सपने छीन रही है, वही सरकारे पैसा कमाने के लिए, बड़े पूंजीपतिओ को आकर्षित करने के लिए जंगलो में, नदियो किनारे, आदि पर्यटनस्थलो पर प्रकृति कि गोद में पूर्ण हँसती खेलती पवन के अठखेलियों का आनंद लेने के लिए वही खपरैल मकान में चाँदनी रात में ठहरने का लोभ देती है ओर खपरैल मकानों से कमाई कर लोगों के जीवन को सुहाना बनाने कि प्रतिस्पर्धा करती है, अगर सरकार इनकी जगह किसी गाँव में इन खपरैल मकानों में ग्रामीणो के साथ पेइंगगेस्ट के रूप मे योजनाए लाती तो अनेक गाँव जी उठते, अनेक ग्रामीण अपने खपरैल मकानों के सुख को देश दुनिया के बड़े लोगो से सांझा कर रोजगार के पर्याप्त अवसर भी प्राप्त कर सकते थे।

दृष्टि कोण

बढ़ता साहसिक पर्यटन और सुरक्षा जरूरतें

हिमाचल प्रदेश देश का वह राज्य है जहां स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियां होती हैं। कुल्लू-मनाली में अधिकतर पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग होती है। बैजनाथ के पास बीड़-बिलिंग में विश्वस्तर की पैराग्लाइडिंग होती है। पहले डोभी पैराग्लाइडिंग साइट पर एक ऐसा हादसा हुआ जिसे देखकर लगा कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी की गई है। इस हादसे में तेलंगाना की एक पर्यटक के हार्नेस खुल जाने से महिला कंक्रीट छत पर आ गिरी और उसकी मृत्यु हो गई। कुल्लू जिला की पर्यटन अधिकारी सुनयना शर्मा ने समय-समय पर सुरक्षा नियमों को लेकर कुल्लू के पैराग्लाइडर ऑपरेटर्स को जवाबतलब किया है। डोभी में हुए इस अप्रिय हादसे के बाद सरकार ने कुछ कड़े कदम उठाए हैं। डोभी पैराग्लाइडिंग साइट को कुछ समय के लिए बंद कर दिया और उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के दोषी पैराग्लाइडर पायलट को गिरफ्तार कर लिया गया। हिमाचल के विश्वप्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग साइट बीड़-बिलिंग में भी पिछले साल अक्टूबर में निरंतर हादसे हुए थे जिनमें कुछ विदेशी पर्यटकों को जान से हाथ धोना पड़ा था। हादसों का सिलसिला रुका नहीं। 7 अप्रैल 2024 को बीड़ बिलिंग में नोएडा की एक अनुभवी पैराग्लाइडिंग पायलट रितु की क्रैशलैंडिंग की दुर्घटना हुई जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। पिछले कई सालों से वह बीड़-

बिलिंग आती थीं। जिला पर्यटन अधिकारी कुल्लू ने कुछ दिन पहले अपनी तकनीकी टीम के साथ कुछ पैराग्लाइडिंग साइट्स का दौरा भी किया। उनके अनुसार, किसी को भी सुरक्षा नियमों से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। पर्यटन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार कुल्लू जिले में 9 पैराग्लाइडिंग साइट हैं जिनमें सोलंग, मढ़ी, 14 मोड़, मझाच, कोठी, डोभी, नांगाबाग, गड़सा और पीज शामिल हैं। कुल्लू में 64 पंजीकृत पैराग्लाइडर ऑपरेटर्स हैं। एक पैराग्लाइडर को पंजीकृत करने के लिए 1500 रुपए फीस देनी पड़ती है और उसकी गुणवत्ता और स्तर भी जांचा जाता है। कुल्लू जिले में इन 9 पैराग्लाइडिंग साइट्स के लिए 584 लाइसेंसधारी पायलट्स हैं। निरंतर हो रहे हादसों का कारण सैलानियों की भीड़ का हड़बड़ी में सुरक्षा नियमों को ताक में रख कर उड़ानें भरना, ग्लाइडिंग उपकरणों की सुरक्षा जांच में लापरवाही और पैराग्लाइडिंग पायलट्स का जरूरत से ज्यादा उड़ान भरना भी हो सकता है। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन सैलानियों को आपातकाल की स्थिति में किस तरह खुद को बचाने की कोशिश हिदायतें, पायलट्स का सैलानियों के साथ ठीक से व्यवहार का न होना और हिदायतों में पारदर्शिता का न होना भी हो सकता है। कुल्लू की बात करें तो यहां पर 493 ग्लाइडर्स हैं। अधिकतर देखा गया है कि जल्दबाजी में ऑपरेटर्स अपने पैराग्लाइडिंग गियर का ठीक से निरीक्षण नहीं करते। बहुत से ग्लाइडर्स बिना लाइसेंस के भी उड़ान भरते हैं क्योंकि हर जगह सरकार अपने अधिकारी नहीं भेज सकती। अभी हाल ही में गड़सा पैराग्लाइडिंग साइट पर आपरेटर्स का निरीक्षण किया गया। पुराने ग्लाइडर्स और कुछ के पास तो लाइसेंस भी नहीं था। इन ऑपरेटर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और उन पर नियमानुसार जुर्माना भी किया गया। हिमाचल प्रदेश में साहसिक पर्यटन का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, लेकिन जो भी लोग इस व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सुरक्षा नियमों का पूरा पालन किया जाए। लाइसेंस धारक पायलेट्स को ही उड़ान भरने की अनुमति दी जाए। पैराग्लाइडिंग गियर का समय-समय पर निरीक्षण होता रहे। उड़ान भरने से पहले यह निश्चित किया जाए कि पैराग्लाइडर उड़ान कर्मी ने किसी तरह का कोई नशा तो नहीं किया है, जिससे उड़ान भरते समय या उतरते समय वह सैलानी को नुक्सान पहुंचा सके। जैसे-जैसे पैराग्लाइडर्स की संख्या बढ़ रही है, आसमान में उड़ानों की संख्या भी बढ़ेगी। हर पैराग्लाइडर की गति और दिशा कई बार पैराग्लाइडर और उसके पायलट पर भी निर्भर करती है। दो पैराग्लाइडर्स अगर आसपास आ रहे हैं तो बचाव कर आमने-सामने भिड़ंत से बचना होगा, एक कुशल पायलट ही यह सब कर सकता है। पैराग्लाइडर के हार्नेस को ठीक से चेक करना, एक अतिरिक्त पैराशूट का प्रबंध रखना। अच्छे हेल्मेट्स का प्रयोग करना। उड़ान भरने से पहले सब कुछ जांच करना। नशे की हालत में उड़ान न भरना। इसमें सैलानी, जो आपके साथ उड़ान भर रहा है, उसका भी किसी नशे की हालत में न होना अनिवार्य है। पैराग्लाइडर कंपनियों या संस्थानों को अपनी संस्था में पायलट रखने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि पायलट ने 100 घंटे की फ्लाईंग की है 5 विभिन्न जगहों से, और टेंडम पैराग्लाइडर के लिए 50 टेंडम उड़ानें भरी हैं। यह भी देखना चाहिए कि क्या पायलट के पास वैध लाइसेंस है? पैराग्लाइडिंग कंपनियों को प्रथम उपचार किट की भी व्यवस्था रखनी चाहिए। उड़ान भरने और उड़ान के उतरने के लिए अच्छी जगह का चयन किया जाना चाहिए। पैराग्लाइडर पायलट्स को तनाव की स्थिति या किसी दबाव में आकर उड़ान नहीं भरनी चाहिए। हवा में जोखिम भरे करतबों से बचना चाहिए। हवा का रुख और ग्लाइडर को आपात स्थिति में किस तरह नियंत्रण में करना है, इस बात के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

कुछ अलग

नेता जी कोपभवन में हैं...

जिस हाईकमान से मिलने के लिए नेताजी दिन रात बेचैन रहते थे और दिल्ली दरबार की दौड़ें लगाया करते थे, वही हाईकमान अब नेताजी के हाव भाव को देखकर हक्का-बक्का है। हाईकमान के दूत नेताजी की मान मन्नोवल कर रहे हैं, लेकिन नेताजी टस से मस नहीं हो रहे। जब से हाईकमान ने पार्टी में उनके विरोधी को टिकट दे दिया है, तब से नेताजी कोपभवन में जाकर बैठ गए हैं। कोपभवन में ही उन्होंने बिस्तर लगा लिया है। वही ड्राइंग रूम और डाइनिंग रूम बना लिया है। बाथरूम भी जाना हो तो घर से बाहर नहीं आते। सुबह की सैर को भी उन्होंने तिलांजलि दे दी है। कोपभवन में बैठकर सिर्फ और सिर्फ व्हाट्सएप्प चलाते हैं। इंटरनेट पर अखबारें पढ़ते हैं। लेकिन चैनल वालों को अब बाइट नहीं देते। सीधे-सीधे कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे। लेकिन पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी का साथ भी नहीं दे रहे। बस, नाराज होकर कोपभवन में बैठ गए हैं। यह भवन उन्होंने अपने सत्ता काल में सरकारी ठेकेदारों से बनवाया था। इस भवन में सरकारी सीमेंट लगा है। सरकारी चूना लगा है। सरकारी सरिया लगा है। सरकारी टाइल लगी है। सरकारी कालीन लगे हैं। सरकारी परदे लगे हैं। सरकारी खाते से जो जो लग सकता था, वह सब लगा है। ठेकेदारों को यह सब लगाने के आदेश थे। वैसे यह सारा सीमेंट, रेता, बजरी, सरिया, पर्दे वगैरह वगैरह सरकारी कॉलेज की बिल्डिंग में लगे थे लेकिन नेताजी के पास मलाईदार डिपार्टमेंट था, इसलिए उनके भवन में लग गए। ठेकेदारों को सरकारी खजाने से समय पर पेमेंट भी हो गई और नेताजी का भवन भी बन गया। यही भवन अब कोपभवन भी बन गया है। अपना कोप वह इस भवन में बैठकर दिखला रहे हैं। हाईकमान का सिंहासन उनके इस कोप से डोल जाएगा, ऐसा वह सोचे बैठे हैं। नेताजी के समर्थक परेशान हैं कि जाएं तो किधर जाएं? पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करें या फिर कोपभवन के बाहर टकटकी लगाकर बैठे रहें। मतदान को बहुत कम दिन रह गए हैं। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे वैसे नेताजी का कोप भी उफान मार रहा है। कहीं नेताजी का यह उफान वोट पडने के दिन तूफान में तब्दील न हो जाए, इस बारे हाईकमान भी माथापच्ची कर रहा है। पल-पल की खबर ले रहा है। नेताजी के पास दूतों तक यह संदेश भिजवा दिया गया है कि कोपभवन से समय पर बाहर नहीं आए तो आने वाले दिनों में आपकी संपत्ति की जांच भी हो सकती है। फाइल ईडी तक जा सकती है। राजनीतिक भविष्य भी चौपट हो सकता है। जेल यात्रा भी करनी पड़ सकती है। जमानत के लाले भी पड़ सकते हैं। यानी मान मन्नोवल से काम लेने के साथ-साथ हाईकमान चाणक्य नीति भी अपना रहा है। नेताजी की पत्नी से भी संपर्क साधा गया है। नेताजी के समर्थकों का कहना है कि नेताजी जनता की चाहे एक न सुनें, लेकिन अपनी पत्नी की सारी बातें सुनते हैं। इसलिए अब पत्नी रूपी हथियार को भी आजमाया जा रहा है। कोपभवन के बाहर सादे वस्त्रों में गुप्तचर एजेंसियों के जवान भी लगा दिए गए हैं। फोन अलग से टेप किए जा रहे हैं। नेताजी ने कोपभवन में जाकर सबको चक्कर में डाल दिया है। पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी तो घनचक्कर बन गया है। वह बेचारा कभी ज्योतिषियों के पास जा रहा है तो कभी हाईकमान के पास उक्त नेता की शिकायत कर रहा है। ज्योतिषी उसे दिलासा दे रहे हैं। हाईकमान उसे डटे रहने को कह रहा है। अधिकृत प्रत्याशी गांव-गांव में घूम रहा है। लेकिन नेताजी कोपभवन में हैं। विरोधी दल के लिए यह कोपभवन आस्था का मंदिर बन गया है। उसे अपनी ग्रह चाल की बजाय इसी कोपभवन पर भरोसा है। लोकतंत्र में कोपभवन भी महत्वपूर्ण भूमिका कभी-कभी अदा कर देता है। यही लोकतंत्र की अदा भी है।

देश दुनिया से

डेंगू के जोखिम की न हो अनदेखी

> स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। हालांकि डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है।

डेंगू वैसे तो प्रतिवर्ष खासकर बारिश के मौसम में लोगों पर कहर बनकर टूटता है लेकिन कुछ राज्यों में इसके कारण महामारी जैसे हालात नजर आने लगे हैं और सैंकड़ों लोगों की मौत भी होती है। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। हालांकि डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है। डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है। यह एक खतरनाक बीमारी है, जो ऐडीस मच्छर के काटने से होती है, जो हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपता है। ऐडीस मच्छर काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है। प्रायः मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं। डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रूप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरूरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या-क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते-जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूड़ों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल-लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।

कैसे हो डेंगू से बचाव?

बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव ही होता है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। इसीलिए बारिश के मौसम से पहले ही लोगों को इसके बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी हो जाता है क्योंकि उचित सावधानियां और सतर्कता बरतकर ही इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है। घर की

साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का पनपना रोकें। कुछ अन्य जरूरी बातों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। जैसे, अपने घर में या आसपास पानी जमा न होने दें। जमा पानी के ऐसे स्रोत ही डेंगू मच्छरों की उत्पत्ति के प्रमुख कारक होते हैं। यदि कहीं पानी इकट्ठा हो तो उसमें केरोसीन ऑयल या पैट्रोल डाल दें ताकि वहां मच्छरों का सफाया हो जाए। पानी के बर्तनों, टंकियों इत्यादि को अच्छी प्रकार से ढ़ककर रखें। कूलर में पानी बदलते रहें। यदि कूलर में कुछ दिनों के लिए पानी का इस्तेमाल न कर रहे हों तो इसका पानी निकालकर कपड़े से अच्छी तरह पोंछकर कूलर को सुखा दें। खाली बर्तन, खाली डिब्बे, टायर, गमले, मटके, बोतल इत्यादि में पानी एकत्रित न होने दें। बेहतर यही होगा कि ऐसे कबाड़ और इस्तेमाल न होने वाले टायर इत्यादि को नष्ट कर दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कहीं भी पानी जमा होकर सड़ न रहा हो। घर के दरवाजों, खिड़कियों तथा रोशनदानों पर जाली लगवाएं ताकि घर में मच्छरों का प्रवेश बाधित किया जा सके। पूरी बाजू के कपड़े पहनें। हाथ-पैरों को अच्छी तरह ढ़ककर रखें। मच्छरों से बचने के लिए मॉस्कीटो रिपेलेंट्स का प्रयोग कर सकते हैं लेकिन सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना मच्छरों से बचाव का सस्ता, सरल, प्रभावी और हानिरहित उपाय है। डेंगू के लक्षण उभरने पर तुरंत योग्य चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

अगर हो जाए डेंगू!

डेंगू हो जाने पर रोगी को हर हाल में पौष्टिक और संतुलित आहार देते रहना बेहद जरूरी है। डेंगू होने पर तुलसी का उपयोग बेहद लाभकरी है। आठ-दस तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10-15 पत्तों को एक गिलास पानी में उबाल लें और जब पानी आधा रह जाए, तब पी लें। नारियल पानी पीएं, जिसमें काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स होते हैं, साथ ही यह मिनरल्स का भी अच्छा स्रोत है, जो शरीर में ब्लड सेल्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को सही रखने में मददगार होता है। इसलिए आंवला, संतरा, मौसमी जैसे विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें। बुखार होने पर पैरासिटामोल का इस्तेमाल करें और ध्यान रखें कि बुखार किसी भी हालत में ज्यादा न बढ़ने पाए लेकिन ऐसे मरीजों को एसप्रिन, ब्रूफिन इत्यादि दर्दनाशक दवाएं बिल्कुल न दें क्योंकि इनका विपरीत प्रभाव हो सकता है। हां, उल्टियां होने पर रोगी को नसों द्वारा ग्लूकोज चढ़ाना अनिवार्य है। स्थिति थोड़ी भी बिगड़ती देख तुरंत अपने चिकित्सक से सम्पर्क करें।

आप का नजरिया

छलिया कौन ?

यूं तो राजनीति में छल, कपट और फरेब की सहज उपस्थिति सदा स्वीकार्य है, फिर भी पार्टियां एक दूसरे के आखेट में दोषारोपण करती हैं। पहली बार हिमाचल की परिस्थिति में 'असली छलिया' को लेकर बहस और विवाद है। यह भी अजूबा अंकगणित है क्योंकि कल के अपने, आज दूसरे के आगोश में हैं। बहुमत के बावजूद और कुल 43 विधायकों के आत्मबल के मैदान पर कांग्रेस से राज्यसभा सीट छीन कर भाजपा छलिया बनी या सत्ता का गुरूर छलनी हो गया। यहां बहस के अनेक बिंदु हर्ष महाजन को छलिया मानते हैं, क्योंकि वह पाला बदलकर भाजपा के चाणक्य बन जाते हैं। छलिया घोषित होने में एक सहजता है, जबकि 'सरगना' साबित करके कांग्रेस अपने पूर्व विधायकों की खिचड़ी में फरेब के बाल चुन रही है। वर्तमान चुनाव की बैसाखियां ही छल से भरी हैं। गगरेट से चैतन्य अगर भाजपा के उम्मीदवार हो गए, तो राकेश कालिया कांग्रेस की नाव पर सवार हो गए। सुजानपुर में भाजपा का छल या कांग्रेस में कैप्टन रणजीत सिंह का कल किस तरह अपनी व्याख्या कर रहा है, यह देखा जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि छह उपचुनावों और तीन निर्दलीयों के इस्तीफों पर लोकतंत्र का शीर्षासन यह समझ ही नहीं पा रहा कि उसको छलने वाले हैं कौन। लाहुल-स्पीति में कांग्रेस से छिटक कर भाजपा के घोंसले में आए रवि ठाकुर के सामने भले ही अनुराधा राणा हैं, लेकिन डा. रामलाल मार्कंडेय इस चुनाव के वास्तविक छलिया बने हुए हैं। धर्मशाला में भाजपा के सुधीर शर्मा के सामने मुख्यमंत्री के खास देवेंद्र जग्गी हैं, लेकिन पाला बदलते-बदलते निर्दलीय हो गए राकेश चौधरी चुनाव को छलने का माध्यम बने हुए हैं। इसीलिए दोनों ही प्रमुख पार्टियां अपने-अपने वजूद को बचाने के लिए निर्दलीयों को समझा रही हैं। रामलाल मार्कंडेय और राकेश चौधरी की हैसियत चुनावों ने छलिया बना दी है और ये दोनों किसी का भी आसन खिसका सकते हैं। वैसे तमाम लोकसभा उपचुनावों की सीटों पर सारे निर्दलीय उम्मीदवार छलिया बने हुए हैं। निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि हिमाचल की राजनीति को अब विनेबिलिटी के नाम पर चंद छलिया चाहिएं। ऐसे में कहीं कोई छलिया परिवारवाद से पैदा होगा और कहीं कोई सरकार से पैदा होगा। कोई जातीय आधार पर अपनी ही जाति को ढांपेगा, कोई वर्ग के आधार पर तो कोई आरक्षण के चमत्कार से योद्धा बन जाएगा। जिस प्रदेश में जनता विभ्रम में हो तथा सोशल मीडिया पर भविष्य की चौघराहट हो, वहां नागरिक भी छदम भूमिका में छल ही तो कर रहे हैं। ताज्जुब नहीं कि आज का मतदाता भी छलिया है और प्रदेश का कर्मचारी वर्ग भी यही तो कर रहा है। ये एनपीएस और ओपीएस के बीच आर्थिक हकीकत का छल ही तो है जो सारे चुनाव के महासागर को जीत की गागर में भर लेता है। घाटे की बिजली व्यवस्था में डेढ़ सौ यूनिट मुफ्त की बिजली अगर छल नहीं, तो फिर ऐसी कसौटी पर हम आत्मनिर्भर होंगे कैसे। हम बतौर नागरिक खुद को छल रहे हैं। वर्षों से यह उम्मीद कर रहे हैं कि सरकारी नौकरी से चूल्हा जलेगा, लेकिन रोजगार के चूल्हे से बाहरी प्रदेशों के लोग छल कर रहे या इस नीयती तक पहुंचाने के लिए हमारा राजनीतिक छल अब अविश्वसनीय औजार हो गया।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक का इस्तेमाल रोकने में एफएसएसएआई विफल, अपील पर केंद्र को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रासायनिक पदार्थों के उपयोग पर चिंता व्यक्त करने वाली याचिका पर केंद्र और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से जवाब मांगा है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस संबंध में पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और एफएसएसएआई को नोटिस जारी किया।

शीर्ष अदालत पर्यावरणविद् और वकील आकाश वशिष्ठ द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्राथमिक कारण बन गया है।

याचिका में कहा गया है कि खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग/अति उपयोग, कृत्रिम रंग, दालों, खाद्यान्न और अन्य वस्तुओं की कोटिंग और वैक्सिंग के कारण देश भर में बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं।

याचिका में कहा गया है कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्राथमिक और प्रमुख कारण बन गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अनीता शेनॉय ने शीर्ष अदालत से कहा कि याचिकाकर्ता ने देशभर से आंकड़े एकत्र किए हैं जो कीटनाशकों के कारण होने वाली मौतों की बहुत बड़ी संख्या दिखाते हैं। उन्होंने कहा, कीटनाशकों पर अंकुश लगाने और उन्हें नियंत्रित करने तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एफएसएसएआई पूरी तरह विफल रहा है। शेनॉय ने शीर्ष अदालत को बताया, कीटनाशकों और कैंसर के बीच सीधा वैज्ञानिक और चिकित्सकीय संबंध है और ऐसे मामले देश भर में बढ़ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

देश के विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर खुशखबरी, 2.56 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। इस समय विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को खुशखबरी मिल रही है। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.561 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई। अब अपना भंडार 644.15 अरब डॉलर का हो गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 10 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भंडार 2.561 अरब डॉलर से बढ़कर 644.151 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 1.488 अरब डॉलर से बढ़कर 565.648 अरब डॉलर हो गया। स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़ा रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ के पास भारत का आरक्षित जमा घटा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.495 अरब डॉलर रह गया। पाकिस्तान में बढ़ गया डॉलर का भंडार वहीं, अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की भले ही जबरदस्त किल्लत चल रही हो, लेकिन पिछले तीन सप्ताह से वहां बहार है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार 35.5 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। उसके बाद फिर तीन मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भी यह बढ़ा। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भी यह 17.75 मिलियन डॉलर बढ़ गया। इस सप्ताह बढ़ोतरी के बाद अब वहां 14.626 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार हो गया है।

माइकल डेल दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर, मुकेश अंबानी एक पायदान नीचे खिसक कर 12वें नंबर पर

मुंबई। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी हाल में दुनिया के अमीरों की सूची में एक पायदान नीचे खिसक गए। उनसे आगे निकलने वाले माइकल डेल अमेरिका के अरबपति डेल कंप्यूटर प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी डेल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और सीईओ हैं। इस कंपनी में उनकी आधी हिस्सेदारी है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक डेल की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 34.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें नंबर पर हैं जबकि भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी उनसे एक स्थान नीचे 12वें नंबर पर हैं। अंबानी की नेटवर्थ 110 अरब डॉलर है। बताया जाता है कि 1965 में ह्यूस्टन में जन्मे डेल का सपना डॉक्टर बनने का था। उन्होंने साल 1983 में ऑस्टिन में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस में एडमिशन लिया। लेकिन जल्दी ही इससे उनका मन ऊब गया। उन्होंने 1,000 डॉलर से अपना स्टार्टअप शुरू किया। डेल अपने हॉस्टल रूम में ही कंप्यूटर एसेंबल करने लगे। इस तरह उन्होंने अपग्रेडेड पर्सनल कंप्यूटर और कंपोनेंट्स बेचने का काम शुरू किया। 1984 में उन्होंने कंपनी का नाम डेल कंप्यूटर रखा और कॉलेज छोड़ दिया। साल 1988 में वह आईपीओ लेकर आई और इस तरह नैसडैक पर डेल के शेयरों की खरीद-फरोख्त शुरू हो गई। आठ साल बाद कंपनी में उनकी हिस्सेदारी की वैल्यू एक अरब डॉलर से अधिक पहुंच गई। 1998 में उन्होंने अपनी निवेश कंपनी एमएसडी कैपिटल बनाई। डेल ने साल 2004 में सीईओ पद छोड़ दिया था लेकिन तीन साल बाद फिर वह इस पद पर लौटे। असल में उनके पद छोड़ने के बाद कंपनी की बिक्री में काफी गिरावट आई। साथ ही अकाउंटिंग का एक घोटाला भी सामने आया। इसके मद्देनजर बोर्ड ने डेल से फिर से सीईओ बनने का अनुरोध किया। इसके बाद उन्होंने कंपनी के कारोबार को फैलाया। पीसी और लैपटॉप के साथ-साथ कंपनी सर्वर, कंप्यूटर स्टोरेज और नेटवर्किंग प्रॉडक्ट्स भी बेचने लगी। 2013 में उन्होंने कंपनी को प्राइवेट कर दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रक्षण के...

दोषी ठहरा रहे हैं, उनके चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं। जैसी भाषा ये उनके लिए बोल रहे हैं, इसका जवाब बंगाल की हर बेटी अपने वोट से देगी और टीएमसी को तबाह कर देगी।

आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों के तरकश में जितने तीर थे, वे चला चुके हैं, लेकिन जनता जनार्दन के सुरक्षा कवच के आगे इनका हर तीर, उनकी हर साजिश नाकाम साबित हुई है। पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने इन चुनावों में इंडी गठबंधन वालों का कच्चा चिट्ठा खोलकर देश के सामने रख दिया है। उन्होंने कहा, बाबा साहेब अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे, लेकिन आज इंडी गठबंधन वाले धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि जिस बंगाल में मां सरस्वती की पूजा होती है, वहां टीएमसी सरकार शिक्षा में भी चोरी करती है। शिक्षकों की भर्ती में हजारों नौजवानों का भविष्य इन्होंने बर्बाद कर दिया। चुनाव में बंगाल के लोगों को डराने-धमकाने, हिंसा कराने वाली टीएमसी सरकार ने इस बार सारी हदें पार कर दी है। आज देश और दुनिया में इस्कॉन, राम कृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, सेवा और सदाचार के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आज बंगाल की मुख्यमंत्री इन्हें खुले तौर पर धमका रही हैं, खुले मंच से उन्हें चेतावनी दे रही हैं।

पश्चिम बंगाल में ...

हुआ हमला साफ तौर पर बताता है कि मंदिरों पर हमले पूरी तरह से प्लान करके किए गए थे।

जिन मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया है, उनके नाम है चौपाथी काली माता मंदिर, सत्वेंदि शिव मंदिर, जंगलीबाड़ी काली मंदिर और गोरेरारी शनि मंदिर। इन मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की जानकारी शनिवार 18 मई को सार्वजनिक हुई तो पूरे इलाके में हिंदुओं का गुस्सा भड़क उठा। हिंदुओं ने मंदिरों पर हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने तमाम सड़कों, जिसमें नेशनल हाईवे 27 भी शामिल है, को कई जगहों पर जाम कर दिया। शालबारी और पलकटा के साथ ही कई जगहों पर ट्रेन की पटरियों को भी जाम कर दिया गया। प्रदर्शन के कारण भीषण अफरातफरी मची, लेकिन मंदिर तोड़ने वाले तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

संदेशखाली में ...

संदेशखाली क्षेत्र कोलकाता से लगभग 100 किमी दूर सुंदरबन की सीमा पर स्थित है। टीएमसी नेता शाहजहां शेख ने संदेशखाली को ही अपना शिकार-स्थल बना रखा था। शाहजहां शेख और उसके गिरोह ने जमीन हड़पने, हिंसा करने और महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का रिकॉर्ड बना रखा था। शाहजहां शेख के आतंक का पुरजोर विरोध होने के बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। इस साल जनवरी में टीएमसी नेता शेख शाहजहां के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान शाहजहां के समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया था, जिसमें तीन अधिकारी घायल हो गए थे। इस हादसे के बाद शाहजहां फरार था, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तान की...

इस बार के चुनाव में 400 से भी अधिक सीटें जीत कर देश की जनता पीएम मोदी को तीसरी बार भारत के सशक्त प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है।

चिलचिलाती धूप में मेजा के सोरांव गांव के हेलीपैड पर गृह मंत्री अमित शाह का हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े बारह बजे उतरा। मंच पर चढ़ते ही अमित शाह ने बिना किसी औपचारिकता के सीधे माइक संभाल लिया। उन्होंने प्रयागराज की पावन धरा को नमन करने के साथ ही अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, लाल पद्मधर और राष्ट्र निर्माता महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को याद किया। उन्होंने महाकवि निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और हरिवंश राय बच्चन जैसे अमर साहित्यकारों को भी याद किया।

अमित शाह ने कहा कि यह पावन भूमि हमेशा से समरसता और प्रेम को समर्पित रही है। गृह मंत्री ने श्रृंगवेरपुर धाम, भारद्वाज मुनि आश्रम, झूंसी के उल्टा किला के सांस्कृतिक वैभव को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की जनता ने हमेशा से सोच समझकर सटीक और मजबूत निर्णय लिया है। उन्होंने जनता से पूछा- क्या आप देश में मजबूत प्रधानमंत्री चाहते हैं या हर साल में बदलने वाला पांच बार में पांच प्रधानमंत्री। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने वाले इंडी गठबंधन के नेताओं में अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, ममता दीदी, खड़गे और राहुल बाबा क्या कभी प्रधानमंत्री बन सकते हैं? क्या जनता ने उत्तर दिया, नहीं। फिर जनता मोदी का जय घोष करने लगी।

अमित शाह ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता खुलेआम कह रहे हैं कि उनकी सरकार बनेगी तो कश्मीर से धारा 370 को फिर वापस ले आएंगे। इंडिया गठबंधन के नेता मणि शंकर अय्यर पाकिस्तान को सम्मान देने की बात कह रहे हैं। वह कहते हैं कि इसलिए पाकिस्तान को सम्मान देना चाहिए क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार है। जबकि इंडिया गठबंधन वाले देश में परमाणु हथियारों को खुद खत्म करना चाहते हैं। ऐसे में इनकी मनसा क्या है यह आपको बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। शाह ने कहा कि सोनिया गांधी खड़गे और राहुल बाबा को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का न्यौता दिया गया था, लेकिन उन्होंने उस निमंत्रण को ठुकरा दिया। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद न सिर्फ राम मंदिर का मुकदमा सुप्रीम कोर्ट से जीता है बल्कि वहां प्राण प्रतिष्ठा करके भारत के आध्यात्मिक सांस्कृतिक गौरव को विश्व में स्थापित कर दिया।

अमित शाह ने कहा कि पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी ने इस क्षेत्र में बहुत काम किया है। भाजपा ने इस बार केसरी नाथ त्रिपाठी के पुत्र युवा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार बनाया है। आप अपना वोट देकर नीरज त्रिपाठी को सिर्फ सांसद नहीं बनाएंगे, बल्कि तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री भी बनाकर देश को सौंपने का काम करेंगे। अमित शाह ने मुफ्त राशन, गरीबी मिटाने के साथ सड़कों, पुलों के जाल गरीबों को मिलने वाले आवास और शौचालय की मोदी सरकार की उपलब्धियां को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में विकसित और सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

मछलीशहर में बोल...

मडियाहूं का मेरा बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान दे सकता है। ये कांग्रेस पार्टी, समाजवादी पार्टी, ये इंडी अलायंस हमें धमकाते हैं, डराते हैं कि पाकिस्तान को सम्मान दो, क्योंकि उनके पास आइटम बम है। अरे राहुल बाबा आपको डरना है तो डरो एटम बम से, ये आज मछलीशहर से बताकर जाता हूं, पाक और कश्मीर भारत का है, रहेगा और हम उसको लेकर रहेंगे।

गृहमंत्री ने कहा कि यही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी है जिसने धारा 370 को 70-70 साल तक संभाल कर रखा, जिसके कारण देश भर में आतंकवाद बढ़ा। मोदी जी को आपने दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया और कश्मीर में जहां फौज लेकर तिरंगा लहराने जाना पड़ता था, वहीं लाल चौक पर आज भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा निकलती है। अमित शाह ने कहा कि जब मैं पेपर लेकर पार्लियामेंट पहुंचता तो राहुल बाबा कहते थे 370 मत हटाइए खून की नदियां बह जाएंगी, पांच साल हो गए खून की नदियां छोड़ो किसी में कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं है। ये मोदी सरकार है। मोदी जी ने देश को सुरक्षित रखने का काम किया है।

गृहमंत्री ने कहा कि इन लोगों ने वोट बैंक की राजनीति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अखिलेश बाबू, डिंपल भाभी, राहुल बाबा, सोनिया सबको राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन ये लोग नहीं आए, क्योंकि ये अपने वोट बैंक से डरते हैं। उन्होंने जनसमूह से पूछा कि रामलला कगी प्राण प्रतिष्ठा में जो न गया हो उसे क्या वोट देना चाहिए? अमित शाह ने कहा, उनका गठबंधन परिवारवादियों का गठबंधन है। यह सभी अपने बेटे-बेटियों के लिए काम करते हैं।

उन्होंने कांग्रेस और सपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर दो शहजादे सत्ता में आए तो राम मंदिर में बाबरी ताला लगवा देंगे। लेकिन अखिलेश और राहुल को समझ लेना चाहिए कि भ्रष्टाचार करोगे तो जेल जाओगे। उन्होंने कहा कि सपा व कांग्रेस के राज में आलिया, मालिया, जमालिया (आतंकवादी) घुसपैठ करते थे, लेकिन मोदी के जमाने में भारत सर्जिकल स्ट्राइक करता है और घर में घुसकर मारता है।

अमित शान ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि हम सत्ता में आए तो धारा 370 वापस लाएंगे। ट्रिपल तलाक भी वापस लाएंगे। गलती से भी शहजादे वापस आए तो राम मंदिर में बाबरी वाला ताला लगवा देंगे।

यह लोग आतंकवादियों को क्लीन चिट देने का काम करते हैं। एक बार पहले भी दोनों शहजादे एक हुए थे लेकिन जनता ने इनका सुपड़ा साफ कर दिया था। इस दौरान गृहमंत्री ने मछली शहर लोकसभा के प्रत्याशी बीपी सरोज को प्रचंड बहुमत से जीताने के लिए उपस्थित जनसमूह से अपील की।

नए आपराधिक...

नए कानूनों में देशद्रोह कानून को नए अवतार में लाया जा रहा है और इसके दोषी को उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। लोकसभा में बीती 21 दिसंबर को तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक को मंजूरी मिली थी। ये कानून मौजूदा कानूनों इंडियन पेनल कोड (आईपीसी), सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन कानूनों को मंजूरी दे दी थी।

शिवकुमार ने ...

गौड़ा के अनुसार, प्रज्वल रेवन्ना मामले से संबंधित घटनाक्रम को कुचक्र का स्वरूप देने के लिए एन चेलुवरयास्वामी, कृष्णा बायरे गौड़ा और प्रियांक खड़गे सहित चार मंत्रियों की एक टीम बनाई गई थी।

हासन में अदालत परिसर से ले जाए जाने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए गौड़ा ने कहा, मुझे एक बयान देने के लिए कहा गया था कि यह एचडी कुमारस्वामी ही थे, जिन्होंने पेन ड्राइव में रखे सेक्स वीडियो प्रसारित किए थे (इसमें कुमारस्वामी के भतीजे प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के पोते भी शामिल हैं)। लेकिन, प्रज्वल रेवन्ना के ड्राइवर कार्तिक गौड़ा से पेन ड्राइव लेकर सारी योजना बनाने वाले शिवकुमार थे।

गौड़ा ने कहा, डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री मोदी, एचडी कुमारस्वामी और भाजपा को बदनाम करने के लिए बड़े पैमाने पर योजना बनाई थी। उन्होंने मुझे 100 करोड़ रुपए की पेशकश की और बॉरिंग क्लब के कमरा नंबर 110 में एडवांस के तौर पर 5 करोड़ रुपए भी भेजे। चन्नारायपटना के एक स्थानीय नेता गोपालस्वामी को इस सौदे पर बातचीत करने के लिए भेजा गया था। गौड़ा ने कहा, जब मैंने उनकी योजनाओं का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया तो उन्होंने पहले मुझे एक मामले में फंसाया, लेकिन उसमें कोई सबूत नहीं मिला। बाद में उन्होंने मुझे यौन उत्पीड़न के मामले में फंसा दिया। जब ये चाल भी नाकाम हो गई तो उन्होंने मेरे खिलाफ रेप का केस दर्ज करा दिया। मुझसे चार दिनों तक पूछताछ की गई, लेकिन उनसे कुछ पता नहीं चल सका।

देवराजे गौड़ा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, मेरे पास शिवकुमार की बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग है। मैं जेल से बाहर आते ही उसे जारी कर दूंगा और कांग्रेस की सरकार गिर जाएगी। इससे पहले 6 मई को भी गौड़ा ने कहा था कि यौन उत्पीड़न के वीडियो वाली पेन ड्राइव जारी करने के पीछे शिवकुमार का हाथ था। कांग्रेस पार्टी का मुख्य निशाना प्रधानमंत्री मोदी हैं। गौड़ा ने कहा था, मुझे सेक्स स्कैंडल की जांच कर रही एसआईटी पर भरोसा नहीं है। मैं सारे सबूत सीबीआई को सौंप दूंगा। मेरे पास मौजूद वीडियो उन वीडियो से अलग हैं, जो जारी किए गए हैं।

बता दें कि 33 वर्षीय प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोप हैं। प्रज्वल जर्मनी के फ्रैंकफर्ट भाग गए हैं। उनके खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

भारत में ...

इस जमीन पर दोनों ने गोदामों और अस्थायी शेडों का निर्माण कर कचरा पृथक्करण इकाइयां शुरू कीं। इसके बाद दोनों आरोपियों ने बांग्लादेश से मानव तस्करी करना शुरू कर दिया। बांग्लादेश से तस्करी कर भारत लाए गए नागरिकों को रोजगार दिया जाता था।

यह मानव तस्करी का बड़ा नेटवर्क था। दोनों के खिलाफ बंगलूरू में विशेष एनआईए अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि दोनों आरोपियों को कर्नाटक पुलिस की मदद से फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने पिछले साल 7 नवंबर को इस संबंध में एक मामला दर्ज किया था। एनआईए को कर्नाटक स्थित कुछ संस्थाओं की ओर से भारत, बांग्लादेश, असम और त्रिपुरा में अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद एनआईए ने पूरे देश में तलाशी अभियान चलाया और कई आरोपियों की गिरफ्तारी की। इस रैकेट में शामिल दलालों और अन्य संदिग्ध तस्करों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

16 महीने में ...

चारों बांग्लादेशी हैदराबाद जाने के लिए अगरतला-सिकंदराबाद एक्सप्रेस में सवार होने वाले थे। हिरासत में लिए जाने के बाद इन्होंने शुरुआत में खुद को भारतीय बताकर अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की। सख्ती से पूछताछ के बाद यह बात सामने आई कि भारतीय दलाल रफिकुल इस्लाम बांग्लादेशियों की भारत में घुसपैठ कराता है।

त्रिपुरा में बांग्लादेशी घुसपैठियों के पकड़े जाने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 11 मई 2024 को भी आठ बांग्लादेशी और उनकी मदद करने वाले एक भारतीय दलाल को अगरतला रेलवे स्टेशन से ही पकड़ा गया था। ये लोग महाराष्ट्र की ट्रेन में सवार होने वाले थे। उससे पहले 5 मई 2024 को 11 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए थे, जिनमें 4 बच्चे थे। ये सभी लोग भारत में सफलतापूर्वक घुसपैठ करने के बाद बेंगलुरु चले गए थे। लेकिन वहां से लौटते वक्त त्रिपुरा के धलाई जिले के सीमावर्ती गांव मचकुमिर से पकड़े गए।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश से त्रिपुरा 856 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इस सीमा से घुसपैठ धड़ल्ले से बढ़ रहा है जिसकी पुष्टि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के आंकड़े भी करते हैं। बीएसएफ ने जनवरी 2023 से 15 अप्रैल 2024 तक यानी करीब 16 महीने में अकेले त्रिपुरा से 1018 घुसपैठिए पकड़े हैं। इनमें 498 बांग्लादेशी हैं।

पकड़े गए बांग्लादेशियों में औरतों और बच्चों की भी अच्छी-खासी तादाद है। 2023 में त्रिपुरा से पकड़े गए 337 बांग्लादेशियों में 93 औरतें और 24 बच्चे थे। वहीं इस साल 15 अप्रैल तक पकड़े गए 161 बांग्लादेशियों में 43 औरतें और 19 बच्चे हैं।

बांग्लादेश के रास्ते त्रिपुरा में घुसपैठ करने वाले अकेले बांग्लादेशी ही नहीं हैं। इसी समय अंतराल में बीएसएफ 124 रोहिंग्याओं को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

बीएसएफ के अनुसार साल 2023 में उसने 744 घुसपैठिए पकड़े थे। इनमें 112 रोहिंग्या और 337 बांग्लादेशी थे। घुसपैठियों के पकड़े जाने की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। 2022 में बीएसएफ ने 369 घुसपैठिए पकड़े थे। इनमें 150 बांग्लादेशी और 57 रोहिंग्या थे। इसी तरह 2021 में 208 घुसपैठिए पकड़े गए थे, जिनमें 93 बांग्लादेशी थे।

पर भिखू...

उसे किसी को दोबारा याद दिलाने की जरूरत नहीं। अर्नब गोस्वामी के मामले में उसे कोर्ट से बुरी तरह लताड़ भी मिली और वो बाइज्जत सभी मामलों में बरी भी हुए। इन सबके बावजूद कांग्रेस पार्टी बेशर्मी से अपने मेनिफेस्टो में अभिव्यक्ति की आजादी जैसे भारी भरकम शब्द का इस्तेमाल करती है।

दरअसल, भिखू म्हात्रे को जिस ट्वीट को लेकर गिरफ्तार किया गया है, उसमें उन्होंने कांग्रेस के मेनिफेस्टो को लेकर लिखा, ये हर लिबरल और पिद्दी के मुंह पर मारो, जो ये कह रहा है कि कांग्रेस के मेनिफेस्टो में मुस्लिम शब्द का जिक्र नहीं है। ये मामला उस बात से जुड़ा है, जिसमें कांग्रेस ने सम्पत्ति-बंटवारे (वेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन) की बात कही थी और उसमें इसे मुस्लिमों, एससी-एसटी को देने की बात थी।

कांग्रेस और उसके समर्थक इस बात को नकार रहे थे कि उसमें मुस्लिमों का जिक्र नहीं है। भिखू म्हात्रे ने मेनिफेस्टो का वह हिस्सा शेयर किया, जिसमें मुस्लिमों और एससी-एसटी का जिक्र किया गया था। बस, इतना ही काफी था कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के लिए।

बेंगलुरु पुलिस को गोवा भेज कर भिखू म्हात्रे को गिरफ्तार करा लिया। कर्नाटक में जघन्य अपराध करने वाले अपराधी छुट्टा घूमते रहते हैं, लेकिन उन्हें गिरफ्तार करने की कर्नाटक सरकार को या संरक्षक राहुल गांधी को कोई फिक्र नहीं। शनिवार 18 मई 2024 को खुद भिखू म्हात्रे (एक्स प्रोफाइल नाम) ने ही एफआईआर की सूचना दी थी और सावधान किया था।

उन्होंने लिखा था, तो कांग्रेस मुझे सच बोलने के लिए दबाना चाहती है। मैं किसी भी अन्याय के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार हूं और पूरी न्यायिक लड़ूंगा, चाहे इसके लिए मुझे सर्वोच्च न्यायालय तक क्यों न जाने पड़े।

मैंने कभी भी किसी को नुकसान पहुंचाने वाला या कम्युनल कमेंट पोस्ट नहीं किया है। इस मामले में सोशल मीडिया फोरम एक्स पर देशभर के लोगों ने कांग्रेस की निंदा की है।

ये दिग्गज खिलाडी कभी नहीं जीत पाए टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का खेला जाएगा 9वां संस्करण

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां) ।

हम आपको 5 ऐसे दिग्गज खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल तो जीता लेकिन टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उनके हाथ नहीं लगी। ब्रेंडन मैकुलम की गिनती टी20 क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाज के रूप में होती है। वह टी20 इंटरनेशनल में एक हजार और दो हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज थे।

इसके बाद भी कभी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। वहीं 2012 में आईपीएल जीतने वाले केकेआर टीम में वह थे। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने 2008 में राजस्थान रॉयल्स के साथ आईपीएल का खिताब जीता था। वह चेन्नई के साथ भी लीग जीत चुके हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलते हुए वह टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ भी टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। उनकी कप्तानी में टीम ने का प्रदर्शन दमदार रहा लेकिन वह कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाई। हालांकि राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए स्मिथ ने आईपीएल जीता था। मुथैया मुरलीधरन ने पहले तीन टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। 2009 में उनकी टीम फाइनल में पाकिस्तान से हार गई। वहीं आईपीएल में वह 2010 में चैंपियन बनने वाली चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे। सुरेश रैना 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उसके बाद 2009 से 2016 तक सभी टूर्नामेंट में वह टीम में थे लेकिन भारत को किसी में जीत नहीं मिली। रैना को मिस्टर आईपीएल कहा जाता है और वह 2010, 2011, 2018 और 2021 में विजेता बनने वाली चेन्नई का हिस्सा थे। बता दें कि 2007 में पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला गया था। उसके एक साल बाद 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग मानी जाती है। वहीं वर्ल्ड कप इंटरनेशनल टी20 का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। हर खिलाड़ी दोनों को जीतने का सपना दिखता है। अभी आईपीएल का 17वां सीजन चल रहा है। वहीं 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का 9वां संस्करण खेला जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

केवल सभ्य पहलवानों को छत्रसाल स्टेडियम में पुनः प्रवेश की अनुमति : कोच

नई दिल्ली। केवल सभ्य पहलवानों को उत्तर दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में पुनः प्रवेश की अनुमति दी गयी है। प्रशासन ने कुछ दिन पहले एक कोच के साथ मारपीट की घटना के बाद स्टेडियम बंद करने और सभी पहलवानों को परिसर खाली करने का निर्देश दिया था। एक मई को कुछ रिपोर्टों में बताया गया था कि एक कुश्ती कोच को स्टेडियम में एक प्रशिक्षु पहलवान और उनके मित्रों ने मामूली झड़प के बाद बुरी तरह पीट दिया था। इस घटना के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया और हॉस्टल के सभी कमरों को बंद करते हुए पहलवानों को परिसर छोड़ने का आदेश दिया था। लेकिन अब कुछ पहलवानों को अपनी ट्रेनिंग के लिए स्टेडियम लौटने की अनुमति दे दी गयी है।लगभग 150 पहलवानों को अनुमति दी गयी है लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गयी है जिन्होंने स्टेडियम में हुड़दंग किया था। प्रशासन अब उन पर नजदीकी नजर रख रहा है। कोच ने अपना नाम गोपनीय रखने की शर्त पर कहा ,इससे पहले रवि दहिया, अमन सहरावत और दीपक पुनिया को रुकने की अनुमति दी गयी थी और बाकी सबको वापस घर भेज दिया गया था। सूत्रों ने कहा,कोच जयबीर सिंह दहिया के साथ जो कुछ भी हुआ वह चौंकाने वाला था। हम उम्मीद करते हैं कि वह चोटों से जल्दी उबर जाएंगे। इससे पहले खबर दी गयी थी कि एक पहलवान ने अपने दोस्तों की मौजूदगी में दहिया को बुरी तरह पीट दिया था। कोच बुरी तरह घायल हो गए थे लेकिन दहिया ने शिकायत दर्ज नहीं कराई और कहा कि वह सीढ़ियों से गिर गए थे।

चेन्नईयिन एफसी ने युवा मिडफील्डर जितेश्वर सिंह का बढ़ाया अनुबंध

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद चेन्नईयिन एफसी ने जितेश्वर सिंह का कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाया दिया है, जो उन्हें 2025 तक मरीना मचान्स में बनाए रखेगा। मणिपुर का 22 वर्षीय मिडफील्डर, जिसने 2022 में चेन्नईयिन एफसी के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में डेब्यू किया है, का लीग के हाल ही में समाप्त हुए सीजन में क्लब के शानदार प्रदर्शन में एक महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने न केवल 25 सफल टैकल किए हैं, जो सीज़न में चेन्नईयिन के लिए सबसे अधिक है बल्कि मैदान पर अपनी गुणवत्ता दिखाते हुए 14 इंटरसेप्शन भी दर्ज किए। एक और सीजन के लिए चेन्नईयिन एफसी में रहना रोमांचक है। इस सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के बाद हमारा लक्ष्य अगली बार और भी अधिक हासिल करना है। यह क्लब मेरे लिए कुछ बेहतरीन कोचों और खिलाड़ियों से सीखने और बढ़ने के लिए एकदम सही माहौल है। जितेश्वर ने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति की है और अपने करियर में आगे बढ़ने का इरादा रखता हूं। जितेश्वर ने चेन्नईयिन के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 44 मैच खेले हैं, जिसमें पिछले सीज़न में 23 मैच शामिल हैं।

प्रणवी, दीक्षा सहित तीन भारतीयों ने जर्मन मास्टर्स में कट पार किया

ब्रैंडनबर्ग(जर्मनी)। इस सप्ताह शुरुआत करने वाली सात भारतीयों में से तीन गोल्फर जर्मन मास्टर्स में दो राउंड के बाद कट पार करने में कामयाब रहीं। इन तीन खिलाड़ियों में नवोदित खिलाड़ी प्रणवी उर्स, दो बार की एलईटी विजेता दीक्षा डागर और त्वेसा मलिक शामिल हैं। प्रणवी (73) और दीक्षा (73) दो राउंड के बाद तीन ओवर के स्कोर और संयुक्त 30वें स्थान पर हैं जबकि त्वेसा (77) पांच ओवर के स्कोर और संयुक्त 55वें स्थान के साथ कट पार करने में कामयाब रहे। कट पांच ओवर के स्कोर पर लगाया गया और 66 खिलाड़ी कट पार कर फ़ाइनल राउंड में जाने में सफल रहीं। स्नेहा सिंह (75) एक शॉट से, वाणी कपूर (77) तीन शॉट से और अमनदीप द्राल(78) पांच शॉट से कट पार नहीं कर पाई।अवनि प्रशांत ने दूसरे दौर के बीच से ही अपना नाम वापस ले लिया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को चार विकेट से हराया

हैदराबाद, 19 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 69वें मैच में रविवार को अभिषेक शर्मा (66) और हाइनरिक क्लासन (42) रनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को चार विकेट से हरा दिया है।

आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में ट्रैविस हेड (शून्य) का विकेट गवां दिया। उसके बाद अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी ने पारी को संभाला। पांचवें ओवर में हर्षल पटेल ने त्रिपाठी को अर्शदीप के हाथों कैच आउट करा दिया। त्रिपाठी ने 18 गेंदों में चार चौके और दो छक्के उड़ाते हुए (33) रन बनाये। नितीश कुमार रेड्डी ने 25 गेंदों में (37), शाहबाज़ अहमद (3) रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों मे पांच चौके और छह छक्कों की मदद से सर्वाधिक (66) रनों की पारी खेली। हाइनरिक क्लासन ने 26 गेंदों में तीन चौके और दो छक्को की मदद से (42) रन बनाये। अब्दुल समद (11) और सनवीर सिंह (6) रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने 19.1 ओवर में छह विकेट पर 215 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया।

पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल ने दो-दो विकेट लिये। हरप्रीत बराड़ और शशांक सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले प्रभसिमरन सिंह (71), राइली रुसो (49) और अथर्व तायडे (46) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को जीत के लिये 215 रनों का लक्ष्य दिया था।

चोटिल शिखर धवन और सैम करन की अनुपस्थिति में कप्तान बनाये गये जितेश शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रभसिमरन सिंह और अथर्व तायडे की सलामी जोड़ी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट लिये 97 रन जोड़े। 10वें ओवर में टी नटराजन ने अथर्व तायडे को आउट कर हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। तायडे ने 27 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुये (46) रन बने।

15वें ओवर में प्रभसिमरन सिंह के रूप में पंजाब का दूसरा विकेट गिरा। उन्हें विजयकांत वियसकांत ने आउट किया। प्रभसिमरन सिंह ने 45 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए सर्वाधिक (71) रन बनाये। शशांक सिंह (2) और आशुतोष शर्मा (2) रन बनाकर आउट हुये। राइली रुसो ने 24 गेंदों में तीन चौके और चार छक्को की मदद से 49 रनों की पारी खेली। कप्तान जितेश शर्मा 15 गेंदों में (32) और सुबोध भाटी (2) रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 214 रनों का स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से थंगारसु नटराजन ने दो विकेट लिये। पैट कमिंस और वी वियसकांत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

परवीन के निलंबन के बाद ओलंपिक क्वालिफायर के 57 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी जैस्मिन

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां) ।

मुक्केबाज परवीन हुड्डा के निलंबन की वजह से भारत ने 57 किग्रा वजन वर्ग का पेरिस ओलंपिक कोटा गंवा दिया। हालांकि, अब जैस्मिन लाम्बोरिया थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा, ठिकाने की जानकारी देने में विफल होने के बाद अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) द्वारा कोटा विजेता परवीन को निलंबित किए जाने के बाद जैस्मीन थाईलैंड में 24 मई से शुरू होने वाले दूसरे ओलंपिक क्वालीफायर में हिस्सा लेंगी। जैस्मीन पहले क्वालिफायर और पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में 60 किग्रा में खेली थीं। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा में कांस्य पदक जीता था। पिछले साल एशियाई खेलों में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली परवीन ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी थी, जबकि वाडा नियमों के तहत यह जानकारी देना अनिवार्य है । यही वजह है उन पर 22 महीने का निलंबन लगाया गया है। इस संबंध में भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, परवीन हुड्डा को ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) द्वारा 22 महीने के लिए निलंबित किया गया है। हालांकि संबंधित एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद, परवीन की सजा कम कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, अब उन्हें 14 महीने का निलंबन झेलना होगा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, कई चर्चाओं के बाद आईटीए ने परवीन पर एक प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया है जिसमें 22 महीने की अयोग्यता अवधि लागू करना शामिल है। इसे अब छह महीने पीछे की तारीख में कर दिया गया है। अब यह प्रतिबंध 17 मई 2024 से शुरू होकर 14 महीने का होगा। इसका अर्थ है कि परवीन इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस खेलों में भाग नहीं ले पाएंगी।

बारिश के कारण कोलकाता और राजस्थान मैच हुआ रद्द

गुवाहाटी, 19 मई (एजेंसियां)। रूक-रूक कर हो रही बारिश के करण रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 70वें मैच को टॉस के बाद रद्द घोषित कर दिया गया।

बारिश रुकने के बाद अम्पायरों ने मैदान का निरीक्षण करते सात-सात ओवरों मैच की मंजूरी दी। कोलकाता ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। टॉस जीतने के बाद कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि हमारी टीम में एक बदलाव है। अनुकुल टीम में वापस आए हैं। इस पिच को हम ज़्यादा नहीं जानते, हमें नहीं पता कि पिच कैसा व्यवहार करने वाली है। यह सात-सात ओवर का मैच है तो हम पहले गेंदबाजी करते हुए, पिच का व्यवहार जान लेना चाहते हैं।

वहीं राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि हम भी पहले गेंदबाज़ी करना चाहते थे। आज हमारी टीम में अंतिम समय में कुछ एक बदलाव हुए हैं तो मुझे उस बारे में ज़्यादा कुछ नहीं पता है। हालांकि नांद्रे बर्गर टीम में हैं।

इससे पहले कि मैच शुरु हो पाता बारिश फिर से शुरु हो गई। बारिश के कारण मैच में एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी और अंपायरों ने मैच को आधिकारिक रूप से रद्द घोषित कर दिया गया। राजस्थान की टीम इस मैच को जीतकर अपने पिछले चार मैचों के हार के क्रम को तोड़ना चाह रही था। मैच रद्द होने के बाद दोनों टीमों एक-एक अंक बांट दिया गया है जिसके बाद कोलकाता नाइटराइडर्स 20 अंक के साथ शीर्ष पर है। राजस्थान की 17 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है।

50 से भी कम का स्ट्राइक रेट, आक्रामक पारी खेल रहे बैटर को कराया रन आउट, धोनी फैंस का दिल तोड़ने वाला विलेन

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां) ।

चेन्नई सुपरकिंग्स के आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने के अरमान टूट गए। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली सीएसके को आईपीएल 2024 के 68वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 27 रन की शिकस्त मिली। इस वर्चुअल नॉकआउट मुकाबले को जीतकर आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच गई।

चेन्नई सुपरकिंग्स को प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मैच जीतने की जरुरत भी नहीं थी। उसे जरुरत थी कि 201 रन बना ले ताकि बेहतर नेट रन रेट के आधार पर प्लेऑफ में क्वालीफाई कर जाए। मगर सीएसके की नैया शिवम दुबे ने डुबा दी, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से फैंस का दिल जीता था।

दुबे का फ्लॉप प्रदर्शन – शिवम दुबे से बेहतर प्रदर्शन की सीएसके को सबसे ज्यादा जब जरुरत थी, तभी वो फ्लॉप हुए। दुबे ने 15 गेंदों में सात रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 46.66 का रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज एक भी बाउंड्री नहीं जमा सके। इसके अलावा उन्होंने फॉर्म में चल रहे रचिन रवींद्र को रन आउट करा दिया, जिससे सीएसके के हाल बुरे हो गए। पता हो कि रवींद्र और शिवम दुबे के तीन गेंदों के भीतर विकेट गिरे, जिससे सीएसके को तगड़ा झटका लगा। काफी मशक्कत करने के बाद 219 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 191 रन बना सकी। सोशल मीडिया पर यूजर्स शिवम दुबे को सीएसके की हार का दोषी ठहराते हुए उन्हें सबसे बड़ा विलेन करार दे रहे हैं।

आरसीबी ने रचा इतिहास – रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौजूदा सीजन में लगातार छठी जीत दर्ज करके प्लेऑफ में जगह बनाई और इतिहास रच दिया। आईपीएल इतिहास में ऐसी कोई टीम नहीं, जिसने शुरुआती 8 मैच में केवल एक मैच जीता और फिर प्लेऑफ में जगह बनाई। यह कमाल केवल आरसीबी की टीम ही कर पाई है।

टी20 वर्ल्ड कप 2 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में भारतीय टीम का पहला जत्था 24 मई को भरेगा उड़ान

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां) ।

अगले महीने 2 जून से टी2 वर्ल्ड कप का नौवां एडिशन वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होगा। टी20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 24 मई को भारतीय टीम का पहला जत्था विश्व कप के लिए उड़ान भरेगा। जो टीमें आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची हैं, उनमें शामिल वर्ल्ड कप के लिए भारतीय खिलाड़ी बाद में जाएंगे।

भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में विश्व कप खेलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों दिग्गजों का यह आखिरी टी20 विश्व कप हो सकता है। ऐसे में दोनों इस विश्व कप को अपने धमाकेदार प्रदर्शन से यादगार बनाना चाहेंगे। टी20 विश्व कप में सुरेश रैना इकलौते भारतीय हैं जिनके बल्ले से शतक आया है। विराट और रोहित के पास रैना के इस खास क्लब में शामिल होने का सुनहरा मौका है। सुरेश रैना ने 2010 टी20 वर्ल्ड कप में शानदार सैकड़ा जड़ा था। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ शतक ठोका था। उस एडिशन में दो बल्लेबाजों ने शतक जमाए थे। रैना के अलावा श्रीलंका के दिग्गज माहेला जयवर्धने ने भी एक शतकीय पारी खेली थी। रैना ने 60 गेंदों पर 9 चौकों और 5 छक्कों की मदद से शतक ठोका था। ग्रोस आइलेट में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 14 रन से विजयी रही थी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अभी तक 11 शतक लग चुके हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2007 में की गई थी। टी20 विश्व कप के पहले एडिशन में सिर्फ एक शतक विंडीज के धुरंधर क्रिस गेल ने लगाया था। आईसीसी के इस मेगा टूर्नामेंट में गेल के नाम सर्वाधिक 2 शतक जड़ने का रिकॉर्ड है जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाज ये कारनामा कर चुके हैं। टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम के नाम है। मैकुलम ने 72 गेंदों पर 123 रन की पारी खेल चुके हैं। विराट कोहली का टी20 विश्व कप में सर्वोच्च स्कोर नाबाद 89 रन है। वह 27 मैचों में सर्वाधिक 1141 रन बना चुके हैं। उनके नाम 14 अर्धशतक दर्ज हैं वहीं रोहित शर्मा का टी20 विश्व कप में सर्वोच्च निजी स्कोर 79 रन रहा है।

लीस पर 2-0 की जीत के साथ अटलांटा की चैंपियंस लीग में वापसी, चार्ल्स डी केटेलेयर ने 48वें मिनट में दागा गोल

रोम। अटलांटा ने सीरी ए में लीस को 2-0 से हराकर तीन साल बाद चैंपियंस लीग के अगले सीजन के लिए जगह पक्की की. पहले हाफ में गोल रहित बराबरी के बाद अटलांटा ने गतिरोध को तोड़ दिया. चार्ल्स डी केटेलेयर ने 48वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल किया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही मिनट बाद अटलांटा ने बढ़त दोगुनी कर ली, जब जियानलुका स्कामाका ने 53वें मिनट में टीम के लिए दूसरा गोल किया. 2-0 से पीछे चल रही लीस के लिए यहां से कमबैक करना नामुमकिन है और मैच के निर्धारित समय के बाद भी स्कोर यही रहा। अगले सीज़न में चैंपियंस लीग में कम से कम पांच इतालवी टीमों की उपस्थिति के साथ, पांचवें स्थान पर मौजूद अटलांटा को अब छठे स्थान पर मौजूद रोमा पर छह अंकों की बढ़त है. दो राउंड शेष रहते हुए, अटलांटा ने रोमा के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड के आधार पर पहले ही शीर्ष पांच में जगह बना ली है। एक अन्य मुकाबले में एसी मिलान जो पहले ही दूसरा स्थान हासिल कर चुका था, उसे टोरिनो के खिलाफ 3-1 से हार झेलनी पड़ी।

सहयोग का वादा कर पलट गए..., नवाज शरीफ ने 2013 का वाकया याद कर इमरान खान पर धोखा देने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद, 19 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की एक जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उन पर पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएलएन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ ने साल 2013 में साजिश रचने का आरोप लगाया है। शरीफ का कहना है कि 11 साल पहले चुनाव के बाद सहयोग का आश्वासन देने के बावजूद विरोध रैलियां निकालकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक खान ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा था।

साल 2013 में सत्ता संभालने के बाद - लाहौर में पीएमएलएन की केंद्रीय कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए नवाज ने कहा कि साल 2013 में सत्ता संभालने के बाद वह इमरान से मिलने बनीगाला स्थित उनके आवास पर गए थे। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेता देश की खातिर कामकाजी रिश्ते पर सहमत हुए थे।

अगर आपत्ति थी तो बता देते: शरीफ - शरीफ ने आगे कहा कि इमरान मुलाकात के कुछ दिन बाद अन्य नेताओं के साथ लंदन गए थे। वहां उन्होंने साजिश रची। वापस लौटने पर देश में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। उन्होंने कहा कि वह इस इस घटनाक्रम से हैरान रह गए थे। नवाज ने कहा कि अगर खान या पीटीआई को किसी बात से आपत्ति थी, तो उन्हें हमें इसकी जानकारी देनी चाहिए थी। एक रिपोर्ट में नवाज का हवाला देते हुए कहा गया, मैं आपसे मिलने जाता हूं और आप सहयोग का आश्वासन देकर मेरी पीठ में छुरा घोंपते हैं। फिर आप इस्लामाबाद के डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन शुरू करते हैं उन्होंने कहा कि उनके मंत्रिमंडल ने भी पुलिस द्वारा विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई करने का आह्वान किया था, लेकिन उन्होंने पुलिस से ऐसा करने से बचने को कहा।

पाकिस्तान को बर्बाद कर दिया - पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यह रिकॉर्ड में दर्ज है कि उनकी सरकार ने 2013 के चुनावों के बाद खैबर पख्तूनख्वा में पीटीआई सरकार के गठन में बाधा नहीं डाली थी, जबकि वह गठबंधन के माध्यम से ऐसा कर सकते थे। पीएमएलएन प्रमुख ने कहा कि हम उन लोगों की जवाबदेही तय करने का आह्वान करते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को बर्बाद कर दिया। नवाज ने लोगों से कहा कि उन्हें वोट डालने से पहले इन सब पहलुओं पर विचार करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हमास की क्रूरता पर नए खुलासे, गाजा पट्टी से तीन बंधकों के बाद अब एक और इस्राइली का मिला शव

यरुशलम । हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के आतंकियों की दरिंदगी पूरी दुनिया देख रही है। एक के बाद एक बंधकों के शव इजराइल रक्षा बलों को मिल रहे हैं। एक दिन पहले जहां तीन शव बरामद किए गए थे। वहीं अब एक और बंधक की लाश मिली है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सेना ने गाजा पट्टी से एक और बंधक का शव बरामद कर लिया है। इससे पहले कल सेना ने एलान किया था कि एक विशेष मिशन के तहत तीन बंधकों के शव को वापस लाया गया। जिन तीन लोगों के शव बरामद हुए थी, उनकी पहचान 53 साल के इत्जाक गेलेंटर, 28 साल के अमित बुस्किला और 23 वर्षीय शानी लौक के रूप में हुई थी। 53 साल के शख्स का शव बरामद हगारी ने कहा, सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल में नोवा म्यूजिक फेस्टिवल पर हमला कर दिया था। आतंकवादियों ने उस वक्त कईयों को अगवा कर लिया था। अब जिस बंधक का शव बरामद हुआ है उसकी पहचान 53 साल के रॉन बेंजामिन के रूप में हुई है। उसे मेफलसिम के पास मार डाला था और उनके शव को गाजा ले जाया गया था। हगारी ने कहा, चलाए गए अभियान में उनका शव गेलेंटर, बुस्किला और लौक के साथ बरामद किया गया है। बेटियों को भेजा था संदेश एक रिपोर्ट के अनुसार, बेंजामिन को आखिरी बार सात अक्तूबर को सुबह साढ़े सात बजे सुना गया था। दरअसल, उन्होंने अपनी दो बेटियों के लिए एक वॉइस मैसेज छोड़ा था, जिसमें उन्होंने बताया था कि वह बाइक से रेहोवोट जा रहे थे, तभी रॉकेटों का हमला दिखाई दिया। उस सुबह, बेंजामिन किबुतज बेरी के पास बाइक की सवारी के लिए दोस्तों के साथ मिलने के लिए सुबह साढ़े छह बजे निकले थे। जब उन्होंने सायरन सुना तो घर जाने का फैसला किया। उन्होंने अपनी पत्नी ऐलेट के साथ बात की और अपनी बेटी के लिए एक संदेश छोड़ा। बालों और टैटू से की थी पहचान इसस पहले जिन लोगों के शव बरामद किए गए थे, उनमें 23 साल की लौक भी शामिल थी। इजराइल ने अक्तूबर के अंत में 23 साल की टैटू कलाकार जर्मन-इस्राइली लौक की मौत की पुष्टि की थी। जानकारी के मुताबिक, शानी लौक को उस वक्त बंधक बनाया लिया गया था, जब वह गाजा सीमा के पास सुपरनोवा संगीत समारोह में शिरकत करने पहुंची थीं। इस संगीत समारोह पर सात अक्तूबर को अचानक हमास ने हमला कर दिया था। इस दौरान कई लोग मारे गए थे और हमास की दरिंदगी के कई वीडियो भी वायरल हुए थे। हमास के आतंकियों ने लौक को बंधक बनाने के बाद एक पिकअप ट्रक में निर्वस्त्र कर घुमाया था। एक वायरल वीडियो में उन्हें पिकअप ट्रक में औंधे मुंह लेटी हुई देखा गया। परिवार ने उनकी पहचान बालों और टैटू से की थी। इस्राइली युद्ध कैबिनेट के सदस्य ने दी इस्तीफा देने की धमकी गाजा में चल रहे युद्ध को लेकर इस्राइली नेताओं के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए, इस्राइली युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने सरकार से इस्तीफा देने की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर सरकार तीन सप्ताह के भीतर गाजा में युद्ध के लिए कोई नई योजना नहीं अपनाती है, तो वह इस्तीफा दे देंगे।

तोशाखाना मामले में नया खुलासा इमरान खान पर अवैध रूप से लेनदेन का आरोप

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक

इमरान खान की मुसीबतें बढ़ गई है। जब राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो की एक जांच में उन पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में बताया। इमरान खान और उनकी पत्नी को पहले तोशाखाना मामले में राज्य उपहार भंडार से संबंधित भ्रष्ट आचरण के लिए दोषी ठहराया गया था। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं। अब हाल ही में एक जांच में सामने आया कि इमरान खान ने अपने कार्यकाल के दौरान राज्य उपहार भंडार से जुड़ी सात घड़ियां अवैध रूप से खरीदीं और बेची। एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य के प्रमुख, प्रथम महिला या राष्ट्रपति द्वारा 30,000 पीकेआर से अधिक मूल्य वाले किसी भी उपहार को राज्य भंडार में पंजीकृत किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी पिछले तोशाखाना मामले में भी दोषी थीं। उन्हें आभूषण के साथ घड़ी ली और अपने पास रख भी ली। जिसमें एक अंगूठी और एक हार भी रखा था। जबकि इसे डिपॉजिटरी में जमा किया जाना चाहिए था। यही नहीं राज्य के उपहारों को कम कीमत पर हासिल किया गया। जांच के दौरान मूल्यांकन में कई विसंगतियां सामने आईं। जिसमें विलासिता की वस्तुओं का मूल्यांकन किसी अनुभवहीन से करवाया गया। जिस कारण यह मूल्यांकन कम रहा।

एक बार फिर अंतरिक्ष में उड़ान भरेगी ब्लू ओरिजिन सबसे बुजुर्ग यात्री को भेजने का बन सकता रिकॉर्ड

वॉशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां) ।

अंतरिक्ष की सैर करना हर किसी का ख्वाब होता है। पर ऐसे खुशनसीब लोग कम ही होते हैं, जिनका ये ख्वाब पूरा हो पाता है। हालांकि, अब कुछ लोगों का यह सपना पूरा होने वाला है। ब्लू ओरिजिन करीब दो साल बाद छह लोगों को अंतरिक्ष भेजने वाला है। साल 2022 में इसका एक रॉकेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसके बाद कंपनी ने उड़ान पर रोक लगा दी थी।

अंतरिक्ष पर्यटन बाजार में फिर बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा - अब एक बार फिर अमेजन कंपनी के फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी सबऑर्बिटल रॉकेट को लॉन्च करने को तैयार है। इससे अंतरिक्ष पर्यटन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जिन छह लोगों को अंतरिक्ष भेजा जा रहा है उनमें पूर्व वायुसेना पायलट एड ड्वाइट भी शामिल हैं। इन्हें 1961 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने देश के पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवार के रूप में चुना था, लेकिन उन्हें कभी भी अंतरिक्ष में उड़ान भरने का अवसर नहीं दिया गया।

छह लोग भरेंगे उड़ान - जानकारी के अनुसार, अमेरिका के समयानुसार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पश्चिम टेक्सास में कंपनी के लॉन्च साइट वन बेस से सभी छह लोग उड़ान भरेंगे। इस उड़ान के साथ ही पूर्व वायुसेना पायलट एक नया इतिहास रचने वाले हैं। 90 साल, आठ महीने और 10 दिन की उम्र वाले ड्वाइट अंतरिक्ष में जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन जाएंगे। वह स्टार ट्रेक अभिनेता विलियम शैटनर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

जानिए कौन हैं विलियम शैटनर - शैटनर का जन्म 22 मार्च, 1931 को कनाडा में हुआ था। यह कनाडाई अभिनेता के रूप में जाने जाते हैं। वह एक अभिनेता होने के साथ ही लेखक, डायरेक्टर, प्रड्यूसर, स्क्रीनराइटर और गायक हैं।

वह साल 2021 में अंतरिक्ष यात्री भी बन गए। शैटनर ने 90 साल की उम्र में अंतरिक्ष की सैर कर सबसे उम्रदराज अंतरिक्ष यात्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया था। ये ब्लू ओरिजिन की कोई पहली उड़ान नहीं है। न्यू शेफर्ड-25 (एनएस-25) मिशन के लिए सातवीं उड़ान है। छह लोगों में शामिल फ्रांसीसी उद्यमी सिल्वेन शिरोन इस उड़ान को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह इंसानी दुनिया को बिना सीमाओं और सुंदरता के साथ आसमान से देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

लिट्टे से संघर्ष में जबरन गायब किए गए लोगों को लेकर सवाल पर भड़का श्रीलंका, यूएन की रिपोर्ट पर जताई नाराजगी

कोलंबो । श्रीलंका ने इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (ओएचसीएचआर) के कार्यालय द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के समय और अधिदेश पर सवाल उठाया है। दरअसल, रिपोर्ट में देश की सरकार से लिट्टे के साथ सशस्त्र संघर्ष के दौरान जबरन गायब किए गए लोगों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा गया है। यूएन की रिपोर्ट में क्या ओएचसीएचआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका सरकार को उन हजारों लोगों के बारे में खुलासा करने के लिए सार्थक कार्रवाई करनी चाहिए, जिन्हें दशकों से जबरन गायब किया गया है। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाने को भी कहा है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, मंत्रालय आधिकारिक तौर पर ओएचसीएचआर को रिपोर्ट जारी करने की एकतरफा कार्रवाई और विशेष रूप से इसके समय को लेकर सवाल उठाएगा। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त को एक पत्र लिखा जाएगा। श्रीलंका समय को लेकर नाराज तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने 18 मई, 2009 को 26 साल के युद्ध की समाप्ति की घोषणा की थी, जिसमें 100,000 से अधिक लोग मारे गए थे और लाखों श्रीलंकाई, मुख्य रूप से अल्पसंख्यक तमिल, देश और विदेश में शरणार्थी के रूप में विस्थापित हुए थे।

180 छात्रों को लेकर लाहौर पहुंचा विशेष विमान, पाकिस्तानी दूतावास की सलाह- घर के अंदर रहें

लाहौर (पाकिस्तान), 19 मई ।

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हिंसा भड़की हुई है। विदेशी छात्रों पर हमले किए जा रहे हैं। हिंसा के बीच 180 पाकिस्तानी छात्र लाहौर पहुंच चुके हैं। छात्रों को लेकर एक विशेष विमान अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। जहां पर आंतरिक मंत्री ने छात्रों का स्वागत किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किर्गिज पुलिस ने कहा कि उन्होंने हिंसा रोकने के लिए मध्य एशियाई देश की राजधानी में सेना जुटाई थी, लेकिन सैकड़ों किर्गिज लोगों ने पाकिस्तानियों सहित विदेशी छात्रों के आवास वाली इमारतों पर हमला कर दिया था।

पाकिस्तानी दूतावास के अनुसार, किर्गिज राजधानी में 13 मई को मिस्र के लोगों के साथ विवाद के बाद वहां के स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानियों सहित विदेशी छात्रों पर हमला कर दिया था। रिपोर्ट में किर्गिज स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि हिंसा में 29 लोग घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 14 विदेशियों को इलाज के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। राजदूत जैगम ने पाकिस्तानी छात्रों को दी सलाह सरकारी पाकिस्तान लीविजन (पीटीवी) ने कहा कि बिश्केक से 180 पाकिस्तानी छात्रों को लेकर विशेष उड़ान पाकिस्तान पहुंच चुकी है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने हिंसा के बीच से सुरक्षित पहला बैच लहौर पहुंचने पर स्वागत किया। वहीं, किर्गिस्तान में पाकिस्तानी दूतावास ने बिश्केक में पाकिस्तानी छात्रों को घर के अंदर रहने की सलाह देते हुए एक निर्देश जारी किया है। किर्गिस्तान में पाकिस्तान के राजदूत हसन जैगम ने एक्स पर अपने छात्रों के लिए एक सलाह साझा की। उन्होंने कहा, हम अपने छात्र समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ संपर्क कर रहे हैं।

भारत ने भी छात्रों को सतर्क रहने की दी सलाह

इससे पहले भारत ने भी हिंसा पर चिंता जाहिर की थी। साथ ही भारतीय छात्रों को सतर्क रहने के लिए कहा। भारतीय दूतावास ने छात्रों को घर के अंदर ही रहने की सलाह दी थी। साथ ही कहा कि आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क करें।

ताइवान के इर्द-गिर्द नजर आए चीन के सैन्य विमान और जहाज, अलर्ट जारी, रक्षा मंत्रालय ने जारी किया बयान

ताइपे, 19 मई (एजेंसियां) ।

ताइवान के पास मिले चीन के सात सैन्य विमान और जहाज मिले हैं। अलर्ट जारी करते हुए उन्होंने ताइवान रक्षा मंत्रालय ने उसका जवाब दिया। चीन और ताइवान के बीच काफी लंबे समय से तनाव चल रहा है। चीन ताइवान पर अपने अपने संप्रभुता का दावा करता है। बता दें कि ताइवान ने अक्सर चीन की सैन्य गतिविधियों और बलपूर्वक ताइवान को मुख्य भूमि के साथ फिर से जोड़ने की उसकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में चिंता जता चुका है। एमएनडी ने पिछले कुछ वर्षों से चीनी सैन्य गतिविधियों पर दैनिक रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार उन चीनी विमानों, ड्रोन और गुब्बारों की पहचान की है जो ताइवान जलडमरूमध्य मध्य रेखा को पार करके ताइवान की ओर आते पाए गए हैं। इसी बीच ताइवान रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने सात सैन्य विमान और सात पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) जहाजों का पता लगाया। एमएनडी ने कहा कि ताइवान के सशस्त्र बलों (आरओसीआर्म्डफोर्सेज) ने निगरानी की और तुरंत इसका जवाब दिया। ताइवान रक्षा

मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ताइवान के आसपास सक्रिय 7 पीएलए विमान और 7 पलैन जहाजों का पता लगाया गया था। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने ताइवान के पास चीनी सैन्य विमानों और जहाजों की एक महत्वपूर्ण उपस्थिति का पता लगाने की पुष्टि की। मंत्रालय के बयान के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास 18 चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी विमान और चार पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी जहाजों का पता चला था। उन्होंने बताया कि विमानों में से 12 के मध्य रेखा को पार करने और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश करने की सूचना मिली थी।

राष्ट्रपति ने विवादास्पद विदेशी एजेंट विधेयक पर किया वीटो, हाल में हुए थे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन

त्बिलिसी, 19 मई (एजेंसियां) ।

देश में भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जॉर्जिया की राष्ट्रपति ने एक विवादित विधेयक पर वीटो किया। इसके मुताबिक अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने मीडिया को निशाना बनाने वाले एक विवादित विधेयक पर वीटो कर दिया। इस विधेयक के खिलाफ बीते हफ्तों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। इसके मुताबिक, अगर मीडिया और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को विदेश से 20 फीसदी से ज्यादा पैसा मिलता है, तो उन्हें विदेशी शक्ति वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी। राष्ट्रपति ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वह इस कानून को अस्वीकार्य मानती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति

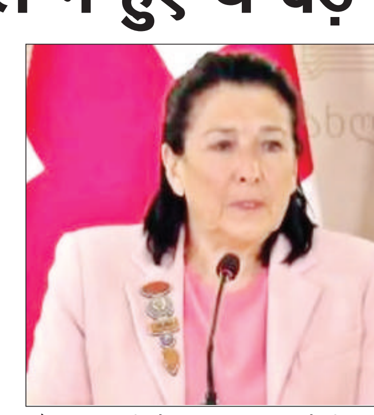

जौराबिचविली ने विवादास्पद विदेशी एजेंट विधेयक से पैदा हुए तनाव को कम करने के मकसद से कानून को वीटो किया। इस कानून की व्यापक आलोचना हुई थी और इसके खिलाफ अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिले थे। इन प्रदर्शनों ने जॉर्जिया की लोकतांत्रिक साख और यूरोपीय संघ की आकांक्षाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। उन्होंने इसे रूसी कानून करार दिया।

हालांकि, राष्ट्रपति जौराबिचलविली का वीटो केवल इस प्रस्तावित कानून में देरी करने का काम कर सकता है, क्योंकि संसद एक अतिरिक्त वोट के साथ इसे रद्द करने की शक्ति रखती है। सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी की ओर से प्रस्तावित और इस हफ्ते के शुरू में संसद द्वारा पारित कानून में गैर सरकारी संगठनों और मीडिया आउटलेट्स को विदेश से अपने वित्त पोषण का 20 फीसदी से अधिक धन प्राप्त करने के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी।

वीटो करने के बाद जौराबिचविली ने कहा, आज, मैंने रूसी कानून को वीटो कर दिया। यह कानून अपने सार और भावना में मौलिक रूप से रूसी है, जो हमारे संविधान और सभी यूरोपीय मानकों का उल्लंघन करता है। इस प्रकार यह हमारे यूरोपीय मार्ग के लिए एक बाधा पैदा करता है। इस कानून को निरस्त किया जाना चाहिए।

कहां हैं पंचेन लामा जिन्हें चीन ने छह साल की उम्र में कर लिया था अगवा, अब अमेरिका ने मांगा पता

वॉशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी से छिपा नहीं है। आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर आपस में तनातनी बनी रहती है। अब अमेरिका ने चीन पर तिब्बती आध्यात्मिक नेता को लेकर दवाब बनाना शुरू कर दिया। उसने बीजिंग से सवाल पूछा है और जानना चाहा है कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता पंचेन लामा कहां हैं अमेरिका ने सुदूर हिमालयी क्षेत्र से तिब्बती आध्यात्मिक नेता के लापता होने की 29वीं बरसी के मौके पर चीन से पंचेन लामा के ठिकाने और उनकी भलाई के बारे में तुरंत जानकारी देने का आग्रह किया है।

कौन हैं पंचेन लामा

तिब्बती लोग दलाई लामा को अपना आध्यात्मिक नेता के साथ ही राजनीतिक नेता भी मानते हैं। 1995 में दलाई लामा ने छह साल के गेंडुन चोएकीय न्यीमा को 10वें पंचेन लामा के अवतार के रूप में मान्यता दी थी। मान्यता के सिर्फ तीन दिन बाद चीन ने बच्चे और उसके माता-पिता को साथ ले जाने की बात कही थी। उसके बाद से लेकर अबतक पंचेन को किसी नहीं देखा। कहा जाता है कि चीन ने बच्चे का अपहरण कर लिया था। बता दें, न्यीमा का जन्म 25 अप्रैल 1989 को

तिब्बत में हुआ था।

अमेरिका ने मांगी जानकारी

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के एक प्रेस बयान में कहा कि गेंडुन चोएकीय न्यीमा लापता हैं और उस दिन के बाद से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। 'पंचेन लामा के गायब होने के 29 साल पूरे होने पर' उन्होंने कहा कि चीन सरकार तिब्बती समुदाय के सदस्यों को उनके महत्वपूर्ण धार्मिक व्यक्ति तक पहुंचने से रोक रही है। इसके बजाय राज्य-चयनित प्रॉक्सी को बढ़ावा देना जारी रख रही है।

17 मई 1995 से पूरा परिवार गायब

भारत में निर्वासित तिब्बती सरकार के एक बयान के अनुसार, 14 मई, 1995 को दलाई लामा ने आधिकारिक तौर पर न्यीमा को 11वें पंचेन लामा के रूप में घोषित किया था। 17 मई, 1995 में उन्हें और उनके पूरे परिवार को चीनी हिरासत में ले लिया गया था, जिससे वे छह साल की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के राजनीतिक कैदी बन गए।

चीन की कम्युनिस्ट सरकार इतने पर ही नहीं रुकी। बीजिंग ने एक दूसरे भिक्षु को पंचेन लामा के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया, जिसे दलाई लामा ने मान्यता नहीं दी थी और न ही उसकी कोई विश्वसनीयता है। लंबे समय से तिब्बती असली पंचेन लामा को रिहा करने की मांग कर रहे हैं।

तिब्बतियों के नेताओं का हो सम्मान

यह कहते हुए कि अमेरिका तिब्बतियों के मानवाधिकारों और उनकी विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई पहचान के संबंध में उन अधिकारों के प्रयोग का समर्थन करता है, मिलर ने कहा कि सभी धार्मिक समुदायों के सदस्यों की तरह तिब्बतियों को भी चयन करने की क्षमता होनी चाहिए। दलाई लामा और पंचेन लामा जैसे अपने स्वयं के नेताओं को उनकी अपनी मान्यताओं के अनुसार और सरकारी हस्तक्षेप के बिना शिक्षित करें और उनका सम्मान करें।

न्यीमा को तुरंत रिहा करने का आग्रह

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, हम चीन की सरकार से न्यीमा के बारे में तुरंत जानकारी देने और उन्हें पीआरसी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अपने मानवाधिकारों का पूरी तरह से उपयोग करने की अनुमति देने का आग्रह करते हैं। चीन को तुरंत बिना शर्त पंचेन लामा, उनके माता-पिता को अपनी कैद से रिहा करना चाहिए।

चीन का क्या है कहना

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी पंचेन लामा को गायब करने के बाद से ही उनके बारे में जानकारी छिपाती रही है। पंचेन लामा के बारे में जो थोड़ी बहुत जानकारी है वह चीन के सरकारी स्त्रोतों से ही मिली है। साल 2022 के अप्रैल में चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि न्यीमा जब बच्चे थे तो उन्हें मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा दी गई। कॉलेज से पास आउट होने के बाद अब वह नौकरी कर रहे हैं।

भगवान नरसिंह जयंती कल

पूजा करने के लिए सबसे अच्छा दिन, जानें जयंती का महत्व

भगवान विष्णु ने संसार के कल्याण और अधर्म के नाश के लिए समय-समय पर कई अवतार लिए। उनके कई अवतारों में एक है नरसिंह अवतार। इसे भगवान विष्णु का सबसे महत्वपूर्ण अवतार माना जाता है।

पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख महीने की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को नरसिंह जयंती के रूप में मनाया जाता है, जोकि इस वर्ष मंगलवार 21 मई 2024 को पड़ रही है। ऐसी मान्यता है कि भक्त प्रह्लाद को राक्षस हिरण्यकश्यप से बचाने के लिए भगवान विष्णु ने यह अवतार लिया था।

भगवान विष्णु के इस अवतार को उनका रौद्र रूप माना जाता है। क्योंकि श्रीहरि विष्णु हमेशा मुस्कुराते हुए और शांत नजर आते हैं। राम, कृष्ण, बुद्ध आदि अवतारों में भी उनकी छवि कुछ ऐसी ही रही। लेकिन भगवान विष्णु का नरसिंह अवतार उग्र और डरावना है। नरसिंह अवतार का रूप आधा मानव और आधा सिंह का है।

नरसिंह जयंती पूजा शुभ मुहूर्त

वैशाख शुक्ल की चतुर्दशी तिथि का आरंभ 21 मई को शाम 05:40 से होगा और 22 मई शाम 06:45 को इसका समापन होगा। भगवान नरसिंह की पूजा संध्या में करने का महत्व है। इसलिए मंगलवार 21 मई को नरसिंह जयंती मनाई जाएगी। इस दिन पूजा के लिए शाम 04 बजकर 24 मिनट से 07 बजकर 09 मिनट का समय शुभ रहेगा।

नरसिंह जयंती का महत्व

नरसिंह जयंती के पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है। नरसिंह जयंती पर भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार के पूजन से भक्तों को लाभ मिलता है, ग्रह-दोष दूर होते हैं और घर पर सुख-समृद्धि का वास होता है। मान्यता है कि इस दिन जो भक्त विधि-विधान से पूजन करते हैं और व्रत रखते हैं, उन्हें एकादशी व्रत के समान शुभ फल की प्राप्ति होती है और बैकुंठ लोक में स्थान मिलता है।

यहां हुआ विवाह तो सात जन्मों तक चलेगा रिश्ता..

वर्षों से यहां दुल्हन देखने की चली आ रही परंपरा

इस मंदिर की खूबसूरती देखते ही बनती है। मधुबनी शहर के बीचोबीच स्थापित है काली मंदिर। यह मंदिर अपनी ख्याति की वजह से जाना जाता है। मान्यता है कि यदि किसी व्यक्ति का विवाह इस स्थल से हो तो वो अपने सातों जन्म तक अपने रिश्ते को, दांपत्य जीवन को खुशीपूर्वक व्यतीत करता है। इस मंदिर की स्थापना महाराजा ने इसी उद्देश्य से की थी। मंदिर के दूसरे छोर पर गंगासागर तलाब मौजूद है। मंदिर के साथ साथ यहां का जलाशय भी काफी लोकप्रिय है। काफी दूर में फैले इस जलाशय को मधुबनी का रौनक भी माना जाता है। यहां भक्त स्नान भी करते हैं और जल लेकर माता को अर्पित भी करते हैं।

वर्षों से दुल्हन देखने का चला आ रहा रिवाज, महराजा ने की थी इस मंदिर की स्थापना।.दूरदराज से आते हैं लोग, इस काली मंदिर में लोग कन्या देखने के साथ-साथ विवाह की रस्म भी पूरी करते हैं.

यह जगह वैसे तो मुख्यत: वैवाहिक संबंध के लिए है लेकिन इसके अलावा भी किसी शुभ अवसर पर या मान्यता होने पर भक्तगण छागर की बलि चढ़ाते हैं, जिससे देवी मां प्रसन्न होती है।

माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना परिणय संबंध को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यहां आप किसी भी मकसद से आए तो बाहर से कुछ ना लेकर आए वही बेहतर है। क्योंकि मंदिर के बिल्कुल पास एक मार्केट है,जहां आपकी जरूरत के सारे समान मिल जायेंगे। प्रसाद के साथ साथ रेडीमेड गारमेंट्स भी बड़े आसानी से उपलब्ध है

यहां स्नान मात्र से दूर हो जाते हैं शारीरिक रोग

30 एकड़ में फैला है जलाशय..आज भी साफ है इसका पानी

दरभंगा महाराजा स्वयं एक ज्योतिष थे। कहा जाता है कि काली मंदिर के पास इस तालाब की खुदाई का उद्देश्य यह था कि मधुबनी में एक ऐसा तलाब हो जिसमें स्थानीय लोग किसी शुभ अवसर के समय स्नान ध्यान कर पूजा पाठ कर सके। ताकि लोगों की रुचि पूजा पाठ में बनी रहे।

लगभग 30 एकड़ में फैले इस तालाब का बड़ा ही गहरा इतिहास है। माना जाता है कि इसे दरभंगा महाराजा विशेश्वर सिंह ने खुदवाया था। कैसे बना यह गंगासागर तलाब? इसके पीछे की कहानी भी काफी दिलचस्प है।

अब ऐसी मान्यता है कि यहां स्नान करने से व्यक्ति के रोग, दुख दूर हो जाते हैं। साथ ही किसी चीज की मान्यता के साथ स्नान करने में वो मनोकामना भी पूरी हो जाती है।मधुबनी की जान है यह तालाब। ये शहर के बीचों-बीच है स्थित। जब से महाराजा ने इसे खुदवाया था तब से अभी तक इसका पानी स्वच्छ है।

मानसिक शांति और आर्थिक तंगी से हैं परेशान?

दूध के चार चमत्कारी उपाय दूर करेंगे हर परेशानी, बढ़ेगी सुख-समृद्धि

आपने अधिकतर दूध का प्रयोग स्वादिष्ट पकवान बनाने में किया होगा लेकिन क्या आप जानते हैं कि सनातन धर्म में पूजा-पाठ में दूध का विशेष महत्व बताया गया है? ज्योतिष शास्त्र में दूध को चंद्रमा का कारक माना गया है। अगर आपके जीवन में परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही और हर काम बिगड़ रहे हैं तो आप दूध से जुड़े कुछ उपाय अपना सकते हैं। इन्हें अपनाने से आपके जीवन से सभी परेशानियां दूर हो सकती हैं..

दूध के चमत्कारी उपाय सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी

सोमवार के दिन महादेव की पूजा अर्चना की जाती है। सोमवार के दिन सुबह स्नान आदि कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। अब एक पात्र में दूध लें। उसमें काली मिर्च डालें। इसके बाद दूध को शिवलिंग पर अर्पित करें। ऐसा करने से सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी होती है।

दूर होगी आर्थिक तंगी

अगर आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर है तो आपको अपने सिर के पास एक ग्लास दूध का भरा हुआ रखें। आपको दाहिने हाथ की ओर दूध का ग्लास रखें। इसके बाद सुबह उठने के बाद बबूल के पेड़ पर इसे डाल दें।ऐसा आपको 11 रविवार तक करना है। ऐसा करने से आपको आर्थिक परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

मिलेगी मानसिक शांति

दूध चंद्रमा का कारक होता है। अगर आप चंद्रमा को दूध अर्पित करते हैं तो आपको मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। ऐसा करने से इंसान के जीवन में शांति मिलती है और घर में अच्छा माहौल बना रहता है।

तुलसी में करें अर्पित

अगर आप तुलसी के पौधे में दूध अर्पित करते हैं तो इस उपाय से घर की नेगेटिव एनर्जी खत्म होती है। क्योंकि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में मां लक्ष्मी और मां तुलसी प्रसन्न होती हैं और जातक को इसका लाभ मिलता है।

सूर्यास्त से पहले क्यों करना चाहिए भोजन?

ज्योतिष शास्त्र में हमारी दिनचर्या का भी उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि अगर ज्योतिष के नियमों के अनुसार अपनी दिनचर्या को बदल लें तो इससे हमारे जीवन में खुशहाली का आगमन हो सकता है। शास्त्रों में हमारी सेहत को लेकर कई नियम बताए गए हैं, उनसे से एक हमारे भोजन से संबंध रखता है। जी हां, यदि हम सही नियम के साथ शास्त्रों के अनुरूप कुछ बदलाव करें तो ये हमारे जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। भोजन के बारे में हमारी परंपरा में कहा गया है कि यदि हम एक उचित समय पर भोजन ग्रहण करें तो ये एक चमत्कारी बदलाव हमारे जिंदगी में ला सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार रात के भोजन करने का सही समय क्या होता है?

ज्योतिष शास्त्र से रात के भोजन का संबंध

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर दिन ग्रहों की एनर्जी व्यक्ति को प्रभावित करती है।

अगर इन ऊर्जाओं के साथ हम सही गतिविधियां करें तो ये सकारात्मक प्रभाव देती हैं, इसलिए रात के भोजन का नाता शास्त्रों से जुड़ा है। इसका संबंध सिर्फ ज्योतिष से ही नहीं है, बल्कि विज्ञान और आयुर्वेद में भी रात के भोजन का समय निर्धारित किया गया है, जिसका सीधा असर स्वास्थ्य से है।

देर रात भोजन वर्जित

ज्योतिष शास्त्र में देर रात भोजन को वर्जित माना गया है। भोजन का सही समय सूर्यास्त से पहले कहा गया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये आपकी पाचन क्रिया के लिए जरूरी है। अगर आप सूर्यास्त के पहले भोजन कर लेते हैं तो ये आपकी पाचन क्रिया को दुरुस्त रख सकता है।

इस समय बिलकुल भी न करें रात का भोजन

कभी भी रात को 12 बजे के बाद भोजन नहीं करना चाहिए।

इसका असर स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है। लेकिन ये मानसिक सेहत पर भी प्रभाव डालता है। इसके साथ ही इस समय भोजन करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव भी रह सकता है।

रात के समय लें हल्का भोजन

रात के समय आपको हमेशा हल्का भोजन ही करना चाहिए। गरिष्ट भोजन रात के वक्त नहीं करना चाहिए। ये आपकी नींद को प्रभावित करता है, इसलिए हमेशा ऐसा भोजन करें, जो लाइट हो और आपको अच्छी नींद भी दे।

दिशा का रखें ध्यान

भोजन के समय सही दिशा का भी ख्याल रखें। दक्षिण दिशा की तरफ मुंह करके भोजन न करें। भोजन करते वक्त आपका चेहरा उत्तर, पूर्व या पश्चिम दिशा की तरफ होना चाहिए।

सही दिशा और समय पर किया गया भोजन आपकी अच्छी सेहत और मन को प्रसन्न रखने में मदद करता है।

ममूटी की फिल्म टर्बो का ट्रेलर हुआ जारी

इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्मों में से एक ममूटी की आगामी फिल्म टर्बो रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया है। एक्शन से भरपूर ट्रेलर में ममूटी को लोकप्रिय कन्नड़ अभिनेता राज बी शेट्टी के साथ भिड़ते हुए दिखाया गया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है। आइए जानते हैं कि ट्रेलर देखने के बाद ममूटी के प्रशंसकों की क्या प्रतिक्रिया रही है।यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 2022 की भीष्म पर्व के बाद यह ममूटी की पहलीबड़ी मनोरंजन फिल्म है। टर्बो एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें कई चौंका देने वाले एक्शन सीन्स हैं। 12 मई को ममूटी ने ट्रेलर का यूट्यूब लिंक सोशल मीडिया पर शेयर किया था। ट्रेलर में जोस (ममूटी) का परिचय दिया गया है, जिसे सभी लोग प्यार से टर्बो जोस कहते हैं। वह एक शक्तिशाली व्यक्ति (राज बी शेट्टी) से भिड़ते नजर आता है।ट्रेलर में दोनों के बीच दुश्मनी की वजह का खुलासा नहीं किया गया है। पुलिमुरुगन के निर्देशक वैशाख ने टर्बो के लिए एक बार फिर ममूटी के साथ मिलकर काम किया है। पटकथा अंजाम पथिरा और अब्राहम ओजलर निर्देशक मिधुन मैनुएल थॉमस द्वारा लिखी गई है। टर्बो में कन्नड़ अभिनेता राज बी शेट्टी, तेलुगु अभिनेता सुनील और अंजना जयप्रकाश, कबीर दुहान सिंह, सिद्दीकी, शबरीश वर्मा और दिलेश पोथान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।ममूटी को आखिरी बार इसी साल मलयालम फिल्म ब्रह्मयुगम मुख्य भूमिका में देखा गया था। मेगास्टार की मुख्य भूमिका वाली इस हॉरर फिल्म का निर्देशन राहुल सदासिवन ने किया है और इसमें अभिनेता सिद्धार्थ भारतन और अर्जुन अशोकन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आए। अभिनेता ने पिछले कुछ वर्षों में बैक-टू-बैक हिट फिल्मों के साथ शानदार प्रदर्शन किया है। वह अगली बार स्टाइलिश एक्शन थ्रिलर बाजूका में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

22 मई को कल्कि 2898 एडी में बुज्जी के रोल के बारे में होगा खुलासा

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सु-परस्टार प्रभास की आने वाली पैन इंडिया फिल्म, कल्कि 2898 एडी में उनके दोस्त बुज्जी के किरदार का खुलासा 22 मई को होगा।

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दर्शकों के अलावा इंडस्ट्री भी इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस फिल्म में प्रभास, भैरव के किरदार में नजर आयेंगे। 22 मई को भैरव का किरदार निभा रहे सबसे अच्छे दोस्त, बुज्जी के किरदार का खुलासा होगा।

नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित कल्कि 2898 एडी बहुभाषी फिल्म है, जो 27 जून को रिलीज होगी।

गुड बैड अगली फिल्म से अजित का पहला लुक आया सामने

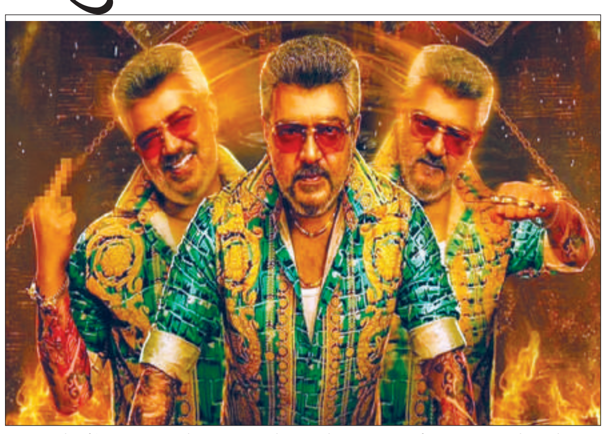

दक्षिण भारतीय अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' के निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टर के साथ एक बड़ी घोषणा की है। अभिनेता की फिल्म अगले साल पोंगल पर रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग शुरू होने के लंबे समय के बाद निर्माताओं द्वारा कोई आधिकारिक घोषणा की गई है। इस घोषणा से पहले ही प्रोडक्शन ने अजित के प्रशंसकों को सूचित कर दिया था कि 19 मई की शाम 6:31 बजे फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आएगी।

माइथ्री प्रोडक्शंस ने अपने सोशल मीडिया पर 'गुड बैड अग्ली' फिल्म से अभिनेता अजित का अनोखा लुक जारी किया है। पोस्टर में अजित के तीन लुक दिख रहे हैं। अजित के लुक को देखकर लग रहा है कि वह किसी माफिया का किरदार फिल्म में निभा रहे हैं। उनके सामने टेबल पर बहुत सारी बंदूकें रखी हैं। प्रशंसक अभिनेता के इस लुक को देखकर अंदाजा लगा रहे हैं कि यह एक अपराध कॉमेडी फिल्म हो सकती है। फिल्म के पोस्टर को देखकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म गुड बैड अग्ली में अजित कुमार ट्रिपल भूमिका में नजर आ सकते हैं। बता दें कि 2006 की ब्लॉकबस्टर वरलारु के बाद यह अजित कुमार की दूसरी ट्रिपल भूमिका वाली फिल्म होगी।

तन्वी शेवाले ने अपने उडने की आशा भूमिका के लिए मसाज, मैनीक्योर और पेडीक्योर वीडियो देखे

शो ..उडऩे की आशा.. में मसाज थेरेपिस्ट का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री तन्वी शेवाले ने अपने किरदार की तैयारियों के बारे में साझा करते हुए कहा कि स्क्रीन पर पेशेवर दिखने के लिए उन्होंने मसाज, मैनीक्योर और पेडीक्योर वीडियो देखे।रोशनी की भूमिका निभाने वाली तन्वी ने कहा: मैंने कुछ मसाज वीडियो और कुछ मैनीक्योर पेडीक्योर वीडियो देखे, और दृश्यों के लिए उनका अभ्यास किया ताकि यह नकली न लगे और पेशेवर दिखें क्योंकि वह एक पेशेवर हैं और अपने काम में अच्छी हैं।अपनी भूमिका के बारे में अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, मेरा किरदार रोशिनी शो की समानांतर मुख्य भूमिका है। वह एक मसाज थेरेपिस्ट है और महिलाओं को घरेलू सेवाएं देती है। उसका खुद का एक पार्लर खोलने का सपना है इसलिए वह बचत करना और कमाना चाहती है। बहुत सारा पैसा। वह एक बहुत ही महत्वाकांक्षी, व्यावहारिक, स्ट्रीट-स्मार्ट, बहिर्मुखी लड़की है। उसने कम उम्र में अपने जीवन में बहुत सारे सबक सीखे हैं, इसलिए वह एक मजबूत महिला भी है तेजस का जिसे आप आने वाले एपिसोड में देखेंगे।क्या उसके और रोशनी के बीच कोई समानता है, तन्वी ने कहा: रोशनी एक दूरदर्शी, स्वतंत्र और महत्वाकांक्षी लड़की है जिसके बड़े सपने हैं और मुझे लगता है कि यही वह जगह है जहां मैं उसके साथ जुड़ सकती हूं सिवाय इसके कि हम पूरी तरह से विपरीत हैं। उडऩे की आशा सचिन और सैली की कहानी के साथ-साथ रिश्तों और समीकरणों की पेचीदगियों को भी दर्शाती है। राहुल कुमार तिवारी द्वारा निर्मित, उडऩे की आशा रात 9 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

लाल लहंगे में छलका रकुल प्रीत सिंह के हुस्न का नूर

गॉर्जियस लुक से नजरें हटना हुआ मुश्किल

बॉलीवुड की खूबसूरत और ग्लैमरस अभिनेत्रियों में से एक रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर कर अक्सर इंटरनेट पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके हुस्न के कायल हो जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स से लोगों को इस कदर कायल किया हुआ है कि हर कोई उनकी तारीफ करते नहीं थकता है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। साथ ही उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।फोटोशूट के दौरान रकुल प्रीत सिंह ने रेड कलर का लहंगा और साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहना हुआ था, जिसमें उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर लोगों की नजरें हटना मुश्किल हो गई थी।रकुल प्रीत सिंह बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिसकी हर एक झलक पाने के लिए फैंस उनकी फोटोज का बेसब्री से इंतजार करते हैं।कानों में इयररिंग्स, बालों को हाई पोनी लुक देकर और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं।

नाओमी कैंपबेल ने कान्स रेड कार्पेट के लिए अपनी 1996 चैनल ड्रेस को पुनर्जीवित किया

नाओमी कैंपबेल ने स्थिरता और फैशन की एक मिसाल कायम की है। पीपल की रिपोर्ट के अनुसार, 'फ्यूरियोसा: ए मैड मैक्स सागा' के कान्स प्रीमियर के लिए, सुपरमॉडल ने चैनल फॉल 1996 कॉउचर शो की एक शानदार पोशाक पहनी थी।

चैनल के लिए स्वर्गीय कार्ल ले-गरफेल्ड के 1996 के पतझड़/सर्दियों के उच्च फैशन संग्रह का काला सेक्विन ड्रेस हिस्सा मूल रूप से दो दशक से भी अधिक समय पहले रनवे से नीचे चला गया था, लेकिन आज भी उतना ही अच्छा दिखता है।

53 वर्षीय कैंपबेल, जिन्हें लॉ रोच ने स्टाइल किया था, उन्होंने 1996 की तुलना में 2024 में इस ड्रेस को थोड़ा अलग तरीके से पहना।

फर्श-लंबाई की पोशाक में एक काले रंग की अनुक्रमित चोली है जो उसके कंधों पर मोतियों की नाजुक डोरियों द्वारा समर्थित है।

90 के दशक में, सरासर पैनलों को अपनी पूरी महिमा नहीं मिली, क्योंकि कैंपबेल ने परिधान के नीचे एक पर्ची पहनी थी। अब, तथापि, वह पोशाक के नीचे अपनी काली पेटी दिखाने की एक शक्तिशाली चाल के साथ चली गई और पर्ची छोड़ दी।

रनवे शो के लिए उनके बाल भी नाटकीय रूप से पीछे की ओर खिसके हुए थे, जबकि कान्स में उनके बाल ढीले और ब्रश-आउट कर्ल में थे। उन्होंने नाटकीय लटकते झुमके भी पहने थे, जो उनके पहनावे की शोभा बढ़ा रहे थे।

कैंपबेल ने जनवरी में पेरिस फैशन वीक में रनवे पर धूम मचाई। उन्होंने बाल्मेन पुरुषों के शो को (शो में वॉक करने वाली एकमात्र महिला के रूप में, हम जोड़ सकते हैं) एक आकर्षक सोने की हेडपीस में बंद कर दिया, जो उनके चेहरे से लंबवत रूप से नीचे की ओर जाती थी, साथ ही उनके शरीर के सामने एक बड़ा मूर्तिकला टुकड़ा रखा गया था। सुनहरा आभूषण, जो उसकी कमर के चारों ओर एक बेल्ट से जुड़ा हुआ प्रतीत होता था, में दो हाथों से पकड़े हुए धातु के फूलों का एक गुलदस्ता था।

क्रिएटिव डायरेक्टर ओलिवियर रूस्टिंग द्वारा डिज़ाइन किया गया उनका पहनावा, विलासिता का प्रतीक था: काली पैंट, गहरी नेकलाइन वाला एक टैन टॉप और उनके कंधों पर एक बड़े आकार का ऊँट रंग का कोट, जैसा कि पीपल ने बताया।

अस्वीकरण: यह पोस्ट पाठ में किसी भी संशोधन के बिना एजेंसी फ़ीड से स्वचालित रूप से प्रकाशित किया गया है और किसी संपादक द्वारा इसकी समीक्षा नहीं की गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरूरी सामान को एक बार जरूर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 20 मई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 04:00 तक
नक्षत्र : चित्रा अहोरात्र
योग : सिद्धि दोपहर 12:09 तक
करण : बालव सायं 04:00 तक
चन्द्रराशि : कन्या सायं 04:35 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– श्याम बाबा की बारस , सोम प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यह चुनाव देश की तकदीर का फैसला करने वाला : सचिन

फतेहाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि यह लोकसभा चुनाव देश की तकदीर का फैसला करने वाला निर्णायक चुनाव है। श्री पायलट सिरसा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 साल से केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है और महंगाई व बेरोजगारी को दूर करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार ने ग्रामीणों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी देने के लिए मनरेगा कानून बनाया।

अब भी घोषणा पत्र में यह संकल्प लिया गया है कि 400 रुपए पूरे देश में मनरेगा के तहत मजदूरी की जाएगी। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 16 लाख करोड रुपए चंद पूंजीपतियों का कर्ज माफ कर दिया। मगर किसानों का कर्ज माफ करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। वर्ष 2014 में जो गैस का सिलेंडर 400 रुपए का था वह अब 1100 रुपए का बिक रहा है।

नई शिक्षा नीति से विद्यार्थियों का होगा सर्वांगीण विकास : भजनलाल

पाली, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है और यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं कौशल उन्नयन और रोजगार के लिए उन्हें तैयार करेगी।श्री शर्मा रविवार को पाली के तखतगढ़ में रायगांधी आदर्श विद्या मंदिर के नवीन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम एवं भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री मोदी परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें प्रेरणादायी परामर्श देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अल्प आय वर्ग, लघु/सीमांत एवं बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के परिवार के छात्रा-छात्राओं को केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा दे रही है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के विद्यार्थियों को स्कूल बैग, किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए कक्षा एक से आठवीं तक के समस्त विद्यार्थियों और कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं को प्रति विद्यार्थी एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक संभाग में आईआईटी की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज शुरू किया जा रहा है।

अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सीलरेटर एक हजार करोड़ रुपए की लागत से प्रारंभ कर रहे हैं। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे विज्ञान और तकनीक के नए उभरते हुए क्षेत्रों के लिए विद्यार्थी खुद को तैयार कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए हमने एसआईटी गठित की और उसके नतीजे आप सभी के सामने हैं।श्री शर्मा ने अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाने और उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों को सिखाने के लिए कहा।

उन्होंने कहा इस विद्यालय में शिक्षा के लिए नवीन भवन का निर्माण एवं जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भामाशाह मणिलाल रायगांधी और नरेन्द्र कुमार रायगांधी ने प्रशंसनीय कार्य किया है। शिक्षा के क्षेत्र में इस योगदान को पीढ़ियों तक याद किया जाएगा। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, विधायक केशाराम चौधरी, छगन सिंह राजपुरोहित तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

पुष्कर में मोहिनी एकादशी पर पंचतीर्थ स्नान शुरू, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

अजमेर, 19 मई (एजेंसियां)। तीर्थराज पुष्कर में रविवार को मोहिनी एकादशी पर वैशाख माह का पंचतीर्थ स्नान शुरू हुआ। यह पंचतीर्थ धार्मिक स्नान 23 मई पूर्णिमा तक चलेगा। पुष्कर के पवित्र सरोवर के घाटों पर अल सुबह से ही मोहिनी एकादशी को देखते हुए श्रद्धालुओं का धार्मिक स्नान के लिए तांता लगा रहा। पुष्कर सरोवर के तीर्थ पुरोहित ने विधिवत पूजा अर्चना कराने में श्रद्धालुओं का सहयोग किया। सूरज की किरणों से निकलती तेज धूप के बावजूद श्रद्धालु सरोवर के घाटों पर स्नान कर धार्मिक लाभ लेकर सुख समृद्धि की कामना कर रहे हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु दान पुण्य के साथ ब्रह्मा मंदिर पहुंच कर भगवान ब्रह्मा जी का आशीर्वाद लेकर मनोकामना कर रहे हैं।

मोहिनी एकादशी के स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि वैशाख माह के पंचतीर्थ स्नान का पुण्य कार्तिक पूर्णिमा स्नान के समकक्ष है। धार्मिक शास्त्रों एवं पुराणों में मोहिनी एकादशी पर वैशाख माह स्नान को श्रेष्ठ माना गया है। यही कारण है कि पुष्करराज में धार्मिक स्नान करने का परम्परागत सिलसिला जारी है।

बेजुबान पशु पक्षियों के लिए पेयजल व्यवस्था शुरू

झुंझनूं, 19 मई (एजेंसियां)। लाला हरचंदराय कौशल्या देवी अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट, हैदराबाद के सौजन्य से ग्राम पचेरी कलां में बुहाना सड़क मार्ग पर दो जगह बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था के लिए टैंकरों से खेत में पानी भरवाया गया।हैदराबाद की प्रसिद्ध फार्मा कंपनी गोयल ड्रग्स एव गोयल फार्मा के सर्वेसर्वा तथा लाला हरचंदराय कौशल्या देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रकाश अग्रवाल ने सामाजिक दायित्व एवं बेजुबान जानवरों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मॉनसून आने तक पेयजल व्यवस्था करने का प्रयास कर रहे है। क्षेत्र में पड़ी रही भयंकर गर्मी के कारण जहां पेयजल की किल्लत हो रही है।

मानव तो अपने लिए किसी न किसी प्रकार से पानी की जरूरत पूरी कर लेते है परंतु बेजुबान पशु पक्षियों के लिए यह समय बेहद परेशान करने वाला है। पशु पक्षियों की इस पीड़ा को ध्यान में रखकर कर ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर चारा पानी की व्यवस्था की जाती रही है।

जनता खुद राजग के खिलाफ चुनाव लड़ रही : गहलोत

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में बने माहौल को देखकर लग रहा है कि अब जनता खुद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ चुनाव लड़ रही है।

श्री गहलोत ने जारी बयान में कहा कि चुनावों के दौरान राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडू, तेलंगाना, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में उन्होंने यह माहौल महसूस किया है। भारत की जनता ने कभी भी तानाशाही और अहंकार को पसंद नहीं किया, भले ही दुनिया के सबसे बड़े साम्राज्य ब्रिटेन का शासन रहा हो। जनता हमेशा उसके खिलाफ उठ खड़ी हुई।

श्री गहलोत ने कहा कि उन्हें खुशी है कि एनडीए सरकार के खिलाफ इस माहौल की शुरुआत राजस्थान से हुई जहां पहले चरण में ही जनता ने सबक सिखाने की शुरुआत की। हर चरण के साथ भाजपा एवं एनडीए की स्थिति खराब हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा 200 सीटों से भी कम पर सिमट जाये तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

जजपा विधायक देवेंद्र बबली ने कांग्रेस को दिया समर्थन

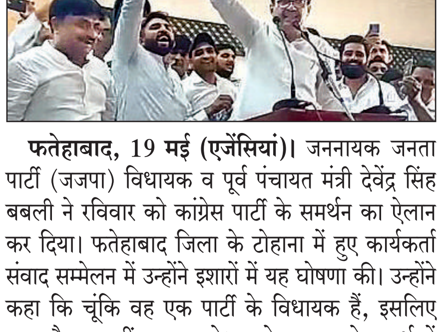

फतेहाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी (जजपा) विधायक व पूर्व पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने रविवार को कांग्रेस पार्टी के समर्थन का ऐलान कर दिया। फतेहाबाद जिला के टोहाना में हुए कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में उन्होंने इशारों में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि चूंकि वह एक पार्टी के विधायक हैं, इसलिए स्पष्ट तौर पर नहीं कह सकते। इसके बाद उनके समर्थकों ने लोकसभा चुनाव में सिरसा में कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा को समर्थन की घोषणा की।श्री बबली ने पिछले महीने पार्टी छोड़ने का संकेत दिया था। वर्ष 2019 में कांग्रेस का टिकट न मिलने पर उन्होंने टोहाना से जजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। आरोप है कि उस समय अशोक तंवर, जो अब सिरसा से भाजपा प्रत्याशी हैं, के कारण उन्हें कांग्रेस का टिकट नहीं मिला था। उस चुनाव में श्री बबली ने तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला को करारी शिकस्त दी थी। बाद में जजपा कोटे से उन्हें दिसंबर 2021 में विकास एवं पंचायत मंत्री बनाया गया था। श्री बबली ने पिछले दिनों अपने समर्थकों से राय मांगी थी। उन्होंने बताया कि तीन हजार से अधिक समर्थकों ने अपनी राय दी थी, जिनमें 74 प्रतिशत लोगों ने फैसला उन पर छोड़ दिया और कहा कि वह जो विकल्प चुनेंगे उनके साथ रहेंगे।

सड़क हादसे में दंपत्ति की मौत, बेटा-बेटी घायल

हिसार, 19 मई (एजेंसियां)। सिरसा हाईवे पर चौथा मिल के पास रविवार दोपहर करीब 12:00 बजे सड़क हादसे में दंपत्ति की मौत हो गई। उनके बेटा और बेटी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार झज्जर जिले के रहने वाला मनजीत सेना में हवलदार के पद पर कार्यरत था। कुछ समय पहले उसकी हिसार कैंट से बठिंडा में पोस्टिंग हुई थी। आज दोपहर को वह अपनी पत्नी प्रमिला बेटी योगिता और बेटा जयदीप के साथ कर में सवार होकर कैंट से बठिंडा जा रहे थे। जब वे सिरसा हाईवे पर चौथ मिलकर नजदीक पहुंचे तो अचानक सड़क हादसा हो गया और मनजीत और उनकी पत्नी प्रमिला की मौत हो गई। जयदीप और योगिता दोनों घायल है।

अवैध वसूली करते परिवहन विभाग के निरीक्षक और गार्ड को एसीबी ने दबोचा

भरतपुर, 19 मई (एजेंसियां)। एसीबी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भरतपुर-बीकानेर एनएच-21 स्थित लुधाबई टोल प्लाजा के पास परिवहन विभाग के एक निरीक्षक के साथ गार्डों को हिरासत में लिया। पकड़े गए परिवहन विभाग के निरीक्षक और गार्डों पर ट्रकों से अवैध वसूली के आरोप हैं। एसीबी की टीम ने हिरासत में लिए निरीक्षक और गार्डों को भरतपुर एसीबी कार्यालय लाकर पूछताछ कर रही है।

एसीबी एडिशनल एसपी अमित चौधरी के नेतृत्व में नेशनल हाईवे स्थित लुधाबई टोल प्लाजा के पास परिवहन विभाग के एक निरीक्षक और पांच गार्डों के साथ एक अन्य व्यक्ति को अवैध वसूली के आरोप में कार्रवाई करते हुए हिरासत में लिया। एडिशनल एसपी अमित चौधरी का कहना है कि परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ ट्रक चालकों से अवैध वसूली की शिकायत मिल रही थी। शिकायत के आधार पर सत्यापन कराया गया, जो कि सही पाया गया। रविवार की सुबह एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग एक निरीक्षक के साथ पांच गार्डों और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया और इन सभी को एसीबी कार्यालय लाया गया है, जहां इससे पूछता जारी है और इनके पास से 1.50 हजार रुपये की राशि बरामद हुई है। 75 हजार रुपये की राशि के सबूत मिले हैं, बाकी 75 हजार की राशि के सबूत नहीं दे पाए। जयपुर एसीबी के उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। उनके निर्देशानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भरतपुर-बीकानेर एनएच-21 स्थित लुधाबई टोल प्लाजा पर परिवहन विभाग के उड़नदस्ते के द्वारा सुबह और शाम ट्रक चालकों से अवैध वसूली का कार्य किया जाता है। इस हाईवे से राजनेताओं से लेकर आला अधिकारियों के द्वारा रोज का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन फिर भी परिवहन विभाग के इन अधिकारियों के खिलाफ किसी ने भी कार्रवाई करने की जद्दोजहद नहीं की।

पीएम मोदी को बेड रेस्ट कराकर ही दम लेंगे : तेजस्वी

सहनी ने खतरे में बताया लोकतंत्र-संविधान

सारण (एजेंसियां)।

बिहार के गोपालगंज लोकसभा क्षेत्र में राजद नेता तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने रविवार को एक जनसभा की। इस दौरान उन्होंने जनता से महागठबंधन के प्रत्याशी प्रेमनाथ चंचल को जिताने की अपील की। साथ ही उन्होंने इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और एनडीए पर जमकर जुबानी हमला किया। पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेरोज-गारी, महंगाई, गरीबी और विकास की बात नहीं करते हैं। वे हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद पर बात करते हैं। राजद नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम ने देश भर में पिछले 10 साल में सिर्फ़ झूठ बोलने और नफरत फैलाने का काम किया है।

दरअसल, भोरे विधानसभा क्षेत्र के विजयीपुर प्रखंड के मुसहरी बाजार में आयोजित जनसभा में तीसरी बार जनसभा को संबोधित कर तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में एनडीए चुनाव हार रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री बार-बार बिहार आ रहे हैं। लेकिन बिहार के लिए

क्या करेंगे, उस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी गोबर को भी हलवा बना देते हैं। मेरी कमर में दर्द है, डॉक्टर ने कहा कि आपको तीन सप्ताह का बेड रेस्ट लेना होगा। मैंने कहा कि मैं तीन सप्ताह तक बेड रेस्ट करूंगा तब तक तो चुनाव ही खत्म हो जाएगा। डॉक्टर साहब मुझे दोनों टाइम इंजेक्शन दीजिए, लेकिन मैं जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बेड रेस्ट नहीं करा देता, तब तक मैं खुद बेड रेस्ट नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में बिहार के लिए केंद्र ने कोई काम नहीं किया है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने 17 महीने में पांच लाख बेरोजगारों को नौकरी दी, जिसे मुख्यमंत्री नीतीश 17 वर्षों में भी नहीं कर पाए। तेजस्वी यादव ने केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही एक करोड़ बेरोजगार युवाओं की नौकरी देने की बात भी कही। वहीं, उन्होंने आगे कहा कि गोपालगंज की जनता के लिए सांसद ने कोई काम नहीं किया है। केंद्र सरकार ने कोई योजना गोपालगंज के लिए नहीं दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आई तो सबेया एयरपोर्ट को चालू कराएंगे और किसानों की आय भी दोगुनी करेंगे। तेजस्वी यादव ने अपने गृह जिले में पहुंचने के बाद 17 साल की सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने गोपालगंज और भोरे विधानसभा क्षेत्रों में कोई काम नहीं किया। हमारी 17 महीने की सरकार ने गोपालगंज को मेडिकल कॉलेज दिया। थावे मंदिर का सौंदर्यीकरण हो रहा है, ट्रामा सेंटर दिया और सदर अस्पताल का नया भवन बन रहा है।

वहीं, वीआईपी के संरक्षक मुकेश साहनी ने कहा कि लोकतंत्र और बाबा साहेब का संविधान आज खतरे में है। आज बाबा साहेब की देन है कि एक मल्लाह का बेटा इस मंच से अपनी बातें रख रहा है। दिल्ली की सरकार (केंद्र सरकार) संविधान और लोकतंत्र को नहीं मानती। पीएम नरेंद्र मोदी हमारे भी पीएम हैं और इस भारत की एक सौ 40 करोड़ जनता के पीएम हैं। उन्होंने चुनाव में जो भी वादा किया, उस वादे को पूरा नहीं कर सके। चुनावी सभा को जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, विधायक प्रेमशंकर यादव, राजेश कुशवाहा, गम्हा यादव, अमरेश यादव, संतोष यादव और राधा यादव आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में श्यामबहादुर यादव, रामअवधेश यादव, जितेंद्र यादव नेता, टुनटुन यादव, रवींद्र राम, आनंदेव यादव, सुनील बारी और अमित यादव ऋषि आदि राजद कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गिरफ्तारी पर बिहार में पिता ने कही यह बात

15 साल से अरविंद केजरीवाल के करीब हैं बिभव

पटना (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद रोहतास जिला काफी चर्चा है। बिभव कुमार कोचस प्रखंड के दिनारा थाना के नरवर पंचायत का खुदरू गांव निवासी महेश्वर राय के पुत्र हैं। महेश्वर राय बीएमपी के सिपाही पद से स्वेक्षिक अवकाश ले चुके हैं। बेटे की गिरफ्तारी को उन्होंने साजिश बताया और कहा कि बिभव पूरी तरह निर्दोश है। साजिश के तहत उसे फंसाया जा रहा है।

महेश्वर राय ने बताया कि पुत्र से मोबाइल फोन पर बात हुई है। जिसमें बिभव ने बताया कि स्वाति मालीवाल बेवजह मुद्दा बना रही है। उन्होंने तो सीएम से मिलने के लिए थोड़ी देर इंतजार करने के लिए कहा था।

इतनी सी बात पर आप सांसद ने इतने गंभीर आरोप लगा दिया। गांव के लोगों का कहना है कि दो भाइयों में सबसे बड़ा बिभव काफी मिलनसार हैं।

क्योंकि, पिछले कई वर्षों से गांव नहीं आए हैं। उनके परिवार का गांव में सबसे अच्छा संबंध

है। बिभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद गांव में भी लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं।

महेश्वर राय ने कहा कि बिभव 15 सालों से हुए अरविंद केजरीवाल के साथ है। बनारस के काशी हिंदू विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरा करने के बाद वह पत्रकारिता की पढ़ाई करने दिल्ली चले गए थे। बिभव कुमार वीडियो जर्नलिस्ट के तौर पर काम किया करते थे। उनकी मुलाकात अरविंद के साथ हुई और वह इंडिया अगेंस्ट करप्शन मैग्जीन के लिए काम करने लगे। इंडिया अगेंस्ट करप्शन संस्था ने ही साल 2011 में देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था। बिभव शुरू से ही अरविंद के रोजाना के कार्यक्रम व दूसरे काम को देख रहे थे। सरकार बनने के बाद भी वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दैनिक काम देखा करते थे।

आप सांसद ने स्वाति मालीवाल ने बिभव कुमार के खिलाफ दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि बिभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की है। स्वाति मालीवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा कि बिभव कुमार ने उन्हें कई बार लात और करीब सात-आठ थप्पड़ मारे। स्वाति जब मदद के लिए चिल्लाने लगीं तब भी बिभव नहीं रुका। आरोप लगाया कि बिभव ने उनकी छाती, पेट और शरीर के निचले हिस्सों पर लात से हमला किया। हालांकि मामले में बिभव कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

नीतीश सरकार के शिक्षक बोल रहे भाजपा को वोट मत दो

वायरल वीडियो से केके पाठक के विभाग में हड़कंप

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में लोक सभा का चुनाव चल रहा है। ऐसे में एक सरकारी विद्यालय में एक शिक्षक के द्वारा स्कूल के छात्रों को भड़काने का मामला सामने आया है, जिसमें शिक्षक के द्वारा उन बच्चों को यह कहा जा रहा है कि अपने अपने मां-बाप को बोलो कि कमल छाप यानी भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं दें। शिक्षक के इस करतूत पर ग्रामीण भड़क गए और अब ग्रामीणों से जिला शिक्षा पदाधिकारी से उस आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। मामला मुज़फ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड का है, जहां अमरख मध्य विद्यालय के शिक्षक हरेंद्र रजक पर स्कूली छात्र छात्र-ाओं ने गंभीर आरोप लगाये हैं। बच्चों का कहना है कि उसके विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक हरेंद्र रजक ने यह कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच किलो सड़ा-गला अनाज देते हैं। उनके द्वारा दिया गया यह 5 किलो राशन भीख जैसा लगता है। इसलिए अपने-अपने माता-पिता को जाकर कहना और यह समझाना कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कमल छाप पर वोट न दें। छुट्टी होने पर जब बच्चे घर गए तो शिक्षक हरेन्द्र रजक की बातों की चर्चा अपने परिजनों से की। यह बात सुनते ही सभी लोग भड़क गये और अगले ही दिन विद्यालय पर पहुंचकर शिक्षक का विरोध करने लगे। अब लोग उस शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। हर घर में इस बात की चर्चा होने के बाद परिजन आक्रोशित होकर विद्यालय पहुँच गये और हंगामा करने लगे। ग्रामीणों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से लिखित शिकायत की है। इस शिकायत पत्र में शिक्षक हरेंद्र रजक पर समाज में नफ़रत पैदा करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने आर-ोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग के आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है। इसलिए आर-ोपी शिक्षक हरेंद्र रजक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

नवादा में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या जलाने के पहले पुलिस ने बरामद किया शव

नवादा (एजेंसियां)।

बिहार के नवादा जिले के नारदीगंज थाना इलाके के जोराबर बिगहा गांव में शनिवार देर रात एक महिला की हत्या ससुराल वालों ने कर दी। उसके बाद आरोपी ससुराल वाले सबूत मिटाने के लिए शव को जलाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन मायके के परिजनों की सक्रियता से ऐसा संभव नहीं हो सका। उनकी सूचना पर रविवार को पुलिस ने गांव के बधार में सोता (आहर) से विवाहिता के शव को बरामद कर लिया। उसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल नवादा भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान नारदीगंज थाना क्षेत्र के जोराबर बिगहा निवासी दुल-ारचंद चौहान की पत्नी ललिता देवी (20) के रूप में हुई है। ललिता की गला घोंट कर हत्या करने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि मृतका का मायका इसी जिले के मुफस्सिल थाना इलाके के झुनाठी गांव में है। वह रामजन्म चौहान की बेटी थी। एक वर्ष पहले ही हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई थी। दहेज में पल्सर बाइक, साढ़े सात लाख रुपये नकदी समेत अन्य सामान दिया गया था।

बताया जा रहा है कि विवाहिता की हत्या की सूचना गांव वालों ने मायके वालों को दी थी। उसके बाद उसके पिता के अलावा भाई चंद्रमौली चौहान, दलेलपुर निवासी मामा जयमंगल चौहान समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन घर में कोई नहीं मिला। तब डायल 112 की पुलिस टीम को सूचना दी गई। उसके बाद शव की खोजबीन शुरू हुई। गांव वालों ने बताया कि शव डोहरा घाट में है, लेकिन वहां भी पुलिस को शव नहीं मिला। फ़िर दूसरी बार 112 पर पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। काफ़ी मशक्कत के बाद मृतका का शव रजौर और जोराबर बिगहा गांव के बीच सोता (पइन) में शव मिला।

बताया जा रहा है कि पइन में काफी ग्ग़ा था, वहां शव को जलाने के लिए ले जाया गया था। खटिया (खाट) पर शव पड़ा था। शव जलाने के लिए ले जाए गए लकड़ी, केरोसिन तेल और तीसी भी बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर कानूनी प्रक्रिया के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

विवाहिता की हत्या की वजह दहेज की मांग को पूरा न करना बताया जा रहा है। मृतका के पति राजमिस्त्री का काम करता है। इधर, मृतका के ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि उसने खुद फ़ांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बहरहाल, सच क्या है वह परिजनों की लिखित शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा। फ़िलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पटना में दिनदहाड़े युवक की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

पटना में दिनदहाड़े एक युवक की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने उसे गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गया। जैसे ही स्थानीय लोग वहां पहुंचे, युवक ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद अपराधी फरार हो गया। यह मामला कदमकुआं थाना क्षेत्र के लंगर टोली मोड़ इलाके का है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस को घटनास्थल से एक खोखा मिला है। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। लोगों का कहना है कि आचार संहिता के दौरान पटना के सबसे व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े हत्या से लोग दहशत में हैं। ऐसा लगा रहा है कि अपराधियों में पुलिस दशहत खत्म हो गया है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से और हत्यारे की गिरफ्तारी करे। पुलिस का कहना है जिस युवक की हत्या हुई है, वह अपराधी प्रवृति का था। कोतवाली थाना क्षेत्र इलाके में संगीन अपराध के मामले में जेल भी जा चुका है। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

पटना में दिनदहाड़े युवक की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

पटना में दिनदहाड़े एक युवक की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने उसे गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गया। जैसे ही स्थानीय लोग वहां पहुंचे, युवक ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद अपराधी फरार हो गया। यह मामला कदमकुआं थाना क्षेत्र के लंगर टोली मोड़ इलाके का है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस को घटनास्थल से एक खोखा मिला है। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। युवक की पहचान अब तक नहीं हुई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। लोगों का कहना है कि आचार संहिता के दौरान पटना के सबसे व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े हत्या से लोग दहशत में हैं।

इंटर के छात्र की गंडक नदी में डूबने से मौत

मौके से दो दोस्त बिना मदद किए डूबता छोड़कर भागे

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार के बेगूसराय में स्नान करने के दौरान गंडक नदी में डूबने से एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के बंदुआर स्थित कैलाशपुर गंडक नदी घाट की है। मृतक छात्र की पहचान नीमा पुरा थाना क्षेत्र के रहने वाले सदानंद पाठक का आशीष कुमार (17) के रूप में की गई है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि आशीष कुमार अपने दो दोस्तों के साथ गंडक नदी में स्नान करने के लिए गया था। स्नान करने के दौरान ही आशीष कुमार का पैर फ़िसल गया, जिससे वह गहरा पानी में चला गया और डूबने लगा।

उन्होंने बताया कि आशीष कुमार को डूबता देखकर बचाने के बजाय दोनों दोस्त मौके से फ़रार हो गए और उसकी पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि हमें इस घटना की सूचना मिलते ही गंडक नदी में पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आशीष का शव गंडक नदी के पानी से बाहर निकाला। वहीं, घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने नीमा चांदपुरा थाना पुलिस को दी। उसके बाद नीमा चांदपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। फ़िर आगे की कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार, मृतक आशीष कुमार इंटर का छात्र था।

जमुई में सड़क किनारे पेड़ से बुरी तरह टकराई कार

जुड़वा भाई-बहन समेत तीन लोगों की मौत

जमुई (एजेंसियां)।

बिहार के जमुई जिले के चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के चकाई-देवघर मुख्य मार्ग पर बसबुटिया गांव के पास शुक्रवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से बुरी तरह से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार दो जुड़वा भाई-बहन और एक बुजुर्ग महिला सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का चकाई और देवघर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मृतकों की पहचान आरा जिला के चरपोखरी थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी नरेंद्र कुमार के बेटे अभिनंदन कुमार (5) और बेटी नंदनी कुमारी (5) के रूप में हुई है। जबकि घायलों में मृत बच्चों की मां नेहा कुमारी, कार चालक

रोहित कुमार, मीना कुमारी, आनंद कुमार ग्राम मानिनी थाना चरवापुरी जिला आरा और रो-हतास की बभनी देवी पति रामप्रवेश यादव के रूप में हुई है।

चश्मदीद राधा कृष्ण ढाबा के संचालक जामुन यादव ने बताया कि वह अपने होटल के सामने सड़क किनारे सोए हुए थे। तभी अचानक तेज आवाज हुई तो देखा कि यूकेलिप्टस (सफेदा) के पेड़ से एक कार टकरा गई है और उस पर सवार लोग अंदर फंसकर चीख-चिल्ला रहे हैं। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई और स्थानीय लोगों के सहयोग से कार में फंसे घायलों को निकाला गया। इसमें एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चे और एक महिला की देवघर सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

इधर, घटना को लेकर घायल बभनी देवी ने बताया कि वे लोग आरा से बच्चे का मुंडन कराने के लिए देवघर जा रहे थे। तभी चालक को नींद आ गई और यह घटना घट गई। चंद्रमंडीह थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया है। साथ ही मृतक बच्चों के गांव में घटना की सूचना भेज दी है। साथ ही पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com